www.hindmatamirror.com ●वर्ष: 12 ●अंक: 195 ●ठाणे, बुधवार 8 अप्रैल, 2026 ●पेज: 8 ●मूल्य: 2 रुपए hindmatamirror1@gmail.com

RNI. NO. MAHHIN/2011/43060

दैनिक हिंदमाता मिरर

पैनी नजर, पुख्ता खबर

अब वरुण चक्रवर्ती भी हुए चोटिल

पेज 8

सिर्फ दिल छूने वाली फिल्में को कहती हैं हां मृणाल

8 पेज

सुप्रभात

पुण्य, पाप से परहेज करने में नहीं है, बल्कि उसे न चाहने में है। विश्व के संपूर्ण महान सत्य भ्रम के रूप में उत्पन्न हुए थे। - **बर्नार्ड शॉ**

मौसम का मिजाज

सूर्यास्त (8 अप्रैल) 6:54 बजे, सूर्योदय (9 अप्रैल) 6:26 बजे, **तापमान: 29 डिग्री से. (धूप खिली रहेगी।)**

शॉर्ट स्टोरी

ग्रामीण भारत में 46 प्रतिशत भूमिहीन: रिपोर्ट

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

देश के ग्रामीण इलाकों में शीर्ष 10 प्रतिशत परिवारों के पास 44 प्रतिशत जमीन है, जबकि 46 प्रतिशत भूमिहीन हैं। वर्ल्ड इनइक्वैलिटी लैब के एक अध्ययन में यह बात कही गई है। भारत में भूमि असमानता: प्रकृति, इतिहास एवं बाजार शीर्षक वाले इस कार्य-पत्र में कहा गया है कि ग्रामीण भारत में शीर्ष पांच प्रतिशत परिवार 32 प्रतिशत जमीन के मालिक हैं, जबकि शीर्ष एक प्रतिशत परिवारों के पास 18 प्रतिशत कृषि भूमि है। यह अध्ययन नितिन कुमार भारती, डेविड ब्लेकस्ली और समरीन मलिक ने संयुक्त रूप से किया है। अध्ययन में करीब 65 करोड़ लोगों और 2.7 लाख गांवों के भूमि आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है।

रिहायशी इलाके में भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद

हिंदमाता नेटवर्क @ नागपुर

नागपुर शहर में दोसर भवन चौक स्थित एक उद्यान से मंगलवार को सुबह विस्फोटक सामग्री का एक बड़ा जखीरा बरामद किया गया, जिसमें 58 डेटोनेटर और जिलेटिन की 15 छड़ें शामिल हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि बम निरोधक दस्ते की एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची और 58 डेटोनेटर और जिलेटिन की 15 छड़ें जब्त कीं। एफएसएल (फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी) और पीईएसओ (पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन) की टीमें जांच कर रही हैं। इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे की तस्वीरें भी कब्जे में ली गई हैं। शुरूआती जांच में ऐसा लगता है कि ये विस्फोटक पिछले करीब डेढ़ महीने से उसी जगह पर रखे हुए थे।

भ्रष्टाचार मामले में पूर्व कस्टम अधिकारी बरी

हिंदमाता नेटवर्क @ ठाणे

ठाणे की एक विशेष अदालत ने सीमा शुल्क विभाग के एक पूर्व उपायुक्त को 2023 के भ्रष्टाचार मामले में बरी कर दिया है। अदालत ने कहा कि इस मामले में आरोप पत्र सक्षम प्राधिकारी से आवश्यक मंजूरी के बिना दायर किया गया था। सीबीआई अदालत के विशेष न्यायाधीश डी एस देशमुख ने पूर्व सीमा शुल्क अधिकारी दिनेश देवराम फुलदिया को आरोपमुक्त करने के आवेदन को स्वीकार करते हुए स्पष्ट किया कि वैध मंजूरी प्राप्त होने के बाद अभियोजन पक्ष नया आरोपपत्र दाखिल करने के लिए स्वतंत्र है। सीबीआई ने 6 जून, 2023 को न्हावा शेवा में तैनात फुलदिया और एक अन्य अधिकारी को गिरफ्तार किया था।

वानखेड़े जांच का मलिक से संबंध नहीं

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने मंगलवार को बॉम्बे उच्च न्यायालय को बताया कि उसके पूर्व क्षेत्रीय निदेशक समीर वानखेड़े के खिलाफ अनियमितताओं की जांच गैर-अनाम शिकायतों पर आधारित है। एजेंसी ने साफ किया कि यह जांच राकांपा नेता नवाब मलिक के कहने पर शुरू नहीं की गई थी। एनसीबी ने अदालत को बताया कि उसे आरोपों की जांच करने का अधिकार और कर्तव्य है। एनसीबी ने उप महानिदेशक (दक्षिण पश्चिम क्षेत्र) विशाल सनप द्वारा दायर एक हलफनामे में दावा किया कि 2008 बैच के आईआरएस अधिकारी वानखेड़े के खिलाफ जांच दो विशिष्ट "गैर-अनाम" शिकायतों पर आधारित है।

डेडलाइन से पहले ही ईरान पर अमेरिका के ताबड़तोड़ हमले, ट्रंप की ईरान को 'असभ्य' धमकी

आज रात को एक पूरी सभ्यता खत्म हो जाएगी!

- ईरान में खार्ग द्वीप-पुल को बनाया निशाना, एक साथ 50 ठिकाने तबाह
- 1 करोड़ 40 लाख ईरानी देश के लिए जान कुर्बान करने को तैयार: ईरान

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस समय आक्रामक रुख अपनाए हुए हैं। वह ईरान को लगातार अल्टीमेटम दे रहे हैं। उनके नए अल्टीमेटम की मियाद खत्म होती नजर आ रही है। इस बीच खबर है कि ईरान के खार्ग द्वीप पर ताबड़तोड़ हमले हुए हैं। मेहर न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के ऑयल हब खार्ग द्वीप पर मंगलवार को ताबड़तोड़ हवाई हमले हुए हैं। कोम शहर के पास एक पुल को भी निशाना बनाया गया। आईआरजीसी ने अमेरिका को लक्ष्मण रेखा पार न करने की चेतावनी दी है। प्रांत के डिप्टी गवर्नर मोतेर्जा हेदरी ने जानकारी दी कि मंगलवार को अमेरिका और इस्राइल ने ईरान के कोम शहर के पास एक पुल पर हमला किया। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, खर्ग द्वीप पर 50 ठिकानों को निशाना बनाया गया है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने खार्ग द्वीप पर हमले के बाद चेतावनी देते हुए कहा कि अब संयम खत्म हो चुका है। आईआरजीसी ने चेताते हुए कहा कि अगर हमले ऐसे ही जारी रहे तो अमेरिका और उनके सहयोगी देशों के इन्फ्रास्ट्रक्चर को टारगेट किया जा सकता है। इससे वर्षों तक इस क्षेत्र में तेल और गैस संकट बाधित हो सकता है।

39 दिन से छिड़ी जंग अब और खतरनाक हुई

39 दिन से छिड़ी जंग अब और खतरनाक हो गई है। डोनाल्ड ट्रंप युद्ध खत्म करना चाहते हैं लेकिन ईरान मानने को तैयार नहीं है। ट्रंप ने होर्मुज स्ट्रेट नहीं खोलने पर ईरान को बर्बाद करने की धमकी दी है जिसके बाद दुनिया में टेंशन बढ़ गई है। बता दें कि सीजफायर के लिए ट्रंप की डेडलाइन मंगलवार की रात खत्म हो रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने धमकी दी है कि अगर ईरान नहीं मानता है तो वो उसे तबाह कर देंगे। अब ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा है कि आज रात एक सभ्यता की मौत होने जा रही है।

पूरी सभ्यता मर जाएगी

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा- आज रात एक पूरी सभ्यता मर जाएगी, जिसे दोबारा कभी वापस नहीं लाया जा सकेगा। मैं नहीं चाहता कि ऐसा हो, लेकिन संभवत: ऐसा होगा। हालांकि अब जब हमारे पास पूर्ण और संपूर्ण सत्ता परिवर्तन है, जहां अलग, होशियार और कम कट्टरपंथी दिमाग मौजूद हैं, तो शायद कुछ क्रांतिकारी रूप से अद्भुत हो सकता है, कौन जानता है?

ईरान के लिए कयामत की रात होगी

ट्रंप ने कहा है कि आज ईरान के लिए कयामत की रात होगी। ट्रंप ने ईरान को हमले का समय भी बता दे दिया है। ट्रंप ने कहा है कि आज रात 8 बजे तक अगर ईरान ने डील नहीं मानी तो उसके बाद ईरान में भयंकर तबाही मचाएंगे। पुल, प्लांट सब तबाह कर देंगे और ईरान के पास एक भी पावर प्लांट नहीं बचेंगे। अगर ईरान चाहता है की वो खत्म न हो तो रात 8 बजे से पहले वो डील मान ले क्योंकि 10 दिन पूरे गए, अब भयानक हमले होंगे। ट्रंप ने कहा की अगर ईरान हमारी डील नहीं मानता और होर्मुज को नहीं खोलता तो ईरान में बड़ी तबाही मचाएंगे। ईरान को 4 घंटे के अंदर धुआं-धुआं कर देंगे और ईरान में ऐसी तबाही मचाएगें की ईरान कभी उठ नहीं पाएगा।

मशहद में रेल सेवाएं तत्काल प्रभाव से निलंबित की गईं

अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर साझा हमलों को अंजाम दिया है। इजरायल की चेतावनी के बाद ईरान के मशहद में रेल सेवाएं निलंबित कर दी गई हैं। ईरानी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, मशहद के गवर्नर ने शहर के केंद्रीय रेलवे स्टेशन से चलने वाली सभी रेल सेवाओं को तत्काल निलंबित करने की घोषणा की है। यह घोषणा अगले आदेश तक प्रभावी रहेगी।

ईरानी राष्ट्रपति ने 1.4 करोड़ लोगों के बलिदान की बात कही

मंगलवार को ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने दावा किया कि देश की रक्षा के लिए 1 करोड़ 40 लाख से ज्यादा ईरानी अपनी जान कुर्बान करने को तैयार हैं। राष्ट्रपति ने खुद भी इस कुर्बानी के लिए तैयार होने की कसम खाई। राष्ट्रपति पेजेशकियन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में लिखा-अब तक 1.4 करोड़ से ज्यादा ईरानियों ने ईरान की रक्षा में अपनी जान कुर्बान करने की इच्छा जाहिर की है। मैं भी ईरान के लिए अपनी जान कुर्बान करने को तैयार था, हूं और रहूंगा। यह बयान ट्रंप के कड़े अल्टीमेटम के जवाब में आया है।

बच्चों की भर्ती पर सवाल

हालांकि, इस तैयारी का सबसे विवादास्पद पहलू बच्चों की भर्ती को लेकर सामने आया है। ईरान की अर्धसैनिक 'बसीज' फोर्स, जो इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के तहत काम करती है, अब 12 साल तक के बच्चों को भी अपने साथ जोड़ रही है। इस पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तीखी प्रतिक्रिया आई है। मानवाधिकार संगठन एमनेस्टी इंटरनेशनल ने इसे गंभीर उल्लंघन बताते हुए युद्ध अपराध की श्रेणी में रखा है। रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि कुछ नाबालिगों को हथियार भी दिए जा रहे हैं, जो अंतरराष्ट्रीय कानूनों के खिलाफ है।

... ताकि वे 'असल मर्द' बन सकें

ईरान के अधिकारी रहीम नदाली के मुताबिक 'फॉर ईरान' नामक अभियान के तहत युवाओं को गश्त, चेकपोस्ट और लॉजिस्टिक्स जैसे कामों में लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में युवा खुद आगे आ रहे हैं, जिसके चलते न्यूनतम आयु सीमा को घटाकर 12 वर्ष करना पड़ा। वहीं एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी जनरल हुसैन येक्ता ने सार्वजनिक रूप से माता-पिता से अपील की है कि वे अपने बच्चों को चेकपोस्ट पर तैनाती के लिए भेजें, ताकि वे 'असल मर्द' बन सकें। इस बयान ने भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ा दी है।

ईरान ने बच्चों को बनाया 'सैनिक'

डोनाल्ड ट्रंप की चेतावनी के बीच ईरान के सरकारी मीडिया के मुताबिक, देश में अब तक करीब 1.4 करोड़ लोग संभावित युद्ध के लिए वॉलंटियर्स के रूप में सामने आए हैं। यह आंकड़ा महज पांच दिनों में दोगुना हो गया है। 2 अप्रैल को ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बघेर गालिबफ ने बताया था कि लगभग 70 लाख लोगों ने खुद को युद्ध के लिए तैयार बताया था। ईरान की कुल आबादी करीब 9 करोड़ है, ऐसे में इतनी बड़ी संख्या में लोगों का सामने आना सरकार के लिए एक बड़ी ताकत के रूप में देखा जा रहा है। सरकार ने मोबाइल मैसेज और सरकारी अभियानों के जरिए लोगों से देश की रक्षा के लिए आगे आने की अपील की है। इसके अलावा, रिटायर्ड सैनिकों को भी दोबारा सेवा में आने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

ईरान की 4000 साल पुरानी सभ्यता

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान को मिटा देने पर तुला है. उन्होंने इस सभ्यता को खत्म कर देने की धमकी भी दे डाली है। ईरान कोई नया-नवेला देश नहीं है। इसका इतिहास कोई 200 या 500 साल पुराना नहीं है। इसकी संस्कृति सदियों पुरानी है, जो कई हजार वर्षों तक फैली हुई है। फिर भी मोटे तौर पर ईरान के इतिहास को तीन युगों में विभाजित किया जा सकता है. पूर्व-इस्लामिक प्राचीन काल (लगभग 559 ईसा पूर्व से 651 ईस्वी तक), इस्लामी युग (651 ईस्वी से 1800 ईस्वी तक) और आधुनिक युग, जो लगभग 1800 से शुरू होकर वर्तमान ईरान से जुड़ता है। ईरान का वास्तविक इतिहास ईसा पूर्व दूसरी सहस्त्राब्दी (2000 ईसा पूर्व) से शुरू होता है। जब मध्य एशिया से मिडियन या मेड्स और फारसी कबीले उन इलाकों में आकर बसने लगे, जिन्हें आज ईरानी पठार के नाम से जाना जाता है। मध्य एशिया से ईरानी पठार में आकर बसने वाली इन जनजातियों को उसी इलाके से भारत आने वाले 'आर्यों' का करीबी संबंधी भी माना जाता है।

माहवारी पर सुप्रीम कोर्ट जज की दो टूक

महिला अछूत नहीं हो सकती

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री पर रोक के खिलाफ दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की बेंच ने मंगलवार को सुनवाई की। इस दौरान पितृसत्तात्मक व्यवस्था का सवाल उठा तो केंद्र ने इसकी परिभाषा पर ही सवाल उठा दिया। केंद्र सरकार ने कहा कि पितृसत्ता की जो बात भारत में कही जाती है, वह सही नहीं है। सरकार ने कहा कि यह पश्चिमी देशों की अवधारणा है और इसे भारत के संदर्भ में जस का तस लागू नहीं किया जा सकता। सुनवाई के दौरान कोर्ट में पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि भारत में तो महिलाओं का दर्जा काफी ऊंचा और अलग है। उन्होंने कहा कि यहां महिलाओं को समान अधिकार हैं। इसके अलावा उन्हें और ऊंचा ही स्थान मिला है।

तीन दिनों के दौरान हर महीने महिला को अछूत नहीं बनाया जा सकता

जस्टिस वीबी नागरत्ना ने कहा कि मैं एक महिला के तौर पर कहूं तो माहवारी के तीन दिनों के दौरान हर महीने महिला को अछूत नहीं बनाया जा सकता। फिर चौथे दिन यह खत्म हो जाता है। यह कड़वी हकीकत है। एक महिला के तौर पर कहूं तो आर्टिकल 17 तीन दिन के लिए अप्लाई नहीं होता और फिर चौथे दिन कहा जाए कि अछूत वाली कोई बात ही नहीं है। फिर सबरीमाला की बात हुई तो सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि सबरीमाला मंदिर का मामला लैंगिक भेदभाव वाला नहीं, मान्यता है।

सबरीमाला विवाद पर सरकार से तीखी बहस

भारत में हम महिलाओं का पूजा करते हैं

सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि भारत में महिलाओं को सिर्फ बराबरी का दर्जा नहीं है बल्कि उन्हें और ऊंचा स्थान मिलता है। कई ऐसे अदालत के फैसले हैं, जिनमें पितृसत्तात्मक समाज की बात की गई है और एक तरह के जेंडर स्टीरियोटाइप उनमें दिखता है। लेकिन भारत का मामला अलग है। भारत के समाज में हम महिलाओं की पूजा करते हैं। भारत के राष्ट्रपति हों, प्रधानमंत्री हों या फिर सुप्रीम कोर्ट के जज हों, सभी देवियों के आगे सिर झुकाते हैं। उनकी पूजा करते हैं। इसलिए भारत में पितृसत्ता की परिभाषा उस तरह से लागू नहीं होती, जैसी पश्चिमी देशों में है। भारत में उस तरह की भावना कभी रही ही नहीं।

एक हिस्से को पूजा का अधिकार नहीं

सरकार की तरफ से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने यह भी कहा कि पहले के फैसलों में मंदिरों के प्रवेश में भेदभाव की जब बात होती थी तो जातिगत आधार पर किसी को एंट्री ना मिलने को गलत माना जाता था। कभी भी लैंगिक आधार पर इस विषय को लेकर बात नहीं हुई। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से इतिहास के एक दौर में ऐसा हुआ कि हिंदू समाज के ही एक हिस्से को पूजा का अधिकार नहीं था। किंतु लैंगिक भेदभाव नहीं था। लेकिन बीते कुछ दशकों में ऐसी स्थिति बनी है कि हर मामले को लैंगिक नजरिए से देखा जाने लगा है। संविधान का अनुच्छेद 14 समानता की बात करता है और लिंग के आधार पर कोई भेदभाव नहीं है। आर्टिकल 15 कहता है कि लैंगिक पहचान से इतर सभी के मूल अधिकार बराबर हैं।

सबरीमाला केस में 2018 के फैसले पर बहस

इसके साथ ही उन्होंने सबरीमाला केस में 2018 के एक फैसले को लेकर भी आपत्ति जताई। तुषार मेहता ने कहा कि उस फैसले में महिलाओं को मंदिर में प्रवेश न मिलने की तुलना छुआछूत जैसी है। उन्होंने कहा कि भारत में पितृसत्तात्मक समाज की जो परिभाषा दी जाती है, वह पश्चिम से आई है। भारत में ऐसा नहीं है। इसलिए पश्चिम के नजरिए से देखना भी एक समस्या है। तुषार मेहता की इस टिप्पणी पर बेंच में शामिल इकलौती महिला जज नागरत्ना ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि मैं महिला के नाते अपनी बात रखना चाहूंगी।

मुंबईकरों को मिली 2 नई मेट्रो की सौगात

दहिसर-काशीगांव, डायमंड गार्डन-मंडाले रूट का सीएम फडणवीस ने किया लोकार्पण

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मंगलवार का दिन मुंबईकरों के लिए मंगलकारी साबित हुआ। मुंबईकरों की सेवा में शामिल हुई 2 नई मेट्रो लाइनों के पहले चरण का लोकार्पण मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे,परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक, मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा, विधायक संजय उपाध्याय, नरेंद्र मेहता, एमएमआरडीए आयुक्त डॉ संजय मुखर्जी एवं अन्य गणमान्य की उपस्थिति में किया गया। मंगलवार को मेट्रो लाइन 9 (दहिसर से काशीगांव) और मेट्रो लाइन 2 बी (डायमंड गार्डन से मंडाले) को सीएम ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मुंबईकरों के सुरक्षित व तेज आवागमन की दृष्टि से यह दिन बेहद महत्वपूर्ण है। मुंबईकरों को एक नहीं बल्कि दो-दो मेट्रो की सौगात मिल रही है। मेट्रो 2 बी से मुंबई हार्बर की तरफ कनेक्टिविटी बढ़ गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन दोनों मेट्रो के दूसरे चरण का काम भी तेजी से चल रहा है।

340 किमी मेट्रो का जाल बिछाया जा रहा है

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुंबई एवं एमएमआर में सीमलेस कनेक्टिविटी के लिए एमएमआरडीए के माध्यम से लगभग 340 किमी मेट्रो का जाल बिछाया जा रहा है। मुंबई एयरपोर्ट और छत्रपति शिवाजी महाराज रेल टर्मिनस से मेट्रो जोड़ी गई है। डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा कि मुंबई एमएमआर को मेट्रो से जोड़ने का संकल्प पूरा हो रहा है। अब मुंबई की सीमा पार कर मेट्रो ठाणे जिले के काशीमीरा तक पहुंच गई है। ठाणे, भिवंडी, कल्याण तक जल्द ही मेट्रो पहुंचेगी।

मेट्रो लाइन 9 का पहला चरण

बहुप्रतीक्षित मेट्रो लाइन 9 (दहिसर से काशीगांव) का पहला चरण शुरू होने से मीरा भायंदर वासियों की यात्रा आसान होगी। 4.7 किमी के इस पहले चरण के मेट्रो मार्ग में दहिसर पूर्व से पांडुरंग वाड़ी, मीरा गांव व काशीगांव स्टेशन होंगे। मुंबई की सीमा पार कर मेट्रो अब ठाणे जिले में प्रवेश कर गई है। इस मेट्रो मार्ग में डबल डेकर ब्रिज बना है। यह मेट्रो लाइन मेट्रो 2 ए से जुड़ गई है। मेट्रो लाइन 9 से अब सीधे अंधेरी तक पहुंचा जा सकेगा। वेस्टर्न एक्सप्रेस हाइवे पर वाहनों का ट्रैफिक भी कम हो सकेगा।

ट्रैफिक जाम का काम तमाम

इस लाइन की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह मेट्रो-7 से जुड़ती है, जिससे अंधेरी (ईस्ट) तक बिना ट्रेन बदले पहुंचा जा सकता है। साथ ही, एयरपोर्ट तक पहुंच भी आसान हो जाएगी। वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे से कनेक्शन होने के कारण सड़क और मेट्रो के बीच बेहतर तालमेल मिलेगा। इससे दहिसर टोल नाका पर लगने वाले भारी ट्रैफिक में कमी आने की उम्मीद है। अनुमान है कि 20-30% लोग सड़क की बजाय मेट्रो का इस्तेमाल करेंगे, जिससे पीक टाइम में जाम 10-15% तक घट सकता है।

मेट्रो लाइन 2 बी का पहला हिस्सा

7 अप्रैल से मेट्रो 2 बी के पहले चरण (डायमंड गार्डन से मंडाले) की शुरूआत हो गई है। 5.53 किमी के इस प्रथम चरण के रूट पर डायमंड गार्डन, छत्रपति शिवाजी महाराज चौक, देवनार, मानखुर्द और महाराष्ट्र नगर मंडाले स्टेशन होंगे। मुंबई के हार्बर इलाके को जोड़ने वाली इस मेट्रो के सभी स्टेशनों को ग्रीन बिल्डिंग का प्लेटिनम मानक मिला हुआ है। मंडाले में एशिया का सबसे बड़ा मेट्रो डिपो भी बनाया जा रहा है। मेट्रो 9 एवं 2 बी के शुरू होने से मुंबईकरों की यात्रा तेज और आरामदायक होने वाली है।

हिंदमाता एंकर: विकसित महाराष्ट्र 2047 के लक्ष्य को ध्यान में रखकर सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी से लेकर कृषि बिजली वितरण तक के लिए नई रूपरेखा तैयार की है

महाराष्ट्र कैबिनेट ने आईटी-एआई विभाग को मंजूरी दी, सरकार के पांच बड़े फैसले

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में महाराष्ट्र के भविष्य को बदलने वाले पांच महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। ये फैसले न केवल राज्य के डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करेंगे, बल्कि ऊर्जा क्षेत्र और आपदा प्रबंधन में भी क्रांतिकारी बदलाव लाएंगे। विकसित महाराष्ट्र 2047 के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी से लेकर कृषि बिजली वितरण तक के लिए नई रूपरेखा तैयार की है। इन निर्णयों का सीधा असर किसानों, आईटी पेशेवरों और आपदा प्रभावित क्षेत्रों के नागरिकों पर पड़ेगा। विशेष रूप से ई-पंचनामा और बाढ़ नियंत्रण जैसी योजनाओं को आधुनिक तकनीक से जोड़ने पर जोर दिया गया है।

आईटी और एआई के लिए नया स्वतंत्र विभाग

राज्य सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), इलेक्ट्रॉनिक्स और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के लिए एक नया स्वतंत्र विभाग गठित करने का निर्णय लिया है। इसके तहत अब सूचना प्रौद्योगिकी निदेशालय को आयुक्त कार्यालय में बदल दिया जाएगा। सभी जिलों के लिए एक स्थायी आईटी कैडर बनाया जाएगा, जिससे डिजिटल गवर्नेंस और एआई अनुसंधान को नई गति मिलेगी।

ई-पंचनामा को मिलेगी रफ्तार

महाराष्ट्र रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन सेंटर (एमआरएसएसी) को अब कंपनी अधिनियम के तहत एक स्वतंत्र कंपनी बनाया जाएगा। इस बदलाव से ई-पंचनामा, जलयुक्त शिवार, शहरी नियोजन और खनिज अध्ययन जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं में तेजी आएगी। इससे उपग्रह तकनीक का उपयोग करके नुकसान का सटीक और त्वरित आकलन संभव होगा।

महाजियोटेक की स्थापना

प्रशासन में गतिशीलता लाने के लिए महाराष्ट्र भू-प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग केंद्र (महाजियोटेक) नामक कंपनी की स्थापना की जाएगी। यह केंद्र भू-स्थानिक नवाचार, अनुसंधान और उद्यमिता को बढ़ावा देगा। छात्रों और पेशेवरों के लिए इसके माध्यम से विशेष शैक्षिक कार्यक्रम भी शुरू किए जाएंगे।

महावितरण का पुनर्गठन और कृषि विखंडन

ऊर्जा विभाग में बड़े सुधार करते हुए महावितरण का वित्तीय पुनर्गठन किया जाएगा। सरकार 32,679 करोड़ रुपए के ऋण के लिए सरकारी बॉण्ड जारी करेगी। सबसे महत्वपूर्ण फैसला कृषि वितरण व्यवसाय को अलग करने का है। इसके साथ ही, महावितरण को भविष्य में शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने की योजना को भी हरी झंडी मिल गई है।

महाराष्ट्र आपदा प्रबंधन कार्यक्रम (एमआरडीपी)

आपदा प्रबंधन के लिए विश्व बैंक से 165 करोड़ रुपए के फंड को मंजूरी दी गई है। इसके तहत कृष्णा घाटी (कोल्हापुर, सांगली, इचलकरंजी) में बाढ़ के खतरे को कम करने के लिए विशेष ड्रेनेज योजनाएं बनाई जाएंगी। साथ ही, आपदा प्रभावितों को गृह ऋण में रियायत और एमएसएमई सेक्टर को बीमा कवर देने का प्रावधान किया गया है।

चारकोप में दर्दनाक हादसा

स्कूल से लौट रही बच्ची को डंपर ने कुचला

लोगों में आक्रोश, किया रास्ता जाम

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

कांदिवली पश्चिम के चारकोप इलाके में मंगलवार दोपहर एक हृदयविदारक हादसा सामने आया। गणेश नगर के पूजा एन्क्लेव बिल्डिंग के पास स्कूल से घर लौट रही एक नाबालिग बच्ची को एक तेज रफ्तार डंपर ने कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे इलाके में शोक और गुस्से का माहौल बन गया।

प्रत्यक्षदर्शियों का बयान

प्राथमिक जानकारी के अनुसार, बच्ची अपने दोस्तों के साथ स्कूल से घर लौट रही थी। वह गणेश नगर स्थित बृहन्मुंबई महानगरपालिका के स्कूल की छात्रा बताई जा रही है। सड़क पार करते समय अचानक एक डंपर ने उसे टक्कर मार दी और उसके ऊपर से गुजर गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा इतना गंभीर था कि बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद वहां मौजूद लोगों को स्तब्ध कर दिया। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि डंपर तेज गति में था और चालक ने वाहन पर नियंत्रण नहीं रखा। कुछ लोगों ने यह भी कहा कि चालक ने समय पर वाहन रोकने की कोशिश नहीं की।

पुलिस की कार्रवाई

घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोग बड़ी संख्या में इकट्ठा हो गए और उन्होंने रास्ता जाम कर दिया। लोगों ने दोषी चालक की तुरंत गिरफ्तारी और इलाके में भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाने की मांग की। स्थिति को संभालने के लिए चारकोप पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने लोगों को शांत करने का प्रयास किया और हालात को नियंत्रण में लिया। फिलहाल पुलिस आरोपी चालक की तलाश कर रही है।

सुरक्षा को लेकर उठे सवाल

स्थानीय निवासियों का कहना है कि चारकोप इलाके में लंबे समय से भारी वाहनों की आवाजाही बनी हुई है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। कई बार शिकायत करने के बावजूद इस पर ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

प्रशासन से मांग

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि स्कूल समय के दौरान भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया जाए और सड़क सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके। यह घटना एक बार फिर से शहर में सड़क सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में कितनी तेजी से कार्रवाई करता है और दोषियों को कब तक सजा मिलती है।

मुंबई यूथ कांग्रेस के न्याय सत्याग्रह में सतीश मनचंदा ने केंद्र सरकार पर बोला हमला

देश को गुलामी की ओर ले जा रही है सरकार

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई यूथ कांग्रेस द्वारा न्याय सत्याग्रह एप्सटीन फाइल के खिलाफ किए जा रहे पांच दिवसीय न्याय सत्याग्रह कार्यक्रम में मंगलवार को मुंबई कांग्रेस कार्यालय पर मुंबई सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष सतीश मनचंदा ने केंद्र सरकार तथा महाराष्ट्र सरकार के खिलाफ हमला बोलते हुए कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी की सरकार विश्व के तानाशाह ट्रंप के सामने बिक चुकी है। आज भारतीय जनता पार्टी के बड़े-बड़े नेताओं की कालागुजारी एप्सटीन फाइल में बंद है, उस फाइल को दबाने के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ट्रंप के घुटनों पर अपने को समर्पित कर दिए हैं। ईरान हमारा हमेशा से साथी रहा है। आज भी उसी की मेहरबानी से तेल और गैस हमारे देश तक पहुंच रही है। परंतु प्रधानमंत्री इसराइल को फादरलैंड बता रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज देश में चारों तरफ गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई का बोलबाला है। देश में बलात्कार हत्याएं चरम पर है, लेकिन यह सरकार केवल धन बटोरने में लगी है। क्योंकि हर साल किसी न किसी राज्य के चुनाव में इन्हें बागी नेताओं को खरीदना रहता है। यह सरकार देश को गुलामी की तरफ लेकर जा रही है। अगर अभी भी देश की जनता नहीं जागी तो देश बर्बाद हो जाएगा।

कांग्रेस की कार्यशैली पर भी सवाल

साथ ही मनचंदा ने मुंबई कांग्रेस की कार्यशैली पर भी सवाल खड़ा किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि मुंबई महानगरपालिका चुनाव के बाद मुंबई कांग्रेस की तरफ से मुंबई में कोई आंदोलन नहीं किया गया जबकि केवल आंदोलन यूथ कांग्रेस कर रही है। मुंबई कांग्रेस के कमान संभालने वाले नेता आखिर किसके इशारे पर कांग्रेस को खत्म करने पर लगे है। उन्होंने कहा कि दिल्ली हाई कमान इस पर जल्द से जल्द निर्णय ले वरना मुंबई मे कांग्रेस की स्थिति और खराब हो जाएगी।

सेवादल को समाप्त करने की साजिश

उन्होंने कहा कि जो कांग्रेस के निष्ठावान कार्यकर्ता और पदाधिकारी थे, आज उन्हें साइड लाइन कर दिया गया है। यही कारण है कि मुंबई कांग्रेस में आज लोग आना नहीं चाहते है। मुंबई सेवादल को 2 महीना हो गया डिसॉल्व करके, अभी तक कोई नियुक्ति नहीं की गई, न ही कोई कमेटी सेवादल की बनाई गई। सेवादल को खत्म करने की बहुत बड़ी साजिश रची गई है। मुंबई से सेवादल को समाप्त करने की प्लानिंग चल रही है, ऐसा आरोप आज सतीश मनचंदा ने अपने संबोधन में लगाया। मुंबई कांग्रेस कार्यालय वीरान पड़ा है। इस मौके पर मुंबई यूथ कांग्रेस की अध्यक्ष जीनत सबरीन, यूथ कांग्रेस के जिला अध्यक्ष निखिल रूपारेल, गणेश बाबू राव सेगर, बालासाहेब जाधव, जुबेर फारुखी, अमनदीप सैनी, आसिफ खान, कमलेश यादव, शीतल म्हात्रे के साथ-साथ बड़ी संख्या में युवक कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नाशिक कुंभ मेले में सबका कमीशन फिक्स

• जेल में बंद अफसर का ऑडियो वायरल, महाराष्ट्र में सियासी भूचाल

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

महाराष्ट्र के राजनीति और प्रशासनिक गलियारों में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब रिश्वत के आरोप में गिरफ्तार मंत्रालय के अनुभाग अधिकारी विलास लाड का एक कथित ऑडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इस ऑडियो क्लिप में कुंभ मेले के टेंडरों को लेकर जो दावे किए जा रहे हैं, उसने भ्रष्टाचार के एक बड़े नेटवर्क की ओर इशारा किया है। रिश्वत के मामले में गिरफ्तार विलास लाड की एक कथित ऑडियो क्लिप वायरल हो रही है। इस क्लिप में वह सामने वाले व्यक्ति से नासिक के कुंभ मेले के टेंडर और उसमें मिलने वाले कमीशन के बारे में बात करता हुआ सुनाई दे रहा है। बातचीत में वह यह दावा भी कर रहा है कि उसे इस सौदे से करोड़ों रुपये का कमीशन मिलने वाला है। हालांकि, आरोपी विलास लाड द्वारा इस फोन बातचीत में किए गए दावे सही हैं या नहीं, इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। नवभारत लाइव भी इस ऑडियों क्लिक की पुष्टि नहीं करता है।

विकास लाड के वायरल ऑडियो क्लिप में क्या है?

नासिक में होने वाले सिंहस्थ कुंभ मेले के लिए राज्य और केंद्र सरकार ने 15,000 करोड़ रुपये का फंड मंजूर किया है। इसमें से कुछ हजार करोड़ रुपये का फंड मिल भी गया है। गिरफ्तार आरोपी विलास लाड इस कथित फोन कॉल में दावा कर रहा है कि इसमें उनका कोटा 500 करोड़ रुपये का है। विलास लाड ने दावा किया है कि उन्होंने खुद 700 टेंट के लिए टेंडर लिया है, साथ ही ई-टॉयलेट और सफाई के लिए भी टेंडर लिए हैं। विलास लाड ने दावा किया है कि उन्हें इस कुंभ मेले में नाश्ते और लंच का 18 करोड़ का टेंडर मिला है। कुंभ मेला 40 दिन का होता है और इसमें इतना खर्च नहीं होता, इससे बड़ा कमीशन मिलेगा। ऐसा दावा भी विलास लाड ने किया है।

मंत्रियों और अधिकारियों की साठगांठ का दावा

ऑडियो क्लिप की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इसमें विलास लाड ने दावा किया है कि कुंभ मेले के 1,021 प्रकार के कामों के टेंडर पहले ही 'मैनेज' किए जा चुके हैं। वह कहता है कि छोटे अधिकारियों से लेकर मंत्रियों तक का कमीशन प्रतिशत फिक्स हो चुका है। लाड सामने वाले व्यक्ति को लालच देते हुए कह रहा है कि ह्लअगर तुम्हारे पहचान के लोग हैं, तो उन्हें भी टेंडर दिला देंगे, इसमें लाखों-करोड़ों की कमाई है।

रिश्वत लेते रंगे हाथ हुआ था गिरफ्तार

आपको बता दें कि विलास लाड राज्य शासन के वित्त एवं नियोजन विभाग में कक्ष अधिकारी था। उसे हाल ही में एंटी करप्शन ब्यूरो ने खारघर इलाके में 6 लाख 37 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया था। यह रिश्वत ग्राम विकास विभाग का फंड मंजूर करने के बदले मांगी गई थी। छापेमारी के दौरान लाड के घर से 2 लाख की नकदी भी बरामद हुई है। फिलहाल, सत्र न्यायालय ने विलास लाड को 8 अप्रैल तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। हालांकि, वायरल हो रहे इस ऑडियो क्लिप की सत्यता की पुष्टि अभी किसी आधिकारिक एजेंसी ने नहीं की है, लेकिन इसने कुंभ मेले की तैयारियों की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

ईंधन आपूर्ति सामान्य, घबराने की जरूरत नहीं

राज्य में पेट्रोल, डीजल, एलपीजी व पीएनजी की पर्याप्त

हिंदमाता संवाददाता @ पालघर

राज्य में पेट्रोलियम पदार्थों का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है और पेट्रोल, डीजल, एलपीजी व पीएनजी की आपूर्ति पूरी तरह सुचारू है। अन्न, नागरी आपूर्ति एवं ग्राहक संरक्षण विभाग के अपर मुख्य सचिव अनिल डिग्गीकर ने मंत्रालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में यह जानकारी दी। उन्होंने नागरिकों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की।

पीएनजी नेटवर्क का विस्तार

अधिकारियों के अनुसार राज्य में पीएनजी कनेक्शन 25 .36 लाख तक पहुंच चुके हैं और हाल ही में 73 हजार नए कनेक्शन जोड़े गए हैं। 'डीम्ड परमिशन' नीति से सीजीडी नेटवर्क विस्तार को गति मिलेगी। जहां पाइपलाइन उपलब्ध है, वहां उपभोक्ताओं को पीएनजी अपनाने की सलाह दी गई है, जबकि अन्य क्षेत्रों में एलपीजी आपूर्ति जारी रहेगी।

एलपीजी वितरण में पारदर्शिता

शिधा नियंत्रक चंद्रकांत डांगे ने बताया कि 23 बॉटलिंग प्लांट और 2,200 वितरकों के माध्यम से 3 .5 करोड़ उपभोक्ताओं को सेवा दी जा रही है। रोजाना करीब 5 .82 लाख सिलेंडर वितरित हो रहे हैं। पारदर्शिता के लिए डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड लागू किया गया है और 95% बुकिंग ऑनलाइन हो रही है।

कालाबाजारी पर कड़ी कार्रवाई

सरकार ने घरेलू गैस की कालाबाजारी रोकने के लिए विशेष अभियान चलाया है। 1 मार्च से 6 अप्रैल के बीच 14,329 छापों में 3,628 सिलेंडर, 21 वाहन और 2 टैंकर जब्त किए गए। 53 एफआईआर दर्ज कर 36 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

शिकायत व्यवस्था सक्रिय

एलपीजी से जुड़ी शिकायतों के समाधान के लिए राज्य से लेकर तालुका स्तर तक नियंत्रण कक्ष सक्रिय किए गए हैं। व्हाट्सएप नंबर 9769919221 जारी किया गया है। सरकार ने स्पष्ट किया कि ईंधन की कोई कमी नहीं है और नागरिकों को घबराने की आवश्यकता नहीं है।

किन्नर समाज का एनसीपी में प्रवेश

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

भिवंडी में तृतीय पंथी (किन्नर) समाज के बड़ी संख्या में लोगों ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) की सदस्यता ग्रहण की। रामनगर डोंगरपाड़ा क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम में महिला शहर अध्यक्ष स्वाती कांबले ने नए सदस्यों का स्वागत करते हुए उनके अधिकारों और सम्मान की रक्षा का भरोसा दिलाया।

समान अधिकार का आश्वासन

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वाती कांबले ने कहा कि भारतीय संविधान सभी नागरिकों को समानता और स्वतंत्रता का अधिकार देता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किसी भी वर्ग के अधिकारों का हनन होता है, तो पार्टी उनके समर्थन में मजबूती से खड़ी रहेगी।

योजनाओं का लाभ दिलाने पर जोर

उन्होंने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ तृतीय पंथी समाज तक पहुंचाने के लिए समय-समय पर बैठकें आयोजित की जाएंगी। साथ ही, पार्टी द्वारा एलजीबीटीक्यू समुदाय के लिए अलग सेल का गठन किया गया है, जो उनकी समस्याओं के समाधान पर काम करेगा। इस मौके पर सबीना नूर अली सहित अन्य पदाधिकारी और बड़ी संख्या में किन्नर समाज के सदस्य उपस्थित रहे।

'इश्क, ड्रग्स और कत्ल' मुंब्रा में छुपा फरार जैद गिरफ्तार

हॉस्पिटल के बाहर लाश छोड़कर भागा था

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

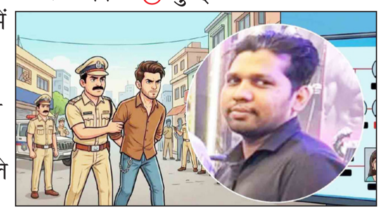

मुंबई के गोवंडी इलाके में हुए चर्चित 'शिफा शेख हत्याकांड' में शिवाजी नगर पुलिस को दो महीने बाद एक बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने मामले के मुख्य आरोपियों के बेहद करीबी और लंबे समय से फरार चल रहे जैद शाहबाज खान को मुंब्रा से दबोच लिया है। जैद पर आरोप है कि उसने 19 वर्षीय शिफा शेख की हत्या के बाद उसे अस्पताल पहुंचाया और फिर वहां से फरार हो गया। पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे 7 अप्रैल 2026 तक रिमांड पर भेज दिया गया है। यह मामला 10 फरवरी 2026 का है, जब शिफा शेख की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वारदात के बाद आरोपी उसे घायल अवस्था में चेंबूर के शताब्दी अस्पताल के बाहर छोड़कर भाग निकले थे। डीसीपी समीर शेख और वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अंघा सातवसे के मार्गदर्शन में सहायक निरीक्षक सूरज निंबालकर की टीम ने जैद का पीछा तब किया जब वह उत्तर प्रदेश से लौटकर मुंब्रा में छिपकर रह रहा था।

प्रेम त्रिकोण और ड्रग्स का जाल

पुलिस जांच में यह सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि शिफा की हत्या के पीछे 'खूनी ईर्ष्या' और एक उलझा हुआ प्रेम त्रिकोण था। मुख्य आरोपी नदीम और तबस्सुम उर्फ तब्बो पिछले छह साल से रिलेशनशिप में थे और कथित तौर पर ड्रग्स के अवैध कारोबार से जुड़े थे। जब तबस्सुम को पता चला कि नदीम की नजदीकियां शिफा शेख से बढ़ रही हैं, तो उसने शिफा को रास्ते से हटाने की साजिश रची। 10 फरवरी को तबस्सुम ने शिफा को अपने घर बुलाया और नदीम की पिस्तौल से उसे मौत के घाट उतार दिया।

हथियार तस्करी और सिंडिकेट का पदार्फाश

जैद की गिरफ्तारी के साथ ही पुलिस ने एक बड़े हथियार तस्करी नेटवर्क और आपराधिक सिंडिकेट का भी भंडाफोड़ किया है। जांच में पता चला है कि इस ग्रुप का इस्तेमाल न केवल हत्याओं के लिए, बल्कि अवैध हथियारों की सप्लाई के लिए भी किया जा रहा था। जैद इस सिंडिकेट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था और मुख्य आरोपियों को फरारी के दौरान रसद और ठिकाने उपलब्ध कराने में मदद कर रहा था। शिफा शेख हत्याकांड में पुलिस की कार्रवाई निरंतर जारी है। जैद की गिरफ्तारी के साथ ही पकड़े गए आरोपियों की कुल संख्या 11 हो गई है, जिनमें एक महिला भी शामिल है। पुलिस अभी भी इस मामले में शामिल 5 अन्य फरार आरोपियों की सरगर्मी से तलाश कर रही है। अधिकारियों को उम्मीद है कि जैद से पूछताछ के दौरान हथियार तस्करी के नेटवर्क सुराग मिल सकते हैं।

मां गई थी गांव, बच्ची को बनाया हवस का शिकार

कंस्ट्रक्शन साइट पर किया रेप

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

ठाणे से एक चौंकाने और आक्रोशित करने वाली घटना की खबर सामने आई है, यहां एक सात साल की मासूम बच्ची के साथ रेप किया गया है। यह अमानवीय घटना ठाणे में एक कंस्ट्रक्शन साइट पर हुई है। इस मामले ने एक बार फिर महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा का सवाल खड़ा कर दिया है। मिली जानकारी के मुताबिक, पीड़ित लड़की के पिता इसी कंस्ट्रक्शन साइट पर काम करते हैं। कुछ दिन पहले उसकी मां गांव गई थी, जिसके कारण घर में पिता और चार साल की छोटी बहन सहित केवल तीन लोग रह रहे थे। कल रात, आरोपी ने सात साल की लड़की के अकेले होने का फायदा उठाते हुए उस पर अत्याचार किया।

रेप करके मौके से फरार हुआ आरोपी

चौंकाने वाली बात यह है कि आरोपी केवल दो दिन पहले ही उस साइट पर आया था। जानकारी सामने आई है कि आरोपी का भाई कई दिनों से वहां काम कर रहा है। लड़की के अकेले होने का एहसास होते ही आरोपी ने उसके साथ रेप किया और घटनास्थल से भाग गया। घटना की जानकारी मिलते ही नौपाड़ा पुलिस तुरंत सक्रिय हो गई।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया

पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दो से तीन टीमें भेजीं और कुछ ही समय में आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आरोपी बिहार से आया था। इस घटना के कारण ठाणे क्षेत्र में तीव्र आक्रोश व्यक्त किया जा रहा है और नागरिकों ने कड़ी कार्रवाई की मांग की है। इस घटना ने इलाके में सभी को चौंका कर रख दिया है।

दामोदर मोरे को 'वसंत मून पुरस्कार'

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

साहित्य, सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए 'वसंत मून पुरस्कार 2026' से वरिष्ठ विचारक प्रोफेसर दामोदर मोरे को सम्मानित किया गया। यह समारोह 5 अप्रैल को डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर भवन में उत्साहपूर्वक आयोजित हुआ। पुरस्कार में प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह और 21 हजार रुपये प्रदान किए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कल्पना सरोज उपस्थित रहीं। इस अवसर पर श्रीपाल सबनीस ने कहा कि डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के विचार सार्वभौमिक हैं और उनका प्रभाव समाज के हर वर्ग पर है। समारोह में 'वसंत मून (मराठी साहित्य और विचार जगत)' पुस्तक का भी विमोचन किया गया। अपने संबोधन में प्रो. मोरे ने वसंत मून के कार्यों को प्रेरणादायक बताते हुए उनकी स्मृतियों को साझा किया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सीएनजी शुल्क वृद्धि पर रिक्शा चालकों का विरोध

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

भिवंडी में ऑटो रिक्शा चालक-मालक संघ ने सीएनजी सिलेंडर टेस्टिंग और पासिंग शुल्क में हुई भारी बढ़ोतरी के खिलाफ आवाज उठाई है। संघ ने मुख्यमंत्री, परिवहन मंत्री और ठाणे के जिलाधिकारी को पत्र भेजकर मामले में हस्तक्षेप की मांग की है। संघ के अध्यक्ष अख्तर अली कादरी के नेतृत्व में भेजे गए पत्र में आरोप लगाया गया है कि निजी ठेकेदार मनमाने तरीके से वसूली कर रहे हैं। पहले जहां प्रति रिक्शा लगभग 600 रुपये शुल्क लिया जाता था, उसे बढ़ाकर 2800 रुपये कर दिया गया है। संघ का कहना है कि अधिकांश रिक्शा चालक सीमित आय में परिवार का पालन-पोषण करते हैं और इतनी बड़ी वृद्धि उनके लिए आर्थिक बोझ बन गई है। महंगाई के दौर में यह अतिरिक्त खर्च उनकी आजीविका और बच्चों की शिक्षा पर असर डाल सकता है। संघ ने सरकार से शुल्क घटाकर पूर्व दर लागू करने की मांग की है।

लायबा बनी राज्य टॉपर

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

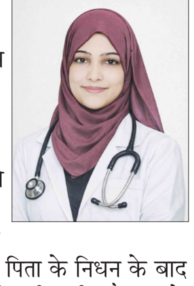

भिवंडी के गैबी नगर क्षेत्र की रहने वाली लायबा नूर अंसारी ने बीयूएमएस (बैचलर ऑफ यूनानी मेडिसिन एंड सर्जरी) 2025 में पूरे महाराष्ट्र में प्रथम स्थान हासिल कर शहर का नाम रोशन किया है। उनकी इस सफलता से क्षेत्र में खुशी का माहौल है। लायबा, स्वर्गीय अब्दुल वहाब अंसारी की पुत्री हैं, जो भिवंडी में अखबार विक्रेता थे। पिता के निधन के बाद भी उन्होंने कठिन परिस्थितियों में पढ़ाई जारी रखी और अपने पिता का सपना पूरा किया। उनके परिवार में भाई-बहनों ने भी शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। लायबा ने जेडवीएम यूनानी मेडिकल कॉलेज, पुणे से अपनी पढ़ाई पूरी की। उनकी इस उपलब्धि पर शहर के गणमान्य नागरिकों ने बधाई दी है। उनकी सफलता युवाओं के लिए प्रेरणा बनकर सामने आई है।

शॉर्ट स्टोरी

वरिष्ठ नागरिकों के लिए दो दिवसीय कार्यशाला 'जीने की राह' का आयोजन

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

योग, ध्यान, व्यक्तित्व विकास, स्वास्थ्य जागरूकता और तनाव प्रबंधन के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम कर रहे उल्हासनगर के भाटिया हॉस्पिटल के बगल अमर श्याम द्वार बेसमेंट स्थित लाल साई के योग मंदिर की ओर से वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक अहम आयोजन किया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार लाल साई अंश योग मंदिर की ओर से वरिष्ठ नागरिकों के लिए दो दिवसीय कार्यशाला 'जीने की राह' का आयोजन शनिवार 30 मई और रविवार 31 मई को सुबह 10 :30 बजे से शाम 5 :30 बजे तक किया गया है। इस कार्यशाला में उम्र के अनुरूप जीने की कला, योग क्रियाओं से साक्षात्कार, जीवनशैली में आवश्यक परिवर्तन, खानपान में सकारात्मक बदलाव के साथ कृतज्ञता और अहोभाव के सामार्थ्य पर प्रकाश डाला जाएगा। अपने अंतस में उतरने की विधि बताई जाएगी। इस संदर्भ में अधिक जानकारी के लिए मोबाइल क्रमांक 7972855280 पर संपर्क कर सकते हैं। योग, चिकित्सा के सेवानिवृत्त और अध्ययनरत स्वयंसेवियों की भी आवश्यकता है, जो उक्त नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

कोडिंग चैंपियनशिप में विराज कौशल की विराट प्रतिभा को राष्ट्रीय सम्मान

हिंदमाता संवाददाता @ पुणे

पुणे शहर के लिए गर्व का क्षण तब आया जब 13 वर्षीय विराज कौशल ने आईआईटी दिल्ली में आयोजित 10वीं टेकरेडिएंस नेशनल कोडिंग एंड रोबोटिक्स चैंपियनशिप 2026 में सेकेंड रनर-अप स्थान हासिल किया। 4-5 अप्रैल को आईआईटी दिल्ली में आयोजित इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता को देश के सबसे प्रतिष्ठित छात्र नवाचार मंचों में गिना जाता है। इसमें कक्षा 3 से 12 तक के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को चार चरणों की कठिन चयन प्रक्रिया से गुजरना पड़ा, जिसके बाद फाइनल राउंड आईआईटी दिल्ली में आयोजित किया गया। विराज ने कोडिंग हैकाथॉन 2026 में एकल प्रतिभागी के रूप में हिस्सा लिया और देशभर के टॉप 20 फाइनलिस्ट्स में जगह बनाई। अपनी उत्कृष्ट कोडिंग स्किल्स, रचनात्मकता और समस्या समाधान की क्षमता का प्रदर्शन करते हुए उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर पोडियम फिनिश हासिल की। बेहतरीन प्रदर्शन के लिए विराज को ट्रॉफी और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। सेंट मैरी स्कूल के छात्र विराज की इस उपलब्धि से न केवल उनके स्कूल बल्कि पूरे पुणे शहर का नाम रोशन हुआ है।

कान्यकुब्ज भवन में मनाया गया श्री हनुमान जन्मोत्सव

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई के महालक्ष्मी स्थित कान्यकुब्ज भवन में श्री हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर महाराष्ट्र के कैबिनेट मिनिस्टर मंगलप्रभात लोढ़ा समेत नवनिर्वाचित नगरसेवक अजय पाटिल ने दर्शन किए। कान्यकुब्ज मंडल मुंबई में प्रति माह आयोजित होने वाले सुंदरकांड को लेकर लोढ़ा ने कहा कि वे अपने व्यक्तिगत अनुभव बताते हैं, "यह कार्य सराहनीय है और इससे समाज के लोगों में एकजुट रहने का बल मिलता है। वहीं कान्यकुब्ज भवन हमेशा लोगों की सेवा में खड़ा रहता है।" इस अवसर पर कान्यकुब्ज मंडल मुंबई की तरफ से दोनों अतिथियों का सत्कार किया गया। वहीं मौके पर अरविंद अवस्थी, सत्यप्रकाश बाजपेई, अजय अ.शुक्ला, सत्यप्रसाद बाजपेई, रोहित तिवारी, जगतनारायण दीक्षित, शानू शुक्ला, भूपेश शुक्ला, जयश्री द्विवेदी, गीता शुक्ला, ममता शुक्ला, अर्चना दीक्षित आदि मान्यवर उपस्थित थे।

अस्पताल की बदहाली पर मनसे का विरोध

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

उल्हासनगर-3 स्थित मध्यवर्ती अस्पताल में व्याप्त समस्याओं को लेकर मनसे के प्रतिनिधिमंडल ने स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबिटकर से मुलाकात कर त्वरित कार्रवाई की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि जिला अस्पताल का दर्जा होने के बावजूद यहां मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। अस्पताल में डॉक्टरों की भारी कमी, बार-बार खराब होने वाली सिटी स्कैन और सोनोग्राफी मशीनें, ओपीडी की सीमित संख्या, पैथोलॉजी विभाग में भीड़, दवाओं की कमी और कर्मचारियों के असंतोषजनक व्यवहार जैसी समस्याएं मरीजों को परेशान कर रही हैं। स्वच्छता की स्थिति भी बेहद खराब बताई गई है। यह अस्पताल ठाणे जिले के ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों से आने वाले हजारों गरीब मरीजों के लिए उम्मीद का केंद्र है, लेकिन यहां पहुंचने के बाद उन्हें निराशा ही हाथ लगती है। मनसे ने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर मरीज निजी अस्पतालों में इलाज नहीं करा सकते, इसलिए उन्हें सरकारी अस्पताल पर निर्भर रहना पड़ता है। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि डॉक्टरों के कई महत्वपूर्ण पद रिक्त हैं, जिससे इलाज प्रभावित हो रहा है। इस पर मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। मनसे जिलाध्यक्ष बंडू देशमुख ने चेतावनी दी कि यदि जल्द सुधार नहीं हुआ तो गरीब मरीजों के हक के लिए आंदोलन किया जाएगा।

अनधिकृत स्कूलों से रहें दूर

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

भिवंडी निजामपुर महानगरपालिका के प्राथमिक शिक्षा विभाग ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों का दाखिला केवल मान्यता प्राप्त स्कूलों में ही कराएं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बिना सरकारी अनुमति के संचालित स्कूलों में पढ़ाई कराने से बच्चों का शैक्षणिक भविष्य प्रभावित हो सकता है। महानगरपालिका के अनुसार शहर में कई स्कूल बिना अनुमति के संचालित हो रहे हैं। ऐसे 21 स्कूलों की सूची जारी कर दी गई है, ताकि अभिभावक सतर्क रहें। इन स्कूलों में पढ़ रहे विद्यार्थियों को निकटतम मान्यता प्राप्त स्कूलों में समायोजित किया जाएगा। साथ ही संबंधित संचालकों को नोटिस जारी कर दंडात्मक कार्रवाई शुरू कर दी गई है और उनके खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है। जारी सूची में महानगरपालिका द्वारा जारी अनधिकृत स्कूलों में रॉयल इंग्लिश स्कूल, पटेल कंपाउंड, धामणकर नाका; नोबेल इंग्लिश स्कूल, अवचितपाड़ा; अलरजा उर्दू प्राथमिक स्कूल, गैबी नगर; मराठी प्राथमिक स्कूल, पाइप लाइन टेमघर; इंग्लिश प्राथमिक व माध्यमिक स्कूल, पाइप लाइन टेमघर; द लर्निंग प्राथमिक स्कूल, टेमघर पाड़ा; एकता इंग्लिश पब्लिक स्कूल और एकता उर्दू पब्लिक स्कूल, फातमा नगर नागांव; ए.आर. रहमान उर्दू प्राथमिक स्कूल, फातमा नगर नारगांव; जवेरिया उर्दू प्राथमिक स्कूल, गैबी नगर; विवेकानंद इंग्लिश माध्यमिक स्कूल, नवी वस्ती; डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम इंग्लिश प्राथमिक स्कूल, रावजी नगर पावर हाउस के पास; अलहिदाया पब्लिक प्राथमिक स्कूल, पटेल नगर बाला कंपाउंड; तहजीब इंग्लिश प्राथमिक स्कूल, जैतनपुरा; इकरा इस्लामिक मकतब स्कूल, नदी नाका; कैसर बेगम इंग्लिश स्कूल, नागांव सहारा होटल के पास; फरहान इंग्लिश प्राथमिक स्कूल, दीवान शाह दरगाह रोड; गींताजली माध्यमिक स्कूल, गायत्रीनगर वहालेदवी; ए.बी. इंग्लिश प्राथमिक स्कूल, भैरव साइजिंग के सामने; विद्या निकेतन इंग्लिश प्राथमिक स्कूल, भंडारी कंपाउंड तथा सरस्वती इंग्लिश प्राथमिक स्कूल, नवी वस्ती शामिल हैं। प्रशासन ने अभिभावकों से सतर्क रहने और बच्चों के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए केवल मान्यता प्राप्त संस्थानों में ही प्रवेश सुनिश्चित करने की अपील की है।

महाराष्ट्र के किसानों के लिए खुशखबरी

• बेमौसम बारिश से नुकसान के लिए मिलेगी 128 करोड़ 65 लाख रुपए की सहायता

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने राज्य के किसानों के लिए बड़े राहत का ऐलान किया है। राज्य में अक्टूबर से दिसंबर 2025 के दौरान हुई बेमौसम बारिश से प्रभावित 1 लाख 80 हजार 574 किसानों को 128 करोड़ 65 लाख रुपए की सहायता प्रदान की गई है। यह जानकारी आज मंत्रिमंडल की बैठक में दी गई। बता दें कि इस बैठक की अध्यक्षता राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने की है। अक्टूबर से दिसंबर 2025 के दौरान हुई बेमौसम बारिश से राज्य में लगभग 1 लाख 14 हजार 752 हेक्टेयर कृषि क्षेत्र प्रभावित हुआ। इससे 1 लाख 80 हजार 574 किसानों की फसल और कृषि उत्पादन को नुकसान पहुंचा। इस नुकसान की भरपाई के लिए 128.86 करोड़ रुपए की सहायता दी गई। यह नुकसान मुख्य रूप से चंद्रपुर, धुले, गढ़चिरौली, जलगांव, नाशिक, रायगढ़ और सिंधुदुर्ग जिलों में हुआ। जनवरी से मार्च 2026 के बीच हुई बेमौसम बारिश से कुल 1,45,606 हेक्टेयर क्षेत्र प्रभावित हुआ और 2,33,890 किसानों को नुकसान हुआ। इस दौरान केला, प्याज, पपीता, आम, अंगूर, गेहूं, चना, ज्वार जैसी फसलें प्रभावित हुईं। प्रमुख रूप से लातूर, सोलापुर, नाशिक, सातारा, धुले, नंदुरबार, यवतमाल, अहिल्यानगर, पुणे, जालना, छत्रपति संभाजीनगर, बुलढाणा और बीड जिलों में नुकसान दर्ज किया गया।

5 लोगों की मौत हुई

इस बेमौसम बारिश के कारण 5 लोगों की मृत्यु हुई तथा 9 लोग घायल हुए हैं। साथ ही 36 पशुओं की भी मौत हुई है। अप्रैल 2026 में हुई बारिश से भी प्रारंभिक अनुमान के अनुसार 1,94,329 किसानों की 1,22,993 हेक्टेयर भूमि प्रभावित हुई है। जनवरी से हुए नुकसान के पंचनामे की प्रक्रिया जारी है। इस बीच, जुलाई 2022 से जलसंपदा विभाग के 41 परियोजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं, जिससे लगभग 105 टीएमसी जल भंडारण क्षमता तैयार हुई है। इन परियोजनाओं से 2.95 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचाई क्षमता विकसित हुई है। जुलाई 2022 से अब तक 225 परियोजनाओं को संशोधित व प्रशासनिक मंजूरी दी गई है, जिनकी कुल लागत 4.35 लाख करोड़ रुपए है। इन सभी परियोजनाओं के पूर्ण होने के बाद राज्य में 33.45 लाख हेक्टेयर सिंचाई क्षमता विकसित होने की संभावना है।

तेजस्वी सातपुते की प्रेस कॉन्फ्रेंस

अशोक खरात मामले में ईडी की भूमिका और सीडीआर लीक पर की बात

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

नाशिक के बहुचर्चित अशोक खरात मामले में विशेष जांच दल की प्रमुख और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी तेजस्वी सातपुते ने एक महत्वपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस में जांच के चौंकाने वाले विवरण साझा किए हैं। सातपुते ने स्पष्ट किया कि यह मामला केवल व्यक्तिगत अपराध तक सीमित नहीं है, बल्कि एक बड़े वित्तीय घोटाले और मनी लॉन्ड्रिंग सिंडिकेट की ओर इशारा करता है। जांच के दौरान खरात के 130 से अधिक बैंक खातों का पता चला है, जिनमें लगभग 60 करोड़ रुपए के संदिग्ध लेन-देन के प्रमाण मिले हैं। मामले की गंभीरता और इसमें शामिल करोड़ों रुपए की हेराफेरी को देखते हुए, अब प्रवर्तन निदेशालय और आयकर विभाग को भी इस जांच में शामिल कर लिया गया है। तेजस्वी सातपुते ने बताया कि एसआईटी अब इन वित्तीय कड़ियों को जोड़ने के लिए केंद्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रही है, ताकि खरात के 'काले साम्राज्य' के आर्थिक स्रोतों का पूरी तरह पदार्फाश किया जा सके।

सीडीआर लीक और गोपनीयता पर कड़ा रुख

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कॉल डिटेल रिकॉर्ड लीक होने और खरात के संपर्क में रहने वाले प्रभावशाली लोगों के नामों पर भी चर्चा हुई। तेजस्वी सातपुते ने इन अफवाहों और आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पुलिस डेटा की गोपनीयता बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार के अनधिकृत डेटा लीक की गंभीरता से जांच की जाएगी और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होगी। उन्होंने जनता से अपील की कि वे सोशल मीडिया पर चल रही अपुष्ट खबरों और अफवाहों पर ध्यान न दें।

पीड़ितों से अपील पहचान रहेगी पूरी तरह गुप्त

एसआईटी प्रमुख ने उन महिलाओं और नागरिकों से निडर होकर आगे आने की अपील की है जो किसी भी तरह से अशोक खरात के शिकार हुए हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि शिकायतकर्ताओं की पहचान पूरी तरह गुप्त रखी जाएगी। अब तक खरात के खिलाफ बलात्कार, धोखाधड़ी, और जबरन वसूली सहित 8 से अधिक गंभीर मामले दर्ज किए जा चुके हैं। जांच दल ने एक विशेष हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया है ताकि पीड़ित अपनी शिकायतें बिना किसी हिचकिचाहट के दर्ज करा सकें।

वरिष्ठ अधिकारियों और नेताओं पर भी नजर

तेजस्वी सातपुते ने संकेत दिया कि खरात के संपर्क में रहे कुछ प्रभावशाली व्यक्तियों और प्रशासनिक अधिकारियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। जांच का दायरा अब उन 'सफेदपोश' लोगों तक पहुंच गया है जिन्होंने खरात के प्रभाव का इस्तेमाल कर अनुचित लाभ उठाया। सातपुते ने आश्वासन दिया कि कानून से ऊपर कोई नहीं है और पर्याप्त सबूत मिलने पर हर दोषी के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

ढोंगी बाबा अशोक खरात की बेटी से एसआईटी ने की पूछताछ

दो महिला पुलिस अधिकारियों पर भी शक

महाराष्ट्र के नाशिक में खुद को 'गॉडमैन' बताने वाले अशोक खरात उर्फ 'कैप्टन' के मामले में जांच तेज होती जा रही है। जानकारी के मुताबिक, खरात का बेटा हर्षवर्धन एक बार फिर विशेष जांच दल के संपर्क में आया है। आज खरात के बेटे के साथ-साथ खरात की बेटी से भी पूछताछ की जाएगी। वहीं, अशोक खरात की पुलिस हिरासत का आज आखिरी दिन है और उसे कल बुधवार (8 अप्रैल) को स्थानीय अदालत में पेश किया जाएगा। इस मामले में जहां एक ओर खरात के बेटे और बेटी से पूछताछ हो रही है, वहीं उसकी पत्नी कल्पना अब तक फरार है और उसकी तलाश जारी है। महिलाओं के यौन शोषण और आर्थिक अनियमितताओं के आरोपों को लेकर एसआईटी जांच कर रही है और संबंधित लोगों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। आज शाम (7 अप्रैल) को एसआईटी इस मामले पर जानकारी देगी। सूत्रों के अनुसार, इस मामले में एक भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी के बाद अब दो अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के भी जांच के दायरे में आने की संभावना है। बताया जा रहा है कि दो महिला पुलिस अधिकारी एक पुलिस उपायुक्त और दूसरी सहायक पुलिस आयुक्त रैंक की खरात के संपर्क में थीं। यह भी आशंका जताई जा रही है कि पसंदीदा पोस्टिंग के लिए उन्होंने खरात का सहारा लिया था। साथ ही, उनके बीच किसी तरह के आर्थिक लेन-देन की भी जांच हो सकती है। गौर हो कि नाशिक के सरकारवाड़ा पुलिस थाने में खरात के 10 से अधिक केस दर्ज हैं, जिनमें से 8 यौन उत्पीड़न और दो धोखाधड़ी से संबंधित मामले हैं। इसके अलावा एसआईटी को फोन कॉल के जरिए अशोक खरात के खिलाफ 100 से ज्यादा शिकायतें मिली हैं। वहीं, 31 मार्च को अशोक खरात की पत्नी समेत पांच लोगों के खिलाफ एक भूस्वामी से 4 करोड़ रुपए से अधिक की धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया था।

मॉर्निंग वॉक पर निकला था युवक हमलावरों ने चाकू घोंपकर ली जान

हिंदमाता नेटवर्क @ नांदेड

नांदेड शहर में मंगलवार सुबह एक सनसनीखेज हत्या की घटना सामने आई, जिसने इलाके में दहशत फैला दी। यहां मॉर्निंग वॉक पर निकले युवक सोनू कल्याणकर की कुछ हमलावरों ने चाकू से हमला कर बेरहमी से हत्या कर दी। यह घटना सुबह करीब साढ़े पांच से छह बजे के बीच की बताई जा रही है, जब सोनू रोज की तरह टहलने के लिए घर से निकला था। रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे आरोपियों ने उसे रोक लिया और पीठ व पेट पर कई वार किए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। प्रारंभिक जांच में इस हत्याकांड के पीछे पुरानी दुश्मनी और प्रेम संबंधों को लेकर विवाद सामने आया है। मृतक के पिता अशोक कल्याणकर ने पुलिस में दर्ज कराई शिकायत में बताया कि सोनू का पिछले 10-12 सालों से गोलू मंगनाले की बेटी के साथ प्रेम संबंध था, जिसका उसके परिवार ने लगातार विरोध किया था। आरोप है कि मंगनाले परिवार ने लड़की की शादी कहीं और तय की थी, जिसे सोनू ने तुड़वा दिया था। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से तनाव बना हुआ था।

2021 में भी हत्या की कोशिश की गई

शिकायत के मुताबिक, साल 2020 में सोनू के खिलाफ झूठा मामला भी दर्ज कराया गया था। इसके अलावा 2021 में गोलू मंगनाले ने कथित तौर पर सोनू के घर पर जाकर गोलीबारी की थी और उसकी हत्या करने की कोशिश की थी। तब से ही आरोपी पिता-बेटा सोनू पर नजर रखे हुए थे और उसे नुकसान पहुंचाने का मौका तलाश रहे थे। घटना से कुछ दिन पहले भी सोनू को जान से मारने की धमकी दी गई थी। करीब 10-12 दिन पहले जंगमवाड़ी इलाके में कुछ आरोपियों ने उसे रोककर कहा था कि उसके दिन पूरे हो चुके हैं। पिता के मुताबिक उन्होंने उस समय पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी थी।

आरोपियों ने पुलिस पर की गोलीबारी

घटना के बाद पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए आरोपियों का पीछा किया। इस दौरान आरोपियों ने पुलिस पर भी गोलीबारी की, जिसके जवाब में पुलिस ने मुख्य आरोपी के पैर में गोली मार दी। घायल आरोपी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। इस मामले में भाग्यनगर पुलिस स्टेशन में चंद्रविजय मंगनाले, मुक्तेश्वर उर्फ गोलू मंगनाले, अंकुश गंधमवाड, पियु शिंदे और मधु जोगदंड के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है।

जातिगत जनगणना पर सवाल

ओबीसी के लिए अलग कॉलम की मांग तेज

भंडारा के सामाजिक संगठनों ने जताया भारी असंतोष

हिंदमाता नेटवर्क @ भंडारा

देशभर में 1 अप्रैल से जातिगत जनगणना को लेकर चर्चा तेज हो गई है, लेकिन ओबीसी वर्ग के लिए अलग कॉलम नहीं होने से असंतोष बढ़ रहा है। जिले के सामाजिक संगठनों और ओबीसी नेताओं ने इसे सामाजिक न्याय के साथ अन्याय बताया है। विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी समाज को उचित प्रतिनिधित्व और योजनाओं का लाभ देने के लिए उसकी सटीक जनसंख्या और सामाजिक स्थिति की जानकारी जरूरी होती है।

■ मंडल आयोग ने वर्ष 1980 में ओबीसी की आबादी लगभग 52 प्रतिशत बताई थी, लेकिन उसके बाद से कोई आधिकारिक जातिगत जनगणना नहीं हुई। राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ के पदाधिकारियों ने सरकार के इस निर्णय पर नाराजगी जताई। महासंघ के अध्यक्ष डॉ. बबनराव तायवाडे, महासचिव सचिन राजुरकर, राष्ट्रीय समन्वयक डॉ. अशोक जीवतोडे, इंद्रजीत सिंह, कमलेश गुप्ता, प्रा. शेषराव येलेकर, शरद वानखेडे, सुभाष घाटे, डॉ. प्रकाश भागरथ, दिनेश चोखारे, रत्नमाला पिसे, महिला अध्यक्ष ज्योती ढोकणे, श्रीनिवास जाजुला, शंकर अण्णा, धर्मेंद्र कुशवाह सहित अन्य पदाधिकारियों ने एक स्वर में अलग कॉलम की मांग उठाई।

■ इस दौरान प्रकाश भागरथ, गुणेश्वर आरिकर, एकनाथ तारमाले, प्रकाश साबले, परमेश्वर राऊत, शिव प्रसाद शाहू, सुरज बेलोकर, ऋतिका डफ, श्रीकांत मसमारे, शकील पटेल, डॉ. मुकेश पुडके, रवी टोंगे, विक्रम गौड़, के. जेड. शेंडे, उमेश सिंगनजुडे, प्रभाकर कलंबे, अंबादास मंदुरकर, सदानंद बुरडे, विजय डवंगे, वाई. टी. कटरे, भावना बावनकर, सोनुने सर, पिनाटे सर और राम कुडाल सहित अनेक ओबीसी समाज के लोगों ने भी नाराजगी व्यक्त की।

लापता पति को वापस लाने के नाम पर महिला से दरिंदगी

तंत्र-मंत्र का झांसा देकर ढोंगी तांत्रिक ने किया दुष्कर्म

हिंदमाता नेटवर्क @ नागपुर

नागपुर से एक ऐसी हृदयविदारक घटना सामने आई है, जिसने मानवता और विश्वास को शर्मसार कर दिया है। जहां एक तरफ एक मजबूर महिला अपने लापता पति की तलाश में दर-दर की ठोकरें खा रही थी, वहीं दूसरी ओर एक ढोंगी तांत्रिक ने उसकी लाचारी का फायदा उठाकर उसकी अस्मत के साथ खिलवाड़ किया। यह मामला सक्करदरा थाना क्षेत्र का है, जहां आस्था और उम्मीद के नाम पर एक घिनौना खेल खेला गया।

मजबूरी का उठाया फायदा

पीड़ित महिला, जो दूसरों के घरों में काम कर अपना गुजारा करती है, पिछले कई महीनों से गहरे मानसिक तनाव में थी। जानकारी के अनुसार, 15 अक्टूबर 2025 को उसका पति अचानक बिना किसी सूचना के घर से लापता हो गया था। महिला ने अपने स्तर पर हर संभव कोशिश की, लेकिन पति का कोई सुराग नहीं मिला। इसी हताशा के बीच उसकी मुलाकात ताहीर राशिद बेग नामक व्यक्ति से हुई। आरोपी ने खुद को तंत्र-मंत्र का बड़ा जानकार बताते हुए दावा किया कि वह अपनी 'शक्तियों' से उसके पति को वापस घर बुला लेगा।

भरोसे की आड़ में दरिंदगी

पति के वियोग में तड़प रही महिला ने आरोपी की बातों पर आंख मूंदकर भरोसा कर लिया। आरोपी ने पूजा-पाठ और तंत्र-मंत्र के बहाने महिला को अपने जाल में फंसाया और एकांत का लाभ उठाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। जब महिला को यह समझ आया कि उसे पति वापस दिलाने के नाम पर केवल लूटा और शोषित किया जा रहा है, तो उसने हिम्मत जुटाई और कानून का सहारा लेने का फैसला किया।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई

पीड़िता की शिकायत पर नागपुर की सक्करदरा पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए जांच शुरू की। पुलिस टीम ने जाल बिछाकर आरोपी ताहीर राशिद बेग को अंजनगांव, डब्बीपुरा से धर दबोचा। मामले की पुष्टि करते हुए पुलिस अधिकारी प्रमोद पोरे ने बताया कि आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अब इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या इस आरोपी ने पहले भी किसी अन्य महिला को अपनी ठगी का शिकार बनाया है।

शेरनी हैं ममता बनर्जी, भाजपा कुछ भी कर ले, बंगाल में उनका प्रभाव रहेगा बरकरार: संजय राऊत

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राऊत ने मंगलवार को मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के उस बयान का समर्थन किया, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस्तीफे की मांग की थी। संजय राऊत ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को 'शेरनी' बताते हुए कहा कि उनका रुख पूरी तरह सही है। पश्चिम बंगाल की राजनीति में उनका प्रभाव बरकरार रहेगा। भाजपा चाहे जो कर ले, इससे कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है। राऊत ने विश्वास जताया कि आगामी विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस एक बार फिर जीत हासिल करेगी और भारतीय जनता पार्टी राज्य में सत्ता हासिल नहीं कर पाएगी। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी ने जिस तरह से केंद्र सरकार के खिलाफ आवाज उठाई है, वह जनता की भावनाओं को दर्शाता है और बंगाल की जनता उनके साथ खड़ी है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा कांग्रेस पर पाकिस्तान की भाषा बोलने के आरोपों पर पलटवार करते हुए राऊत ने सवाल उठाया कि आखिर प्रधानमंत्री खुद किसकी भाषा बोल रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की स्थिति को मजबूत करने के बजाय सरकार ने कमजोरी दिखाई है। जिस तरह से देश का हाल बेहाल हो रहा है, उस पर प्रधानमंत्री को बोलना चाहिए, लेकिन वह कुछ बोल नहीं रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश में गैस की कमी है, इस पर केंद्र सरकार कुछ जवाब नहीं दे रही है। अगर कोई कुछ बोलता भी है तो उसे चुप करा दिया जाता है। भाजपा का काम सिर्फ जनता को बेवकूफ बनाने का रह गया है। समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। संजय राऊत ने बारामती में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री की पत्नी सुनेत्रा पवार के खिलाफ कांग्रेस द्वारा उम्मीदवार उतारने को लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा बताया। उन्होंने कहा कि किसी भी चुनाव में विभिन्न दलों द्वारा उम्मीदवार खड़ा करना स्वाभाविक है और इसे लेकर कोई विवाद नहीं होना चाहिए। राऊत ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता अजित पवार की सराहना करते हुए उन्हें एक प्रभावशाली नेता बताया। उन्होंने कहा कि बारामती और पूरे महाराष्ट्र में अजित पवार का खासा प्रभाव रहा है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जनता उनको काफी पसंद करती, यह बात सबको पता है।

बीएमसी बजट 2026-27 को मंजूरी

80,952 करोड़ का बजट, विकास निधि फिर शुरू

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

बीएमसी के वर्ष 2026-27 के लगभग 80,952 करोड़ रुपए के बजट को सोमवार को स्थायी समिति की मंजूरी मिल गई। बजट पर चली विस्तृत चर्चा के बाद समिति ने इसमें 800 करोड़ रुपए की अतिरिक्त बढ़ोतरी करते हुए इसे अंतिम रूप दिया। अब यह प्रस्ताव 9 अप्रैल को महासभा के समक्ष अंतिम स्वीकृति के लिए रखा जाएगा, जहां औपचारिक मंजूरी मिलने के बाद इसे लागू किया जाएगा। बता दें कि बीएमसी प्रशासन ने 25 फरवरी को यह बजट पेश किया था। इस बार के बजट में सबसे अहम पहलू नगरसेवकों के लिए विकास निधि का प्रावधान है, जो करीब तीन वर्षों के अंतराल के बाद फिर से शुरू किया गया है। वर्ष 2021-22 में जहां 600 करोड़ रुपए की निधि निर्धारित की गई थी, वहीं इस बार इसे बढ़ाकर 800 करोड़ रुपए कर दिया गया है। इस राशि को बीएमसी के 227 नगरसेवकों के बीच बांटने की योजना है, जिसके तहत प्रत्येक नगरसेवक को औसतन सालाना एक करोड़ रुपए तक की राशि मिल सकती है।

बीएमसी महापौर निधि के तहत 100 करोड़ रुपए अलग से निर्धारित

इसके अलावा जिन प्रभागों में विकास कार्यों की अधिक आवश्यकता है, वहां अतिरिक्त फंड भी उपलब्ध कराया जाएगा। महापौर निधि के तहत 100 करोड़ अलग से निर्धारित किए गए हैं, जबकि शेष राशि विभिन्न विकास परियोजनाओं के आधार पर वितरित की जाएगी। स्थायी समिति के अध्यक्ष प्रभाकर शिंदे के अनुसार, विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच करीब 313 करोड़ रुपए के वितरण का प्रस्ताव है। उन्होंने बताया कि जिन नगरसेवकों ने अपने-अपने क्षेत्रों में विकास कार्यों के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किए हैं, उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी। कुल बजट में से लगभग 41,390 करोड़ रुपए शहर के बुनियादी ढांचे और अन्य विकास परियोजनाओं पर खर्च किए जाने का प्रावधान किया गया है।

विपक्ष ने उठाए सवाल, टैक्स में राहत देने की मांग

बजट को लेकर विपक्ष ने कई सवाल भी उठाए है। कांग्रेस के नगरसेवक अशरफ आजमी ने आरोप लगाया कि मुंबई से भारी मात्रा में कर वसूली के बावजूद नागरिकों को अपेक्षित सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को पर्याप्त महत्व नहीं दिया गया है, जो चिंता का विषय है। इसके अलावा, 'जीरो प्रिस्क्रप्शन पॉलिसी' को हटाए जाने पर भी उन्होंने नाराजगी व्यक्त की। आजमी ने बढ़ते प्रॉपर्टी टैक्स को लेकर भी बीएमसी प्रशासन की आलोचना की। उनके अनुसार, प्रॉपर्टी टैक्स से होने वाली वसूली 2800 करोड़ रुपए से बढ़कर 5600 करोड़ रुपए तक पहुंच गई है, जिससे छोटे व्यापारियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है और वे शहर छोड़ने को मजबूर हो रहे है। उन्होंने सरकार से करदाताओं को राहत देने की मांग की। साथ ही, मराठी सिनेमा और थिएटर 'को बढ़ावा देने के लिए उन्हें 'मनोरंजन कर से छूट देने की भी मांग की।

धू-धू कर जल गया रेलवे कोच, मुंबई के माटुंगा कारशेड में बड़ा हादसा

वेल्डिंग की चिंगारी बनी हादसे का कारण?

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई के मध्य रेलवे के अंतर्गत आने वाले माटुंगा रेलवे कारशेड में मंगलवार शाम एक भीषण आग लगने की घटना सामने आई। कारशेड में खड़े एक नवनिर्मित रेलवे कोच (डिब्बे) में अचानक आग लग गई, जिससे पूरे परिसर में अफरा-तफरी मच गई। आसमान में काले धुएं का गुबार उठता देख स्थानीय लोगों और रेल कर्मचारियों ने तुरंत इसकी सूचना दमकल विभाग को दी। मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना उस समय हुई जब कारशेड के भीतर मरम्मत और निर्माण कार्य चल रहा था। दमकल की गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर काफी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया है। गनीमत यह रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, हालांकि रेलवे के नए कोच को काफी नुकसान पहुंचा है।

वेल्डिंग की चिंगारी बनी कारण?

शुरूआती जांच और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, माटुंगा रेलवे कारशेड में नए डिब्बे को तैयार करने का काम चल रहा था। बताया जा रहा है कि वेल्डिंग करते समय निकली एक छोटी सी चिंगारी कोच के ज्वलनशील हिस्से (संभवतः कुशन या रबर) पर गिर गई, जिसने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। रेलवे प्रशासन ने इस मामले की गहन जांच के आदेश दिए हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या काम के दौरान सुरक्षा मानकों का उल्लंघन किया गया था।

दमकलकर्मियों की त्वरित कार्रवाई

आग की सूचना मिलते ही मुंबई दमकल विभाग की कई गाड़ियां और वाटर टैंकर माटुंगा कारशेड पहुंचे। डिब्बे के भीतर प्लास्टिक और फोम होने के कारण आग तेजी से फैल रही थी, लेकिन दमकलकर्मियों ने सूझबूझ से काम लेते हुए आग को बगल में खड़े अन्य कोचों तक फैलने से रोक लिया। रेलवे सुरक्षा बल और स्थानीय पुलिस ने भी स्थिति को नियंत्रित करने में सहयोग किया।

रेलवे परिचालन पर असर?

चूंकि आग कारशेड के भीतर लगी थी, इसलिए मध्य रेलवे की मुख्य लाइन और हार्बर लाइन की ट्रेनों के परिचालन पर इसका कोई सीधा असर नहीं पड़ा है। हालांकि, कारशेड के भीतर चल रहे कुछ तकनीकी कार्यों में बाधा आई है। मध्य रेलवे के पीआरओ ने स्पष्ट किया है कि आग लगने के कारणों की विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जा रही है और नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

हिंदमाता एंकर: फोन चार्जिंग के साथ अब भागेंगे मच्छर, जानें तकनीक

मुंबई के धोबी घाट में 'रक्षक' बनकर आया घड़ी डिटर्जेंट

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

अपनी टैगलाइन 'पहले इस्तेमाल करें फिर विश्वास करें' से घर-घर में पहचान बनाने वाले घड़ी डिटर्जेंट ने सामाजिक सरोकार की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम उठाया है। मुंबई के ऐतिहासिक और दुनिया के सबसे बड़े ओपन-एयर लॉन्ड्री क्षेत्र, धोबी घाट में ब्रांड ने एक अनूठी पहल 'रक्षक चार्जर' की शुरूआत की है। यह पहल न केवल स्वच्छता को बढ़ावा देती है, बल्कि उन हजारों कामगारों की सेहत की भी रक्षा करती है जो दिन-रात नमी और पानी के बीच काम करते हैं।

क्या है 'रक्षक चार्जर' और कैसे काम करता है?

मुंबई का धोबी घाट करीब 7,000 से अधिक कामगारों का घर है। यहां का वातावरण ऐसा है कि लगातार पानी के भराव के कारण मच्छरों का पनपना एक बड़ी चुनौती बना रहता है। इससे डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी जानलेवा बीमारियों का खतरा हमेशा बना रहता है। इसी समस्या का समाधान निकालने के लिए घड़ी डिटर्जेंट ने इन्वेंटेक झ्र लक्ष्या मीडिया ग्रुप के साथ हाथ मिलाया और तैयार किया 'रक्षक चार्जर'। यह एक 'टू-इन-वन' डिवाइस है जो आपके स्मार्टफोन को चार्ज करता है। चार्जिंग के दौरान एक ऐसी तकनीक का उपयोग करता है जो आसपास से मच्छरों को दूर भगाती है।

बिना आदत बदले मिली सुरक्षा

इस इनोवेशन की सबसे बड़ी खासियत इसकी सरलता है। लोगों को मच्छरों से बचने के लिए कोई अलग से प्रयास नहीं करना पड़ता। चूंकि मोबाइल चार्ज करना आज की बुनियादी जरूरत है, इसलिए जैसे ही कोई अपना फोन चार्ज पर लगाता है, सुरक्षा कवच अपने आप सक्रिय हो जाता है। इन्वेंटेक के सीईओ सोम्नाथ सेनगुप्ता ने इस पर कहा कि सबसे कारगर इनोवेशन वही होता है जो रोजमर्रा की ज़िंदगी में खुद-ब-खुद घुल जाए। रक्षक चार्जर बिना किसी अतिरिक्त मेहनत के वास्तविक सुरक्षा प्रदान करता है।

आंकड़ों की जुबानी खतरे की गंभीरता

भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य के आंकड़े डराने वाले हैं। हर साल देश में लगभग 20 से 30 लाख मच्छरजनित बीमारियों के मामले दर्ज किए जाते हैं। धोबी घाट जैसे घनी आबादी वाले इलाकों में, जहां ड्रेनेज और पानी का ठहराव एक स्थाई समस्या है, वहां यह खतरा साल के 365 दिन बना रहता है। घड़ी डिटर्जेंट ने इन डिवाइसेज को धोबी घाट और उसके आसपास के घरों में मुफ्त वितरित किया है। यह पहल दिखाती है कि एक ब्रांड सिर्फ उत्पाद बेचने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह उस समाज के प्रति भी संवेदनशील है जिसके बीच वह काम करता है। रक्षक चार्जर ने साबित कर दिया है कि 'स्वच्छता' सिर्फ साफ कपड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि एक सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण का निर्माण करना भी इसका हिस्सा है।

एलपीजी संकट के बीच मुंबई में पीएनजी सप्लाई अटकी

छोटे कारोबारियों की बढ़ी मुश्किलें

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

शहर में एलपीजी गैस सिलिंडर की समस्या खत्म नही हो रही है। रेस्टोरेंट, कैटरर्स व स्ट्रीट फूड बेचने वालों के लिए गैस नही मिलना मुसीबत साबित हो रहा है। इसी बीच अंधेरी स्थित साकीनाका इलाके में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन में हो रही लंबी देरी से स्थानीय निवासियों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। वर्षों पहले पाइपलाइन का काम पूरा होने के बावजूद अब तक गैस आपूर्ति शुरू नहीं हो सकी है, जिससे सैकड़ों परिवार प्रभावित हैं।

2010 में किया था पीएनजी के लिए एप्लीकेशन

जानकारी के अनुसार, कई हाउसिंग सोसायटियों ने वर्ष 2010 के आसपास पीएनजी कनेक्शन के लिए आवेदन किया था। कुछ इमारतों में तो पाइपलाइन बिछाने का कार्य भी पूरा कर लिया गया, लेकिन अंतिम कनेक्शन अब तक नहीं दिया गया है। इस कारण करीब 500 से अधिक परिवारों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

साकीनाका इलाके का मामला

वर्तमान में एलपीजी सिलेंडर की अनियमित आपूर्ति और बढ़ती कीमतों के चलते लोग पीएनजी की ओर रुख करना चाहते हैं, लेकिन कनेक्शन में हो रही देरी उनकी मुश्किले और बढ़ा रही है। बुजुर्गों, कामकाजी परिवारों और छोटे व्यवसायों पर इसका विशेष प्रभाव पड़ रहा है। खासतौर पर स्थानीय बेकरी और छोटे उद्योगों ने शिकायत की है कि उन्होंने कनेक्शन के लिए आवश्यक शुल्क जमा कर दिया है, फिर भी गैस सप्लाई शुरू नहीं हुई, जिससे उनका व्यवसाय प्रभावित हो रहा है। इस संबंध मैं एमजीएल का कहना है कि तकनीकी और संरचनात्मक चुनौतियों के कारण देरी हो रही है।

विचार प्रवाह

हमारे साथ कुछ बुरा नहीं हो सकता
अगर हम इंडिया में एक हवाई-जहाज में हों
जिसपर सचिन तेंदुलकर सवार हों।

– हाशिम अमला

संपादकीय

खाद की कमी का खतरा

भारत कृषि प्रधान देश है और यहां दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी, लगभग 1,540 लाख हेक्टेयर खेती योग्य जमीन उपलब्ध है। यह उन गिने-चुने देशों में शामिल है जहां साल के तीनों मौसम-खरीफ, रबी और गर्मी-में खेती संभव है। हिमालयी क्षेत्रों को छोड़ दें तो देश के अधिकांश हिस्सों में सालभर खेती होती है, जिसमें बारहमासी फसलें भी शामिल हैं। खरीफ सीजन में औसतन 1,100 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बुवाई होती है और इसके लिए करीब 390 लाख टन रासायनिक खाद की आवश्यकता होती है, जिसमें लगभग 190 लाख टन यूरिया शामिल रहता है। हालांकि, वर्तमान स्थिति चिंताजनक है। युद्ध शुरू होने से पहले आयात किए गए और देश में उत्पादित खाद का लगभग 46 प्रतिशत स्टॉक उपलब्ध है, लेकिन बाकी मांग को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। वैश्विक स्तर पर करीब 30 प्रतिशत अतिरिक्त खाद की मांग दर्ज की गई है, जिसका भविष्य अधर में लटका है। खाड़ी क्षेत्र में जारी युद्ध और होर्मुज जलडमरूमध्य से लगभग ठप पड़ी आपूर्ति ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। हालात इतने संवेदनशील हैं कि प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में होने वाली उच्चस्तरीय बैठकों में खाद संकट प्रमुख मुद्दा बन गया है। भारत अपनी खाद जरूरतों के लिए मुख्य रूप से ओमान, रूस, सऊदी अरब, मोरक्को और चीन जैसे देशों पर निर्भर है। लेकिन संकट के समय चीन का रवैया एक बार फिर अविश्वसनीय साबित हो रहा है। ऊंची कीमतों पर समझौते होने के बावजूद चीन खाद और कच्चे माल की आपूर्ति में कटौती कर रहा है। वहीं खाड़ी देशों से तैयार यूरिया और इसके उत्पादन के लिए आवश्यक प्राकृतिक गैस की आपूर्ति भी बाधित हो गई है। डाय-अमोनियम फॉस्फेट की आपूर्ति भी प्रभावित हुई है, जो मुख्य रूप से रूस, सऊदी अरब, चीन, मोरक्को और जॉर्डन से आती है। पोटाश के मामले में भारत पूरी तरह आयात पर निर्भर है और इसकी आपूर्ति सऊदी अरब, कनाडा, रूस और बेलारूस जैसे देशों से होती है। इसके अलावा, एनपीके (नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, पोटाश) जैसे मिश्रित उर्वरकों के लिए रूस सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है, जिसके बाद सऊदी अरब, चीन और इंडोनेशिया का स्थान आता है। इन सभी देशों से आपूर्ति बाधित होने के कारण संकट गहराता जा रहा है। देश में यूरिया उत्पादन के लिए संयंत्र मौजूद हैं, लेकिन उन्हें आवश्यक प्राकृतिक गैस का केवल 60 प्रतिशत ही मिल पा रहा है, जिससे उत्पादन प्रभावित हुआ है। वहीं फॉस्फेट और पोटाश जैसे उर्वरकों की लगभग 90 प्रतिशत जरूरत आयात से पूरी होती है, जो फिलहाल बाधित है। जॉर्डन, ट्यूनीशिया और ओमान में भारतीय कंपनियों-इफको और कृभको-के संयंत्र हैं, लेकिन युद्ध के कारण वहां भी उत्पादन प्रभावित हुआ है। सरकार वैकल्पिक आपूर्ति के लिए रूस, यूक्रेन, कनाडा और इंडोनेशिया जैसे देशों से संपर्क कर रही है, लेकिन इसमें भी कई व्यावहारिक कठिनाइयां सामने आ रही हैं। पिछले वर्ष केंद्र सरकार ने खाद पर लगभग 1.30 लाख करोड़ रुपए का अनुदान दिया था, जबकि 2022-23 में रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते यह बढ़कर 2.25 लाख करोड़ रुपए हो गया। इस वर्ष भी यह आंकड़ा दो लाख करोड़ रुपए से अधिक रहने का अनुमान है। होर्मुज जलडमरूमध्य से आयात ठप होने के कारण गैर-खाड़ी देशों से भी खाद की आपूर्ति प्रभावित हुई है। वैकल्पिक समुद्री मार्ग अपनाने पर परिवहन लागत बढ़ जाती है। साथ ही युद्ध के कारण खाद की कीमतों में भी भारी वृद्धि हुई है। ऊंचे दामों पर समझौते करने के बावजूद आपूर्ति सुनिश्चित नहीं हो पा रही है, क्योंकि शिपिंग कंपनियां और बीमा कंपनियां जोखिम उठाने को तैयार नहीं हैं। ऐसे में यह लगभग तय है कि आने वाले खरीफ सीजन में यूरिया सहित अन्य उर्वरकों की कमी देखने को मिलेगी। वर्तमान में सिर्फ शुरूआती दो महीनों के लिए ही पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। इस स्थिति में सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती खाद के समान वितरण, कालाबाजारी पर रोक और कीमतों को नियंत्रित करने की है। इन पहलुओं पर ही इस साल के खरीफ सीजन की सफलता और किसानों का भविष्य निर्भर करेगा। इसके साथ ही दीर्घकालिक समाधान की दिशा में भी ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। देश को खाद उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने, वैकल्पिक जैविक उर्वरकों को बढ़ावा देने और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने पर ध्यान देना होगा। अन्यथा हर वैश्विक संकट के समय किसानों को इसी तरह की अनिश्चितता और कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा।

आज का इतिहास

- 1857 - भारत के प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम के दौरान अंग्रेजों पर पहली गोली चलाने वाले मंगल पांडेय को फाँसी दी गयी।
- 1929 - भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान, दिल्ली सेंट्रल असेम्बली में बम फेंकने के जुर्म में भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त को गिरफ़्तार किया गया।
- 1950 - भारत और पाकिस्तान के बीच लियाकत-नेहरू समझौता। यह समझौता दोनों देशों में रह रहे अल्पसंख्यकों के अधिकारों को सुरक्षित रखने और भविष्य में दोनों देशों के बीच युद्ध की संभावनाओं को खत्म करने के मकसद से किया गया था।
- 1973 - स्पेन के चित्रकार पाब्लो पिकासो का निधन। इन्हें 20वीं शताब्दी का संभवतः सबसे प्रभावी चित्रकार माना जाता है।
- 1988 - जनरल वेंग शांग कुन चीन के राष्ट्रपति निर्वाचित।
- 1999 - ड्रोर ओरपाज तथा कारमिट सुबेरा (इस्रायल) द्वारा 30 घंटे 45 मिनट तक लगातार चुंबन लिये जाने का गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड में नया कीर्तिमान दर्ज, चीन द्वारा धान की भूसी से बिजली का उत्पादन प्रारम्भ।
- 2000 - गुटनिरपेक्ष देशों के विदेश मंत्रियों का 13वां सम्मेलन कोलंबिया के कार्टिजेना शहर में प्रारम्भ।
- 2001 - भारत-इंग्लैंड राउण्ड टेबल बैठक सरिस्का में सम्पन्न, बांग्लादेश में हिन्दुओं की सम्पत्ति लौटाने के लिए विधेयक पारित।
- 2002 - अमेरिकी अंतरिक्ष यान सफलतापूर्वक प्रक्षेपित।
- 2003 - अमेरिकी सेना ने बगदाद में बंकर भेदी बम बरसाए, जिसमें कई नागरिक हुए, लेकिन सद्दाम का अता-पता नहीं।
- 2005 - वेटिकन सिटी में मरहूम पोप को अंतिम विदाई दी गई।
- 2006 - ल्यूकाशेंको ने तीसरी बार बेलारूस के राष्ट्रपति पद की शपथ ली।
- 1983 - अल्लु अर्जुन- तेलुगु फिल्म अभिनेता
- 1950 - दिनेश कुमार शुक्ल - हिन्दी के सुप्रसिद्ध कवि।
- 1938 - कोफी अन्नान - संयुक्त राष्ट्र संघ के सातवें भूतपूर्व महासचिव हैं।
- 1937 - आर. गुंडु राव - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राजनीतिज्ञ थे, जो कर्नाटक के भूतपूर्व मुख्यमंत्री थे।
- 1924 - कुमार गंधर्व - भारत के प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक।
- 1900 - नवलपक्कम पार्थसारथी - भारतीय आनुवंशिकीविद्, अंतर्राष्ट्रीय चावल आयोग के कार्यकारी सचिव और थाईलैंड सरकार के चावल सलाहकार थे।

बयानबाजी की सीमा और राष्ट्रीय जिम्मेदारी

पहलगाम हमले पर विवादित टिप्पणी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

चुनावी मौसम में नेताओं की बयानबाजी किस हद तक गैर-जिम्मेदाराना हो सकती है, इसका ताजा उदाहरण पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का वह बयान है, जिसमें उन्होंने यह प्रश्न उठाया कि क्या भाजपा के पास चुनाव से पहले एक और पहलगाम जैसे हमले का कोई खाका तैयार है? यह प्रश्न केवल एक राजनीतिक आरोप भर नहीं, बल्कि एक गंभीर संकेत है, जो यह जताता है कि पहलगाम आतंकी हमले के पीछे सत्ताधारी दल का हाथ हो सकता है। इस प्रकार के बयान न केवल तथ्यों से परे होते हैं, बल्कि देश की सुरक्षा एजेंसियों और संस्थाओं पर भी अनावश्यक संदेह खड़ा करते हैं।

पूर्व में भी उठे विवादास्पद सवाल

यह पहला अवसर नहीं है जब किसी बड़े आतंकी हमले को लेकर इस तरह की शंकाएं सार्वजनिक मंचों पर व्यक्त की गई हों। पहलगाम हमले के बाद भी कुछ नेताओं ने यह सवाल उठाया था कि आतंकियों के पास इतना समय कैसे था कि वे लोगों की पहचान कर उनका मजहब पूछ सकें। इसके अलावा, कुछ ने केंद्र सरकार पर पर्यटकों की सुरक्षा में जानबूझकर ढिलाई बरतने का आरोप भी लगाया। इससे पहले पुलवामा हमले के समय भी कुछ राजनीतिक आवाजें ऐसी उठी थीं, जिन्होंने राष्ट्रीय शोक और एकजुटता के समय को राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करने की कोशिश की।

वोट बैंक की राजनीति और राष्ट्रीय हित

स्पष्ट है कि इस प्रकार के बयान अक्सर वोट बैंक की राजनीति से प्रेरित होते हैं। चुनावी लाभ के लिए दिए गए ऐसे आरोप भले ही कुछ वर्गों को प्रभावित करने के उद्देश्य से किए जाएं, लेकिन उनका व्यापक असर राष्ट्रीय हितों पर पड़ता है। जब एक वरिष्ठ नेता इस तरह के संकेत देता है कि आतंकी हमलों के पीछे आंतरिक साजिश हो सकती है, तो यह देश की छवि और विश्वसनीयता को भी नुकसान पहुंचाता है। इससे न केवल राजनीतिक विमर्श का स्तर गिरता है, बल्कि जनता के बीच भ्रम और अविश्वास भी फैलता है।

पाकिस्तान के बयान और उसका संदर्भ

ममता बनर्जी का यह बयान उस समय आया है जब पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने यह धमकी दी थी कि यदि भारत ने किसी आतंकी घटना का दोष पाकिस्तान पर डालकर कार्रवाई की, तो पाकिस्तान कोलकाता तक हमला कर सकता है। इस बयान में पाकिस्तान ने एक बार फिर पहलगाम हमले से अपना पल्ला झाड़ते हुए उसे भारत का तथाकथित 'फॉल्स फ्लैग ऑपरेशन' बताया। ऐसे में जब भारतीय नेता भी उसी तरह के संकेत देते हैं, तो यह अनजाने में ही सही, लेकिन दुश्मन देश के प्रचार को मजबूती देने जैसा प्रतीत होता है।

राजनीतिक बयान और कूटनीतिक प्रभाव

भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पहले ही यह स्पष्ट कर चुके हैं कि यदि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद जारी रहता है, तो भारत कड़ा और अभूतपूर्व जवाब देगा। इस सख्त रुख के बीच यदि देश के भीतर से ही विरोधाभासी और आरोपात्मक बयान सामने आते हैं, तो इससे भारत की कूटनीतिक स्थिति कमजोर पड़ सकती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ऐसे बयानों को संदर्भ से हटाकर प्रस्तुत किया जा सकता है, जिससे देश की नीति और इरादों पर प्रश्नचिह्न लग सकता है।

आतंकी गतिविधियों की वास्तविकता

यह भी एक तथ्य है कि पाकिस्तान समर्थित आतंकी गतिविधियां अभी समाप्त नहीं हुई हैं। हाल के दिनों में कई संदिग्ध आतंकियों की गिरफ्तारी इस बात का प्रमाण है कि भारत के खिलाफ साजिशें लगातार रची जा रही हैं। इनमें से कुछ गिरफ्तारियां पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों से भी हुई हैं, जो इस खतरे की गंभीरता को और स्पष्ट करती हैं। ऐसे समय में राजनीतिक नेतृत्व से अपेक्षा की जाती है कि वह राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर एकजुटता और गंभीरता का परिचय दे।

बयानबाजी की मयार्दा जरूरी

लोकतंत्र में राजनीतिक मतभेद स्वाभाविक हैं और चुनावी प्रतिस्पर्धा में तीखी बयानबाजी भी होती है। लेकिन इसकी भी एक मयार्दा होती है। जब बयान देश की सुरक्षा, सेना या आतंकी घटनाओं से जुड़े हों, तब विशेष सावधानी बरतना आवश्यक है। नेताओं को यह समझना चाहिए कि उनके शब्द केवल राजनीतिक संदेश नहीं होते, बल्कि वे समाज और अंतरराष्ट्रीय समुदाय में भी व्यापक प्रभाव डालते हैं।

जिम्मेदार राजनीति की आवश्यकता

अंततः यह जरूरी है कि राजनीतिक दल और उनके नेता चुनावी लाभ से ऊपर उठकर राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता दें। असंयमित और आधारहीन बयान न केवल लोकतांत्रिक विमर्श को कमजोर करते हैं, बल्कि देश के दुश्मनों को भी अप्रत्यक्ष रूप से बल देते हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि राजनीति में शालीनता, तथ्यपरकता और जिम्मेदारी को पुनर्स्थापित किया जाए, ताकि लोकतंत्र मजबूत हो और देश की सुरक्षा एवं एकता पर कोई आंच न आए।

मीडिया और सोशल मीडिया की भूमिका

आज के दौर में मीडिया और सोशल मीडिया की भूमिका भी बेहद महत्वपूर्ण हो गई है। नेताओं के बयान कुछ ही क्षणों में व्यापक रूप से प्रसारित हो जाते हैं और उन पर तीखी प्रतिक्रियाएं भी सामने आती हैं। ऐसे में गैर-जिम्मेदाराना बयान समाज में भ्रम और तनाव बढ़ा सकते हैं। इसलिए जरूरी है कि राजनीतिक नेतृत्व अपने शब्दों के चयन में संयम बरते, ताकि जनमानस में गलत संदेश न जाए और सामाजिक सौहार्द बना रहे।

जनता की अपेक्षाएं और विश्वास

देश की जनता अपने नेताओं से परिपक्वता और जिम्मेदारी की अपेक्षा रखती है। जब नेता बिना ठोस प्रमाण के गंभीर आरोप लगाते हैं, तो इससे जनता का विश्वास कमजोर होता है। लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि जनता अपने प्रतिनिधियों पर भरोसा कर सके। अतः नेताओं को यह समझना होगा कि उनकी बयानबाजी केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी का भी हिस्सा है।

चुनावी माहौल में संयम का महत्व

चुनावी माहौल में आरोप-प्रत्यारोप आम बात है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे संवेदनशील मुद्दों को इससे अलग रखा जाना चाहिए। यदि इस सीमा का पालन नहीं किया गया, तो इससे देश की छवि और आंतरिक एकता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए आवश्यक है कि सभी दल मुद्दों पर आधारित राजनीति करें और अनावश्यक विवादों से बचें।

गहलोत का बयान, बीजेपी का बवाल और नैतिकता का नैरेटिव

हिंदमाता नेटवर्क @ राजस्थान

निरंजन परिहार
(लेखक राजनीतिक विश्लेषक हैं)

राजनीति में बयान कभी सिर्फ बयान नहीं होते। वह संकेत होते हैं। संदेश होते हैं और कई बार सीधे वार भी। लेकिन अशोक गहलोत राजनीति के धुरंधर रहे हैं। आम तौर पर वे सीधे वार नहीं करते। इस बार भी नहीं किया। सिर्फ बेटों के सत्ता में दखल की बात कही। पूर्व मुख्यमंत्री ने किसी का नाम नहीं लिया। सिर्फ सत्ता में बैठे लोगों के परिवारजनों के दखल की राजनीतिक संस्कृति पर सवाल उठाया। गहलोत का यह बयान सिर्फ एक नैतिक अपील भर था। लेकिन बीजेपी ने इसे राजनीतिक प्रहार माना। उसी अनुपात में तड़प भी दिखी। गहलोत के किसी का नाम न लेने के बावजूद बीजेपी के कई तलवारें तानने लगे। और इसी से साफ हो गया कि गहलोत के बयान ने किस किस का नकाब नोचा। पूरे मुद्दे में अशोक गहलोत राजनीतिक बाजी मार गए। उनके बयान ने उनका नैतिक कद बढ़ा दिया। क्योंकि बीजेपी और उसके नेता असली मुद्दे पर जवाब देने के बजाय मामले को भटकाने लगे। गहलोत के बेटे के बहाने अपना बचाव की कोशिश करते दिखे। आम तौर पर बीजेपी नैरेटिव सेट करती है और कांग्रेस उस पर चलती है। लेकिन राजस्थान में सत्ता के विरोध में नैरेटिव इस बार कांग्रेस के दिग्गज नेता गहलोत ने सेट किया है। मुद्दा बीजेपी नेताओं की सत्ता में दखलंदाजी का है और बहस उसी पर जारी है।

गहलोत के सवाल पर सियासत सुलग उठी

राजस्थान के तीन बार मुख्यमंत्री रहे गहलोत ने कहा था कि नेताओं और मंत्रियों के बेटे और परिवारजन सरकार के कामकाज से दूर रहें। बस, इतने भर से ही सियासत सुलग गई। बीजेपी भड़क गई। गहलोत के किसी का भी नाम लिए बिना ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का बयान आया। मंत्री मुखर हुए। प्रदेश अध्यक्ष तमतमाए। तो, बीजेपी के बाकी नेता भी बोले। जवाब मुद्दे पर कम, व्यक्ति पर निशाना ज्यादा था। बीजेपी बोली – गहलोत अपने बेटे को स्थापित नहीं कर पाए। इसलिए इस तरह की बातें कर रहे हैं। बीजेपी की ये रणनीति नई नहीं है। मुद्दे को छोड़ो। व्यक्ति पर सवाल उठाओ। बहस को दूसरी दिशा में ले जाओ। असल सवाल था – सत्ता में परिवार की दखलअंदाजी क्यों हो रही है? लेकिन चर्चा हो गई – गहलोत अपने बेटे को आगे नहीं बढ़ा पाए। यही राजनीतिक डायवर्जन है। यानी मुद्दे से ध्यान हटाकर नैरेटिव बदल देना। बीजेपी और उसके नेता इसमें माहिर है।

असल मामला राजनीतिक नैतिकता का

सत्ता में परिवारजनों के दखल का ये विवाद दो स्तर पर चल रहा है। पहला स्तर नैतिकता का है कि राजनीति में परिवारजनों का प्रभाव सीमित होना चाहिए। और दूसरा नैरेटिव का। कौन किसे गलत साबित करेगा? बीजेपी नैरेटिव बदल रही है। गहलोत मुद्दे को बनाए रखना चाहते हैं। वे अनुभवी नेता हैं। जानते हैं कि कौन सा मुद्दा कब उठाना है। उनका यह बयान तीन स्तर पर काम कर रहा है – नैतिक ऊंचाई, बीजेपी को रक्षात्मक करना और खुद की उजली छवि को और चमकाना। गहलोत ने बहुत सादगी से ये कर लिया। यही उनकी शैली है। मगर, बीजेपी ने आक्रामक जवाब चुना। जवाब में मुद्दे की जगह व्यक्ति आया। यानी गहलोत बनाम बीजेपी। यह रणनीति बीजेपी के अल्पकालिक सुकून दे सकती है। लेकिन सत्ता में परिवारजनों के दखल का सवाल जिंदा है।

सरकारों में प्रभाव तो परिवारजन भी रखते ही है

राजस्थान की मौजूदा बीजेपी सरकार पर पहले भी ऐसे आरोप लगते रहे हैं। कुछ नेताओं के परिवारजन वास्तव में सत्ता में दखल देते हैं, अफसरों पर प्रभाव रखते हैं। फैसलों में दखल देते हैं और सिस्टम को प्रभावित करते हैं। हालांकि ये आरोप हमेशा औपचारिक रूप से साबित नहीं होते। लेकिन राजनीतिक गलियारों में चर्चा जरूर रहती है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के बेटे अभिषेक शर्मा हों या उप मुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा के बेटे चिन्मय बैरवा, या मंत्री जोगाराम पटेल के बेटे मनीष पटेल, परिवारजनों और रिश्तेदारों को लेकर अक्सर सवाल उठाते रहे हैं। यह राजनीति का संवेदनशील क्षेत्र है। जहां आरोप होते हैं, प्रमाण भी होते हैं। लेकिन सियासत और सत्ता दोनों मिलकर, प्रमाणों को अक्सर अफवाहों में बदल देती है, क्योंकि सत्ता उन्हीं के हाथ है।

गहलोत संन्यास लें, तो पीएम मोदी क्यों नहीं

बीजेपी नेताओं ने सत्ता की शुचिता से जुड़े गहलोत के बयान को व्यक्तिगत लिया। जबकि गहलोत ने स्पष्ट कहा था कि बात सिद्धांत की बात है व्यक्तिगत नहीं। फिर भी प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ बोले कि गहलोत 75 साल के हो रहे हैं और उनको संन्यास ले लेना चाहिए। हालांकि राठोड़ यह भूल गए कि उनके अपने नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी 75 साल के हो रहे हैं। तो, क्या पीएम मोदी भी संन्यास ले लें? मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सोनिया गांधी राहुल गांधी को और गहलोत अपने पुत्र वैभव गहलोत को कई बार लॉन्च करने निकले, लेकिन जनता ने नकार दिया है। बेटे के अतिरिक्त महाधिवक्ता वाले विवाद में उलझे कानून मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा जिनके घर कांच के होते हैं वे दूसरों पर पत्थर नहीं फेंका करते। तो, राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि पुत्र मोह रखने वाले गहलोत अब हमको नसीहत दे रहे हैं। बीजेपी के बयानों से साफ था कि 'डायवर्जन' कर रही है, वह मुद्दे से भाग रही है और बयानबाजी में उलझा रही है।

बहस जारी रहेगी, क्योंकि सियासत में बहस ही हथियार

वैसे, राजस्थान की राजनीति में गहलोत का यह बयान सहज नहीं। यह संकेत है आने वाले संघर्ष का। एक तरफ गहलोत हैं। जो सिद्धांत की बात कर रहे हैं। दूसरी तरफ बीजेपी है। जो जवाब तो दे रही है। लेकिन मुद्दे से भटककर। सवाल अब भी वही है कि क्या सत्ता में परिवार का हस्तक्षेप होना चाहिए? दरअसल विवाद सतही नहीं है। इसके पीछे गहरी रणनीति है। गहलोत ने इस बयान के बहाने एक बड़ा नैरेटिव सेट कर दिया हैं। बीजेपी जब तक इसका स्पष्ट जवाब नहीं देती, इस बयान पर बहस चलती रहेगी और बहस दर बहस गहलोत का नैतिक कद ऊंचा होता रहेगा। फिर इतना तो आप भी जानते ही है कि राजनीति के मैदान में बहस ही नेता का कद तय करती है।

प्रेरक प्रसंग

चुन्नू और मुन्नू की सीख

चुन्नू और मुन्नू नाम के दो कौवे थे। दोनों में गहरी दोस्ती थी, लेकिन स्वभाव बिल्कुल अलग थे। चुन्नू बहुत बुद्धिमान और चतुर था, जबकि मुन्नू थोड़ा लापरवाह और पारंपरिक सोच वाला था। वह दूसरों की बातों पर ज्यादा ध्यान नहीं देता था और हमेशा वही करता था जो उसे सही लगता था। इसके बावजूद दोनों हर काम साथ करते थे और एक-दूसरे का साथ कभी नहीं छोड़ते थे। हर दिन की तरह एक सुबह दोनों भोजन की तलाश में निकल पड़े। काफी देर तक उड़ते-उड़ते वे दूर निकल आए। धूप तेज थी और गर्मी के कारण दोनों को जोर की प्यास लगने लगी। उन्होंने इधर-उधर नजर दौड़ाई, लेकिन कहीं भी नदी, तालाब या पानी का कोई स्रोत दिखाई नहीं दिया। अब उनकी हालत और भी खराब होने लगी थी। तभी अचानक उन्हें एक पुराने कुएं के पास दो घड़े रखे दिखाई दिए। दोनों तुरंत वहां पहुंचे और राहत की सांस ली। लेकिन जब उन्होंने घड़ों के अंदर झांका, तो देखा कि पानी बहुत नीचे था और उनकी चोंच वहां तक नहीं पहुंच सकती थी। अब दोनों सोच में पड़ गए कि पानी कैसे पिया जाए। मुन्नू को एक पुरानी कहानी याद आई, जिसमें एक कौवा घड़े में कंकड़ डालकर पानी ऊपर लाता है। उसने तुरंत आसपास से छोटे-छोटे कंकड़ उठाकर घड़े में डालना शुरू कर दिया। उसे विश्वास था कि धीरे-धीरे पानी ऊपर आ जाएगा और वह आसानी से पी सकेगा। दूसरी ओर, चुन्नू ने कुछ देर सोचा। उसे लगा कि यह तरीका सही तो है, लेकिन इसमें बहुत समय लगेगा और तब तक उनकी प्यास और बढ़ जाएगी। उसने अपनी बुद्धि का उपयोग करने का निश्चय किया। वह आसपास उड़कर कुछ खोजने लगा। थोड़ी ही देर में उसे एक पुरानी पतली पाइप पड़ी मिली। वह उसे अपनी चोंच में दबाकर घड़े के पास लाया।

चुन्नू ने पाइप को घड़े के अंदर डाला और आराम से पानी पीने लगा। उसकी प्यास जल्दी ही बुझ गई। उसने मुन्नू को भी ऐसा करने के लिए कहा, लेकिन मुन्नू अपनी जिद पर अड़ा रहा और कंकड़ डालता रहा। कुछ समय बाद चुन्नू पानी पीकर वहां से उड़ गया, जबकि मुन्नू अब भी मेहनत करता रहा। आखिरकार काफी देर बाद मुन्नू भी पानी पी पाया

लेकिन तब तक वह बहुत थक चुका था। उसे अपनी गलती का एहसास हुआ कि अगर वह चुन्नू की बात मान लेता, तो कम मेहनत में जल्दी अपनी प्यास बुझा सकता था। नैतिक सीख: समय के साथ अपनी सोच बदलनी चाहिए और नए तरीके अपनाने चाहिए। केवल पुरानी बातों पर अड़े रहना हमेशा सही नहीं होता।

राशिफल

मेष– किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में बुद्धिबल से उन्नति होगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। दुष्टजनों से सावधानी आवश्यक है। प्रमाद से बचें।

वृषभ– शत्रु भय रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। आर्थिक उन्नति होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। शुभ समय।

मिथुन– पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। अज्ञात भय सताएगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। कुसंगति से बचें। चिंता रहेगी। धन प्राप्ति में अवरोध दूर होंगे। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी।

कर्क– लेन-देन में जल्दबाजी न करें। पुराना रोग उभर सकता है। दु:खद समाचार की प्राप्ति संभव है। किसी के उकसाने में न आएं। बात बिगड़ सकती है। आवश्यक निर्णय सोच-समझकर करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। थकान हो सकती है।

सिंह– पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। आय में वृद्धि होगी। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। निवेश लाभदायक रहेगा। घर में सुख-शांति रहेगी। उत्साह बना रहेगा।

कन्या– आय में वृद्धि होगी। कारोबार लाभप्रद रहेगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। दूर से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय बढ़ेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा।

तुला–प्रेम-प्रसंग में आशातीत सफलता प्राप्त होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। सुख के साधन जुटेंगे। शत्रु परास्त होंगे। भाग्य का साथ मिलेगा।

वृश्चिक– राजभय रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। लेन-देन में जल्दबाजी हानि देगी। शारीरिक कष्ट संभव है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था में मुश्किल होगी। दूसरों से अपेक्षा न करें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। अनहोनी की आशंका रहेगी।

धनु– व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। मानसिक बेचैनी रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। अधिकार प्राप्ति के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। भागदौड़ रहेगी।

मकर– राज्य से प्रसन्नता रहेगी। कोई बड़ा काम हो सकता है। नई योजना बनेगी। नया उपक्रम प्रारंभ हो सकता है। सामाजिक कार्य करने का अवसर मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। कोई नई समस्या आ सकती है। प्रमाद न करें।

कुंभ– आंखों को चोट व रोग से बचाएं। धन प्राप्ति सुगम होगी। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। थकान व कमजोरी महसूस हो सकती है। कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे।

मीन–पुराना रोग उभर सकता है। अनहोनी की आशंका रहेगी। मातहतों से कहासुनी हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। दूसरों से अपेक्षा न करें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। आय में निश्चितता रहेगी।

बंगाल में एसआईआर के बाद

वोटर लिस्ट से करीब 91 लाख नाम हटाए गए

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

बंगाल में एसआईआर के बाद वोटर लिस्ट से करीब 91 लाख नाम हटाए गए हैं, जो कि पहले मौजूद 7.6 करोड़ मतदाताओं का करीब 11.9 फीसदी है। हटाए गए नाम उन मामलों से संबंधित हैं जो सत्यापन के लिए गए थे। एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने से अब तक कुल हटाए गए नामों की संख्या 90.83 लाख से अधिक रही। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, जांच में 60.06 लाख में से 27.16 लाख विवेचनाधीन मतदाताओं के नाम हटाए गए। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, नवंबर-2025 में एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने के बाद से मतदाताओं की संख्या का करीब 8.3 प्रतिशत यानी 63.66 लाख नाम हटा दिए गए, जिससे मतदाता आधार करीब 7.66 करोड़ से घटकर करीब 7.04 करोड़ रह गया। 7.04 करोड़ में 60.06 लाख से ज्यादा मतदाता ऐसे थे, जिन्हें विवेचनाधीन कैटेगरी में रखा गया था।

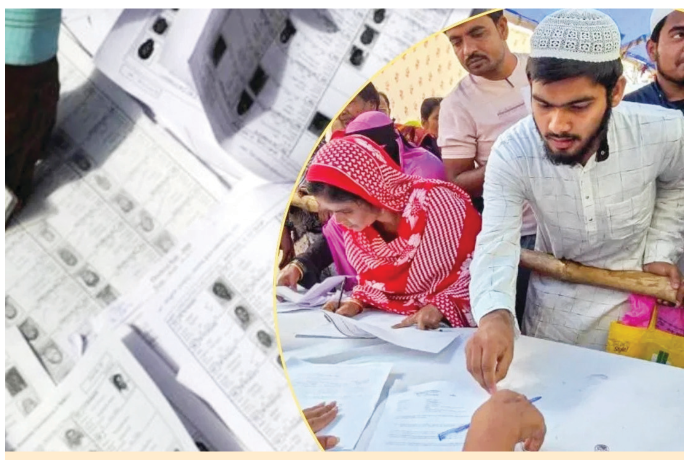

कई जगहों पर डिलीशन रेट काफी हाई

बंगाल में 2021 विधानसभा चुनाव के वोट प्रतिशत और रक्षके दौरान हटाए गए मतदाताओं के आंकड़ों की तुलना करें तो दिलचस्प पैटर्न सामने आता है। जिन जिलों में 2021 में टीएमसी को बढ़त मिली थी, वहां कई जगहों पर डिलीशन रेट काफी हाई है। हालांकि, बीजेपी भी इससे अछूती नहीं है। 2021 में जिन जिलों में बीजेपी का प्रभाव देखा गया वहां भी कुछ ऐसा ट्रेंड देखने को मिलता है। जैसे कि कूचबिहार में 2021 में बीजेपी को 49.07% वोट मिला था। एसआईआर में यहां 50.07 फीसदी वोट कटे हैं। कूचबिहार के साथ ही अलीपुरद्वार जहां 2021 में बीजेपी को 49.70% फीसदी वोट मिला था, वहां 44.8% नाम हटे हैं। कुछ जिलों में 2021 में जहां मुकाबला बेहद करीबी था वहां भी डिलीशन रेट हाई रहा है। जैसे पूर्व मिदनापुर (BJP 46.90 फीसदी और TMC 46.85 फीसदी) में 33.3 फीसदी नाम कटे हैं। बांकुड़ा में 16.7% डिलीशन हुआ। इसी तरह पुरुलिया में केवल 17.7% डिलीशन हुआ।

दिनाजपुर में 58% और कोलकाता में 36.3% नाम हटे

इसी तरह दक्षिण दिनाजपुर में 58%, दार्जिलिंग में 55.3% और उत्तर 24 परगना में 55.1% नाम हटे। वहीं पश्चिम बर्धमान में 53.8%, कूचबिहार में 50.7%, पश्चिम मिदनापुर में 50.6%, हावड़ा में 45.6%, अलीपुरद्वार में 44.8% और दक्षिण 24 परगना में 43 फीसदी नाम हटाए गए। मुर्शिदाबाद में 41.8%, बीरभूम में 40.6%, कालिम्पोंग में 35.4% और कोलकाता में 36.3% नाम हटे। जबकि पूर्व मिदनापुर में 33.3%, जलपाईगुड़ी में 32.7%, मालदा में 28.9%, झारग्राम में 18.6%, पुरुलिया में 17.7% और बांकुड़ा में 16.7% नाम हटे हैं।

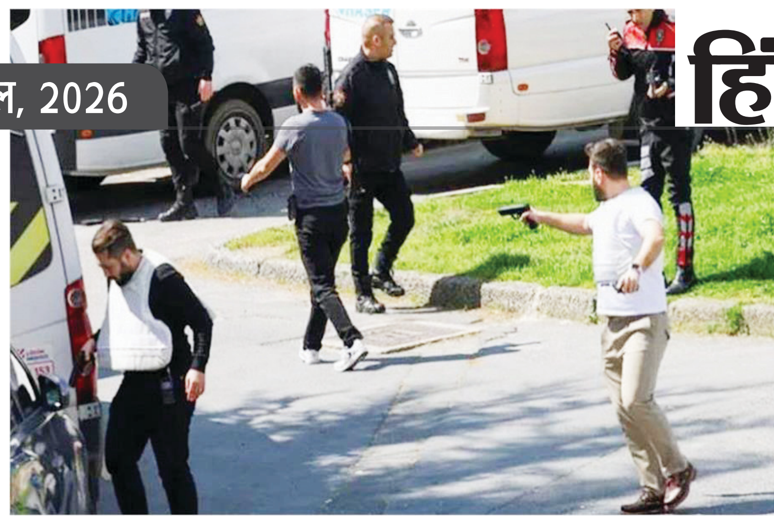

तुर्की में इजराइली दूतावास पर अचानक ताबड़तोड़ फायरिंग

पुलिस मुठभेड़ में 3 हमलावर ढेर

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

ईरान जंग व मौजूदा अंतर्राष्ट्रीय तनाव का असर अब वैश्विक सुरक्षा पर भी साफ दिखाई देने लगा है। तुर्की के सबसे बड़े शहर इस्तांबुल के बेशिकताश इलाके में स्थित इजराइली वाणिज्य दूतावास के पास मंगलवार को अचानक गोलीबारी की घटना सामने आई। इस घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी फैल गई और सुरक्षा एजेंसियां तुरंत सक्रिय हो गईं। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कुछ हथियारबंद संदिग्ध दूतावास के आसपास देखे गए थे। सूचना मिलते ही तुर्की पुलिस ने इलाके को घेर लिया और संदिग्धों को रोकने की कोशिश की।

■ इसी दौरान स्थिति बिगड़ गई और पुलिस व हमलावरों के बीच सीधी मुठभेड़ शुरू हो गई। शुरूआती रिपोर्ट्स में तीन हमलावरों के मारे जाने की बात कही गई थी, लेकिन बाद में दावुत गुल ने पुष्टि की कि मुठभेड़ में एक हमलावर मारा गया, जबकि दो घायल हुए। इस घटना में दो पुलिसकर्मी भी हल्के रूप से घायल हुए हैं। मुठभेड़ के दौरान काफी देर तक फायरिंग होती रही, जिसके बाद तुर्की की विशेष सुरक्षा बलों को मौके पर तैनात किया गया। पूरे इलाके को सील कर दिया गया और आसपास की सुरक्षा कड़ी कर दी गई। तुर्की के न्याय मंत्री अकिन गुरलेक ने इस घटना की जांच के आदेश दिए हैं।

■ अधिकारियों का कहना है कि हमलावरों की पहचान और उनके मकसद का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच की जा रही है। राहत की बात यह रही कि जिस समय यह घटना हुई, उस वक्त दूतावास का कार्यालय खाली था, जिससे कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। यह घटना ऐसे समय में सामने आई है, जब इजराइल और ईरान के बीच तनाव चरम पर है। इजराइली अधिकारियों ने हाल ही में दुनिया भर में अपने नागरिकों और यहूदी स्थलों पर बढ़ते खतरे को लेकर चेतावनी भी जारी की है।

भारत के नक्शेकदम पर नेपाल की नई बालेन सरकार

पेट्रोलियम उत्पादों पर लिया बड़ा फैसला

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारत की राह पर चलते हुए नेपाल की नई सरकार ने बढ़ती महंगाई से राहत देने के लिए पेट्रोलियम उत्पादों पर बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने पेट्रोल, डीजल और केरोसिन पर लगने वाले कस्टम ड्यूटी और इंफ्रास्ट्रक्चर टैक्स में 50% तक की छूट देने का निर्णय लिया है। यह फैसला कैबिनेट बैठक में लिया गया, जिसकी जानकारी मंत्री प्रतिभा रावल ने दी। सरकार का मानना है कि इससे आम लोगों पर पड़ने वाला आर्थिक बोझ कम होगा। यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया है जब भारत ने भी हाल ही में पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी घटाकर आम लोगों को राहत दी थी। अब नेपाल ने भी उसी राह पर चलते हुए ईंधन को सस्ता करने की कोशिश की है।

■ नेपाल में फिलहाल पेट्रोल पर करीब 25.23 नेपाली रुपए प्रति लीटर और डीजल पर 12.02 रुपए प्रति लीटर कस्टम ड्यूटी लगती है। इसके अलावा दोनों पर 10 रुपए प्रति लीटर इंफ्रास्ट्रक्चर टैक्स भी लिया जाता है। इसके साथ VAT, रोड मेंटेनेंस टैक्स और अन्य शुल्क भी लागू होते हैं। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब हॉर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव के कारण वैश्विक तेल आपूर्ति प्रभावित हुई है। इस मार्ग से दुनिया का लगभग 20% तेल गुजरता है, इसलिए यहां संकट का असर सीधे अंतरराष्ट्रीय बाजार पर पड़ा है।

■ तेल की कीमतों में उछाल के कारण परिवहन लागत बढ़ गई है, जिससे रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों पर भी असर पड़ा है। एशियाई देशों पर इसका असर ज्यादा देखा जा रहा है क्योंकि वे खाड़ी देशों से तेल आयात पर निर्भर हैं। हालांकि नेपाल सीधे खाड़ी देशों से तेल नहीं खरीदता, लेकिन वह पूरी तरह भारत पर निर्भर है। भारत भी इस समय ईंधन आयात में दबाव झेल रहा है। इसी कारण भारत ने भी हाल ही में पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में कटौती की थी। पिछले वित्त वर्ष में नेपाल ने करीब 288 अरब नेपाली रुपए के पेट्रोलियम उत्पाद आयात किए थे, जो देश का सबसे बड़ा आयात है।

भाजपा सत्ता में आई तो कैबिनेट में लागू होगा यूसीसी

हिंदमाता नेटवर्क @ असम

असम में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान (9 अप्रैल) से ठीक पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कछार और हैलाकांडी में विशाल जनसभाओं को संबोधित किया। शाह ने ऐलान किया कि असम में दोबारा भाजपा की सरकार बनते ही पहली ही कैबिनेट बैठक में समान नागरिक संहिता (UCC) लागू करने का ऐतिहासिक फैसला लिया जाएगा।

UCC पर बड़ा बयान

अमित शाह ने UCC के महत्व को समझाते हुए कहा कि UCC का मतलब है सबके लिए एक कानून। इसके लागू होने के बाद असम में किसी को भी चार शादियां करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा ने 'तीन तलाक' खत्म किया और अब पूरे देश में समानता के लिए कदम उठा रही है।

घुसपैठियों पर किया कड़ा प्रहार

राहुल गांधी और ममता बनर्जी पर हमला बोलते हुए शाह ने कहा कि विपक्षी दल घुसपैठियों को अपना 'वोट बैंक' मानते हैं। उन्होंने कहा कि ममता दीदी रोएं या राहुल बाबा सीना पीटें, लेकिन भाजपा इस देश से एक-एक घुसपैठिए को बाहर निकालकर रहेगी। हमने पिछले 5 साल में घुसपैठ रोकी, अगले 5 साल में उनकी पहचान की और अब अगले 5 साल में उन्हें चुन-चुनकर बाहर करेंगे।

विकास और नई घोषणाएं

शाह ने सिलचर में यातायात की समस्या को दूर करने के लिए NH-306 पर 565 करोड़ रुपये की लागत से 'एलिवेटेड कॉरिडोर' बनाने का वादा किया। साथ ही उन्होंने घोषणा की कि एनडीए सरकार की वापसी पर सिलचर में दूसरा सचिवालय स्थापित किया जाएगा ताकि बराक घाटी के लोगों को प्रशासनिक कार्यों के लिए गुवाहाटी न भागना पड़े। असम की 126 सीटों के लिए 9 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे और नतीजों की घोषणा 4 मई को होगी।

सऊदी के आर्थिक दिल पर दागी मिसाइल !

जुबैल इंडस्ट्रियल सिटी में लगी भीषण आग

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

ईरान और सऊदी अरब के बीच बढ़ते तनाव के बीच एक बड़ा हमला सामने आया है। अमेरिका और इजराइल के हमलों के जवाब में पलटवार करते हुए ईरान की एक मिसाइल ने सीधे अल जुबैल इंडस्ट्रियल सिटी को निशाना बनाया, जिससे वहां भीषण आग लग गई। अल जुबैल सऊदी अरब का सबसे बड़ा औद्योगिक क्षेत्र माना जाता है। 1,000 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है और यहां 150 से ज्यादा बड़े औद्योगिक संयंत्र मौजूद हैं। यह क्षेत्र सऊदी की अर्थव्यवस्था के लिए बेहद अहम है और देश के GDP में लगभग 7% से 12% तक योगदान देता है। यह इंडस्ट्रियल सिटी विदेशी निवेश का भी बड़ा केंद्र है, जहां कुल विदेशी निवेश का लगभग 50% हिस्सा आता है। यहां स्टील, एल्युमिनियम, खाद (फर्टिलाइजर) और केमिकल इंडस्ट्री के बड़े-बड़े प्लांट्स स्थित हैं। ऊर्जा के लिहाज से भी यह क्षेत्र बेहद महत्वपूर्ण है। यहां रोजाना करीब 5 लाख से 7 लाख बैरल तेल की प्रोसेसिंग होती है और बड़े पावर प्लांट्स इस पूरे सिस्टम को सपोर्ट करते हैं। मिसाइल हमले के बाद लगी आग ने इन औद्योगिक इकाइयों और ऊर्जा ढांचे को खतरे में डाल दिया है। इसका असर सिर्फ सऊदी अरब ही नहीं, बल्कि वैश्विक तेल और उद्योग बाजार पर भी पड़ सकता है।

हरियाणा-पंजाब विवाद के बीच SYL नहर पर सरकार ने दी मंजूरी

हिंदमाता नेटवर्क @ कुरुक्षेत्र

हरियाणा और पंजाब के विवाद के बीच लंबे समय से उपेक्षित SYL नहर अब अपने मूल स्वरूप में लौटने जा रही है। करीब 50 करोड़ रुपए की लागत से नहर का जीर्णोद्धार किया जाएगा, जिससे यह दक्षिणी हरियाणा और दिल्ली की प्यास बुझाने में कारगर साबित होगी। सिंचाई विभाग ने बताया कि नहर के कायाकल्प का काम तीन चरणों में किया जाएगा। पहले चरण के लिए 15 करोड़ रुपए की राशि निर्धारित की गई है। प्रदेश सरकार ने परियोजना को मंजूरी दे दी है और अब टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। SYL नहर के जीर्णोद्धार के बाद जरूरत पड़ने पर नरवाना ब्रांच नहर और मारकंडा नदी के पानी को भी छोड़ा जा सकेगा। इससे न केवल मारकंडा नदी से आने वाली बाढ़ का खतरा टलेगा, बल्कि नहर का सही उपयोग भी सुनिश्चित होगा।

नहर की लंबाई और परियोजना की तैयारी

कुरुक्षेत्र जिले में SYL नहर की लंबाई लगभग 35 किलोमीटर है। जनवरी महीने में सिंचाई विभाग ने परियोजना को प्रदेश सरकार की मंजूरी के लिए भेजा था। सुप्रीम कोर्ट तक विवाद पहुंचने के बावजूद पंजाब से अभी तक नहर में पानी नहीं मिल पाया है।

सरकार से मिली मंजूरी, जल्द होगा कार्य शुरू

SYL नहर परियोजना के बारे में एक्सईएन सिंचाई विभाग मुनीष बब्बर ने बताया कि सरकार से मंजूरी मिल चुकी है और टेंडर प्रक्रिया शुरू हो गई है। उन्होंने कहा कि जल्द ही परियोजना पूरी कर कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

पानी की उपलब्धता का लक्ष्य

सिंचाई विभाग ने नहर के जीर्णोद्धार के बाद 10 हजार क्यूसेक पानी दक्षिणी हरियाणा तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। एसवाईएल नहर के माध्यम से 6,500 क्यूसेक और नरवाना ब्रांच के माध्यम से 3,500 क्यूसेक पानी उपलब्ध कराया जाएगा। यह पहली बार है जब नहरों का बड़े पैमाने पर जीर्णोद्धार किया जा रहा है।

किसी जगह पर महज नमाज पढ़ लेने से वह मस्जिद नहीं बन जाती

हिंदमाता नेटवर्क @ इंदौर

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में धार के भोजशाला मंदिर-कमाल मौला मस्जिद परिसर के धार्मिक स्वरूप को लेकर चल रहे विवाद के मुकदमे में मंगलवार को हिंदू पक्ष ने दलील दी कि 11वीं सदी के स्मारक परिसर का एक विवादित ढांचा वक्फ (धर्मार्थ अर्पित) संपत्ति कतई नहीं है और किसी स्थान पर केवल नमाज पढ़ लेने से वह जगह कानूनन मस्जिद नहीं बन जाती। भोजशाला को हिंदू समुदाय वाग्देवी (देवी सरस्वती) का मंदिर मानता है, जबकि मुस्लिम पक्ष इसे कमाल मौला मस्जिद बताता है। यह विवादित परिसर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा संरक्षित है। उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ इस परिसर के धार्मिक स्वरूप के विवाद को लेकर दायर चार याचिकाओं और एक रिट अपील पर सोमवार (6 अप्रैल) से नियमित सुनवाई कर रही है।

■ सुनवाई के दूसरे दिन याचिकाकर्ताओं में शामिल संगठन 'हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस' के वकील विष्णु शंकर जैन ने अदालत में अपनी दलीलें पेश करना जारी रखा। उन्होंने न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला और न्यायमूर्ति आलोक अवस्थी की खंडपीठ के सामने कहा कि विवादित परिसर में धार के परमार राजवंश के राजा भोज द्वारा 1034 में स्थापित सरस्वती मंदिर पहले से मौजूद था और इस जगह को ऐतिहासिक व राजस्व रिकॉर्ड में 'भोजशाला' के रूप में ही जाना जाता है। उन्होंने देशी-विदेशी लेखकों की किताबों, एएसआई व पुरातत्व विभाग के प्रकाशित ग्रंथों और अन्य स्त्रोतों के हवाले से दावा किया कि भोजशाला परिसर में बने मंदिर को ढहाया गया और इसके अवशेषों से खड़े किए गए विवादित ढांचे को नमाज पढ़ने के लिए इस्तेमाल करना शुरू किया गया।

मध्य प्रदेश में राजनीतिक नियुक्तियों को लेकर हलचल!

50 नामों में से 20 मंडल अध्यक्षों की होगी घोषणा, हाईकमान के संपर्क में सिंधिया-शिवराज

हिंदमाता नेटवर्क @ भोपाल

मध्य प्रदेश की राजनीति में इन दिनों संगठन और नियुक्तियों को लेकर हलचल तेज हो गई है। इसी कड़ी में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और शिवराज सिंह चौहान सक्रिय भूमिका में नजर आ रहे हैं। दोनों नेता प्रदेश में अपनी पकड़ मजबूत करने और समर्थकों को अहम पद दिलाने के लिए लगातार प्रयासरत बताए जा रहे हैं। प्रदेश में निगम-मंडलों, बोर्ड और आयोगों में नियुक्ति की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है। सूत्रों के मुताबिक, इन पदों के लिए करीब 50 नाम सामने आए हैं, जिनमें से छंटनी कर 20 से 22 अध्यक्षों की सूची तैयार की जाएगी। इस सूची को केंद्रीय नेतृत्व के पास अनुमोदन के लिए भेजा जाएगा, जहां से सहमति मिलने के बाद पहली सूची जारी हो सकती है। सूत्रों के अनुसार, संगठन और विभिन्न बोर्ड-निगमों में नियुक्तियों को लेकर दिल्ली में मंथन तेज है। सिंधिया और शिवराज सिंह चौहान लगातार पार्टी हाईकमान के संपर्क में हैं और अपने-अपने खेमों के नेताओं के लिए लॉबिंग कर रहे हैं। इससे यह संकेत मिल रहे हैं कि आने वाले समय में प्रदेश में बड़े स्तर पर राजनीतिक नियुक्तियां हो सकती हैं।

■ राजनीतिक जानकारों का मानना है कि भाजपा संगठन में संतुलन बनाए रखना पार्टी के लिए अहम है। ऐसे में अलग-अलग गुटों के नेताओं को साधने और उन्हें जिम्मेदारी देने की रणनीति पर काम किया जा रहा है। सिंधिया और शिवराज, दोनों ही बड़े जनाधार वाले नेता हैं, इसलिए उनकी भूमिका इस प्रक्रिया में निर्णायक मानी जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री निवास पर हाल ही में हुई एक हाई लेवल बैठक ने कई राजनीतिक संदेश दे दिए हैं। इस बैठक में सीएम मोहन यादव और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेवाल के साथ पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की सक्रिय मौजूदगी ने यह साफ कर दिया कि वह अभी भी फैसलों के केंद्र में हैं। खास बात ये है कि निगम-मंडलों में नियुक्तियों को लेकर शिवराज सिंह चौहान ने खुद कई नाम सुझाए हैं। माना जा रहा है कि उनके अनुभव और संगठन पर पकड़ की वजह से इन नामों को गंभीरता से लिया जा रहा है।

■ ज्योतिरादित्य सिंधिया की भूमिका को लेकर भी चचाएं तेज हैं। सूत्रों की मानें तो सिंधिया अपने चहेतों को निगम मंडल में नियुक्ति दिलवाने के लिए पूरा जोर लगा दिया है। इनमें पूर्व मंत्री इमरती देवी, महेंद्र सिंह सिसोदिया, ओपीएस भदौरिया, गिरिराज दंडोतिया और पूर्व विधायक मुन्नालाल गोयल का नाम शामिल है। सिंधिया दिल्ली से भोपाल तक इसकी लॉबिंग में जुटे है। सूत्रों की मानें तो सिंधिया अपने हारे हुए समर्थकों को मंत्री पद का दर्जा दिलाने की ज़िद पर अड़े है। बताया जा रहा है कि कई ऐसे नेता, जो लंबे समय से पद की प्रतीक्षा में हैं, उन्हें इस बार मौका मिल सकता है। खासतौर पर उन कार्यकर्ताओं और नेताओं को प्राथमिकता दी जा सकती है जिन्होंने चुनावों में पार्टी के लिए सक्रिय भूमिका निभाई थी। कुल मिलाकर, मध्य प्रदेश में नियुक्तियों को लेकर सियासी गतिविधियां तेज हो गई हैं और अब सबकी नजर इस बात पर टिकी है कि पार्टी हाईकमान किसे जिम्मेदारी सौंपता है। आने वाले दिनों में होने वाले फैसले प्रदेश की राजनीति की दिशा तय कर सकते हैं।

पवन खेड़ा के घर असम पुलिस ने की छापेमारी

हिंदमाता नेटवर्क @ असम

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। मंगलवार को असम पुलिस की एक स्पेशल टीम पवन खेड़ा के दिल्ली स्थित आवास पर पहुंची। यह कार्रवाई असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी द्वारा दर्ज कराई गई एक FIR के ठीक एक दिन बाद हुई है।

क्या है पूरा मामला?

असम पुलिस ने पवन खेड़ा के खिलाफ दर्ज मामले की जांच के सिलसिले में उनके घर पर छापेमारी की है। इस दौरान स्थानीय दिल्ली पुलिस भी मौके पर मौजूद रही, जो कानूनी प्रक्रियाओं को पूरा करने के लिए असम पुलिस के अधिकारियों की सहायता कर रही है। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि पुलिस का इरादा केवल पूछताछ का है या खेड़ा की गिरफ्तारी की संभावना भी है। पवन खेड़ा के घर के बाहर इस समय सुरक्षा बढ़ा दी गई है और राजनीतिक सरगर्मी भी तेज हो गई है।

मुख्यमंत्री का कड़ा रुख

मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने गुवाहाटी में मीडिया से बात करते हुए पवन खेड़ा के खिलाफ 'कठोरतम कार्रवाई' करने का संकल्प लिया। उन्होंने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि पवन खेड़ा के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी, बस कुछ दिन इंतजार करें। कांग्रेस असम में खत्म हो चुकी है। दुबई के जिस अपार्टमेंट और प्रॉपर्टी के दस्तावेजों का हवाला दिया जा रहा है, वे 'Scribd' प्लेटफॉर्म से चोरी किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने आगे आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता गौरव गोगोई और पवन खेड़ा को इस मुद्दे पर पाकिस्तानी सोशल मीडिया ग्रुप्स से मदद मिल रही है।

हिंदमाता एंकर: संत समाज और आम लोगों से एकजुट होकर धर्म और परंपराओं की रक्षा के लिए आगे आने की अपील

अविमुक्तेश्वरानंद शादीशुदा और बच्चे का बाप भी है: आशुतोष महाराज

हिंदमाता नेटवर्क @ प्रयागराज

ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और ब्रह्मचारी आशुतोष महाराज के बीच जुबानी जंग थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसी बीच एक संत कार्यक्रम में आशुतोष महाराज ने विवादित बयान दिया है। उन्होंने दावा किया है जिस व्यक्ति को शंकराचार्य बताया जा रहा है, वह नकली है उन्होंने आरोप लगाया कि उस व्यक्ति का वैवाहिक जीवन रहा है और उसकी संतान भी है, जो शंकराचार्य परम्परा की मर्यादा के विपरीत है। उनका कहना है कि यह मामला केवल किसी एक व्यक्ति का नहीं बल्कि पूरे सनातन धर्म और उसकी परम्पराओं की गरिमा से जुड़ा हुआ है। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति को शंकराचार्य बताया जा रहा है, उसके जीवन से जुड़े तथ्य पारंपरिक मानकों के अनुरूप नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि संबंधित व्यक्ति का पारिवारिक जीवन रहा है, जो शंकराचार्य परंपरा की स्थापित मयार्दाओं के विपरीत माना जाता है।

संत समाज में तेज हुई चर्चा

इस बयान के बाद संत समाज के भीतर इस मुद्दे को लेकर चर्चा और बहस का दौर तेज हो गया है। विभिन्न साधु-संत और धार्मिक संगठनों के बीच अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं, जिससे यह मामला और अधिक सुर्खियों में आ गया है।

जांच की उठी मांग

आशुतोष महाराज ने इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि यदि आरोप सही साबित होते हैं तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि शंकराचार्य की परंपरा आदि शंकराचार्य से जुड़ी हुई है, जिसकी गरिमा बनाए रखना आवश्यक है।

समाज से एकजुट होने की अपील

उन्होंने इस मुद्दे को व्यापक बताते हुए संत समाज और आम लोगों से एकजुट होकर धर्म और परंपराओं की रक्षा के लिए आगे आने की अपील भी की। साथ ही 'सनातन न्याय यात्रा' में अधिक भागीदारी का आह्वान किया। फिलहाल इस पूरे मामले में प्रशासन या संबंधित संगठनों की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। लेकिन जिस तरह से यह मुद्दा संत समाज में चर्चा का विषय बना हुआ है, उससे साफ है कि आने वाले दिनों में इस पर और प्रतिक्रियाएं देखने को मिल सकती हैं।

25 लाख टैबलेट, शिक्षा मित्रों का मानदेय 17000

योगी कैबिनेट के 22 प्रस्ताव पास

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ
उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार (7 अप्रैल) को कैबिनेट की बैठक हुई। इस दौरान मंत्रिपरिषद द्वारा 22 प्रस्ताव पेश किए गए, इन सभी 22 प्रस्तावों को मंजूरी दे दी गई। बैठक में शिक्षामित्रों का मानदेय 18 हजार रुपए और अंशकालिक अनुदेशकों का मानदेय 17 हजार रुपए करने के प्रस्ताव को मंजूरी मिली। उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने बताया कि शिक्षामित्रों और अनुदेशकों का बढ़ा हुआ मानदेय 1 मई से दिया जाएगा।पिछले लंबे समय से यूपी के लाखों शिक्षा मित्र इस फैसले का इंतजार कर रहे थे। 1,42,929 शिक्षा मित्र राज्य में हैं, वहीं 24,717 अनुदेशक वर्तमान में राज्य में कार्यरत हैं।

49 नए बस अड्डों के निर्माण को मंजूरी

कैबिनेट बैठक में पीपीपी मॉडल पर 49 नए बस अड्डों के निर्माण को मंजूरी दी गई है। बताया जा रहा है कि ये बस अड्डे पूरी तरह एयरपोर्ट की तर्ज पर आधुनिक सुविधाओं से लैस होंगे। योगी सरकार के इस फैसले से राज्य के 52 जिले सीधे तौर पर लाभान्वित होंगे, वहीं यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं मिलेंगी।

कैबिनेट के अन्य फैसले

जनपद पीलीभीत व लखीमपुर खीरी,रामपुर व बिजनौर में भारत पाकिस्तान विभाजन के समय विस्थापित होकर आए परिवारों को भारतीय नागरिकता के लिए पात्रता के सम्बंध में प्रस्ताव को स्वीकृति मिली है। इनकी संख्या लखीमपुर खीरी में 2350 परिवार,पीलीभीत में 4 हजार परिवार,बिजनौर में 18 ग्रामों में 3856 परिवार,रामपुर में 16 ग्रामों में 2174 परिवार हैं। डॉ अंबेडकर मूर्ति विकास योजना को मंजूरी। योजना के तहत अंबेडकर समेत तमाम महापुरुषों से संबंधित स्थानों पर स्थापित मूर्तियों का सुदृढ़ीकरण किया जाएगा। स्थलों का सौंदर्यीकरण किया जाएगा, हर स्थान के लिए 10 लाख खर्च किये जाएंगे। हर विधानसभा के लिए 1 करोड़, कुल 403 करोड़ दिए जाएंगे। सभी विधानसभा क्षेत्र में 14 अप्रैल को कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और योजना की जानकारी दी जाएगी।

25 लाख टैबलेट की खरीदे जाएंगे

जानकारी के मुताबिक स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजनांतर्गत नि:शुल्क टैबलेट हेतु अंतिम बिड हेतु प्रस्ताव को मंजूरी मंजूरी दी गई है। छात्रों को वितरित करने के लिए 25 लाख टैबलेट की खरीदे जाएंगे। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि अभी तक प्रदेश में 60 लाख स्मार्ट फोन और टैबलेट वितरित किए जा चुके हैं, वहीं अब 25 लाख टैबलेट और खरीदने के प्रस्ताव को हरी झंडी मिली है। बैठक में औद्योगिक विकास विभाग की हाई पावर कमेटी की संस्तुतियों को मंजूरी दे दी गई है। इसके तहत राज्य के 9 जिलों में 15,189 करोड़ से अधिक के निवेश से 12 औद्योगिक इकाइयां स्थापित की जाएंगी। निवेश के लिए 8 प्रस्ताव पेश किए गए।

बलिया में बनेगा मेडिकल कॉलेज

उत्तर प्रदेश सरकार 'एक जिला, एक मेडिकल कॉलेज' योजना के तहत बलिया में मेडिकल कॉलेज बनाएगी। यह कॉलेज कारागार विभाग की जमीन पर खोला जाएगा।जिला अस्पताल को मेडिकल कॉलेज के अस्पताल के रूप में मर्ज किया जाएगा। कैबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। प्रदेश में, अभी 81 मेडिकल कॉलेज है वहीं अब 82वां बनेगा। यह मेडिकल कॉलेज 437 करोड़ की लागत से, 14 .05 एकड़ जमीन पर बनेगा।

6 नए प्रस्ताव

1. ओएफबी टेक प्रा ।लिम। 589 करोड़ के निवेश के साथ शाहजहांपुर में एग्रो केमिकल्स बनाएगी।
2. इंडिया ग्लाइकॉन्स लिमिटेड गोरखपुर (गीडा) में एथेनाल प्रोडक्शन के लिए क्षमता विस्तार करेगी,669 करोड़ का निवेश।
3. सोलर सेल व मॉड्यूल मैन्युफैक्चरिंग प्लांट निर्माण हेतु 3805 करोड़ का निवेश,बुंदेलखंड व यमुना अथॉरिटी परिसर में।
4. बिसलेरी इंटरनेशनल प्रा ।लिमिटेड,प्रयागराज में स्थापित होगा,269 .31 करोड़ का निवेश।
5. ए ।जी ।आई। कैन मैन्युफैक्चरिंग के लिए हाथरस में यूपीसीडा क्षेत्र में 1128 .72 करोड़ का निवेश करेगा।
6. इंटीग्रेटेड बैटरीज इंडिया प्रा ।लिमिटेड का सोलर सेल मैन्युफैक्चरिंग प्लांट 1146 करोड़ का निवेश, यमुना अथॉरिटी परिसर में।

न्यू नोएडा में आने वाली जमीन के मालिक होंगे मालामाल

मुआवजा तय, कितना मिलेगा पैसा?

हिंदमाता नेटवर्क @ नोएडा
न्यू नोएडा के सपनों को धरातल पर उतारने की दिशा में नोएडा प्राधिकरण ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। प्राधिकरण की हालिया बोर्ड बैठक में भूमि अधिग्रहण के प्रस्ताव को मंजूरी देते हुए किसानों के लिए मुआवजे की नई दरें तय कर दी गई हैं। अब न्यू नोएडा के किसानों को भी यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (YEIDA) के बराबर ही मुआवजा दिया जाएगा। लंबे समय से मुआवजे की दरों को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई थी, जिससे अधिग्रहण की प्रक्रिया प्रभावित हो रही थी। अब प्राधिकरण ने 4300 रुपये प्रति वर्ग मीटर की दर निर्धारित की है। यह दर यीडा के समान होने से क्षेत्र के करीब 80 गांवों के किसानों में संतोष बढ़ने की उम्मीद है। इस पारदर्शी नीति से भविष्य में भूमि अधिग्रहण के दौरान होने वाले विवादों की संभावना भी कम होगी।

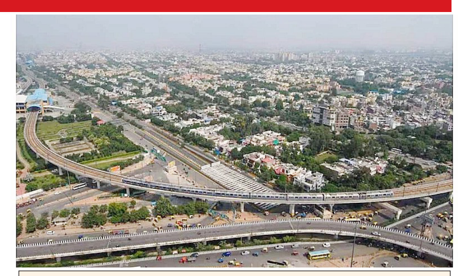

800 करोड़ रुपए का बजट और मास्टर प्लान 2041

न्यू नोएडा का विकास 'मास्टर प्लान 2041' के तहत चार चरणों में किया जाना है। भूमि अधिग्रहण की शुरुआती प्रक्रिया के लिए प्राधिकरण ने 800 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया है। पहले चरण में हजारों हेक्टेयर भूमि अधिग्रहित कर वहां औद्योगिक और आवासीय परियोजनाएं शुरू की जाएंगी। अधिकारियों का लक्ष्य है कि तय समय सीमा के भीतर बुनियादी ढांचा तैयार कर निवेशकों को सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

रोजगार और निवेश का बनेगा महा-केंद्र

न्यू नोएडा को एक आधुनिक औद्योगिक शहर के रूप में विकसित करने की योजना है। बेहतर कनेक्टिविटी और विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर के कारण यहां बड़े पैमाने पर निवेश आने की संभावना है। इससे न केवल नोएडा की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के हजारों नए अवसर भी पैदा होंगे। यह परियोजना आने वाले समय में उत्तर प्रदेश के सबसे बड़े औद्योगिक हब के रूप में उभरेगी।

नेपाल के रास्ते भारत में अवैध रूप से प्रवेश करने पर दो ब्रिटिश नागरिकों को जेल

हिंदमाता नेटवर्क @ बहराइच
बहराइच कोर्ट ने दो ब्रिटिश नागरिकों को नेपाल से अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने के आरोप में छह महीने की कैद की सज़ा सुनाई है। एक एजेंसी के मुताबिक मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रतिभा चौधरी ने सोमवार को दोनों दोषियों पर 50000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। यदि वे जुर्माना नहीं भर पाते हैं, तो उन्हें तीन महीने की अतिरिक्त कैद काटनी होगी। हालांकि, सज़ा सुनाए जाने के बाद अदालत ने उन्हें इस शर्त पर ज़मानत दे दी कि वे अपील की अवधि के दौरान देश छोड़कर नहीं जाएंगे। अभियोजन अधिकारी निर्मल यादव के अनुसार हसन अम्मान सलीम (35) और सुमित्रा शकील ओलिविया (61) को पिछले साल नवंबर में भारत-नेपाल सीमा पर रूपईडीहा से बिना वैध दस्तावेज़ों के भारत में प्रवेश करने के आरोप में गिरफ़्तार किया गया था। सलीम, जो मूल रूप से पाकिस्तान के गुजरांवाला का रहने वाला है। यूनाइटेड किंगडम के मैनचेस्टर में रहता है और डी मोंटफोर्ट यूनिवर्सिटी में ऑडियोलॉजी का लेक्चरर है। ओलिविया जो मूल रूप से कर्नाटक के उडुपी की रहने वाली है। बाद में उसने ब्रिटिश नागरिकता हासिल कर ली और अब UK के ग्लॉस्टर में रहती है। उसके पास ब्रिटिश पासपोर्ट के साथ-साथ 'ओवरसीज़ सिटिज़न ऑफ़ इंडिया' (OCI) कार्ड भी है।

शॉर्ट स्टोरी

बिहार में स्कूल से शराब पीकर आया चौथी का छात्र, बाथरूम में छुपा कर रखी गई थी विदेश वाइन की 200 बोतलें

हिंदमाता नेटवर्क @ बेगूसराय

बिहार में शराबबंदी के बीच बेगूसराय में चौथी कक्षा का एक छात्र स्कूल से शराब पीकर नशे में टुन्न होकर घर पहुंचा तो हंगामा खड़ा हो गया। बच्चे के गंभीर हालत को देखते हुए उसका तत्काल इलाज कराया गया तब जाकर उसकी हालत में सुधार हुआ। दरअसल, बिहार में शराबबंदी है, ऐसे में शराब तस्कर शराब तस्करी के लिए अलग-अलग हथकंडे अपनाते हैं। अब एक प्राथमिक विद्यालय के जर्जर बाथरूम में शराब की कार्टन छुपा कर रखी थी जिसके चलते इतना सब हो गया। पूरा मामला बछवारा थाना क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय सिसवा का है। बताया जाता है कि सिसवा गांव निवासी मोहम्मद परवेज आलम के लगभग 11 साल का बेटा कक्षा 4 का छात्र मोहम्मद शोएब सोमवार को स्कूल गया था। इसी दौरान वह जर्जर बाथरूम की तरफ गया। यहां शराब की बोतल दिखी तो उसने पी लिया। शराब पीने के बाद छात्र नशे में झूमने लगा और फिर घर पहुंचा तो उसकी मां उसकी हालत को देखकर घबरा गई। मां ने घर के लोगों को इसकी जानकारी दी। छात्र से पूछताछ के बाद पता चला कि स्कूल के बाथरूम में शराब रखी थी जिसे छात्र ने पी लिया था। इसके बाद परिजन स्कूल पहुंचे और प्रधानाध्यापक को इसकी सूचना दी। सभी बाथरूम में पहुंचे तो देखा कि वहां कार्टन में लगभग 200 बोतल शराब छुपाकर रखी हुई थी। इसके बाद इसकी सूचना बछवाड़ा थाना पुलिस को दी गई। स्कूल में शराब होने की सूचना मिलते ही बछवाड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच पड़ताल की। पुलिस ने छुपा कर रखी गई करीब 23 कार्टन विदेशी शराब को जप्त किया। छात्र की मां रिजवाना खातून और चाचा मोहम्मद खुर्शीद ने बताया कि शोएब लड़खराते हुए घर पहुंचा, जिसे देखकर मैं चौंक गई और उसका मुंह शराब जैसा महक रहा था। इसके बाद उसके दोस्तों से पूछा तो उन्होंने बताया कि शोएब ने विद्यालय के पीछे बंद पड़े शौचालय के पास रखी शराब को उठाकर पी लिया है। इसके बाद सभी ने विद्यालय पहुंच कर प्रधानाध्यापक को जानकारी दी और बंद पड़े शौचालय के पास गए तो देखा कि भारी मात्रा में शराब है।

पत्नी को मारकर दफना दिया बांसवाड़ी में, पति ने क्यों खेला खूनी खेल?

हिंदमाता नेटवर्क @ मधेपुरा

बिहार के मधेपुरा जिले से एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है, जहां एक पति ने हैवानियत की सारी हदें पार करते हुए अपनी ही पत्नी की हत्या कर दी और सबूत मिटाने के लिए शव को घर से दूर बांसवाड़ी में दफना दिया। रिश्तों के भरोसे को चकनाचूर कर देने वाली इस घटना ने पूरे इलाके को सन्न कर दिया है। रविवार की रात अंजाम दी गई इस वारदात का खुलासा तब हुआ जब खुद आरोपी पति ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। घटना मधेपुरा जिले के बेलारी थाना क्षेत्र अंतर्गत गंगारही वार्ड संख्या 4 की है। मृतका की पहचान त्रिफुल देवी के रूप में हुई है, जबकि आरोपी उसका पति सुरेश ऋषिदेव है। बताया जा रहा है कि सोमवार सुबह से ही महिला घर में नहीं दिखी। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसी बीच मामले ने उस समय सनसनीखेज मोड़ ले लिया जब अचानक आरोपी पति ने उसकी हत्या की बात बताई। सुरेश ऋषिदेव परिजनों को सब सच बताने के बाद सीधे थाने पहुंचा और आत्मसमर्पण कर दिया। उसकी इस स्वीकारोक्ति के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया और घटनास्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बांसवाड़ी से शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता रहता था, जो इस खौफनाक अंजाम तक पहुंच गया। फिलहाल मौके पर पहुंची पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।मामले को लेकर SDPO ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है। हत्या के पीछे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।इस निर्मम घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल है।

गंगा में बजड़े पर बीयर पीने वाला युवक गिरफ्तार

हिंदमाता नेटवर्क @ वाराणसी

वाराणसी जिले में बजड़े पर सवार होकर बीयर पीते एक युवक का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने तेजी दिखाते हुए कार्रवाई की। डीसीपी काशी गौरव बंसवाल और एसीपी भेलूपुर गौरव कुमार की निगरानी में पुलिस ने वायरल वीडियो में दिख रहे युवक की पहचान कर उसे मंगलवार की सुबह अस्सी घाट इलाके से गिरफ्तार कर लिया। पकड़ा गया युवक अर्जुन राजभर (25 वर्ष) निवासी नगवां नाव डेकोरेटर बताया जा रहा है, जो अपने साथियों के साथ अस्सी से मिर्जापुर की ओर गया था। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह शाम को निकला था और रात में अदलहाट पहुंच गया था। माता शीतला का बधाई लेकर जाने वाले नाविकों के नाव पर बियर पीने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद प्रशासन में हड़कंप मचा है। नाविक प्रेम साहनी की शिकायत पर भेलूपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज की जा रही है। शीतला घाट से अदलहाट स्थित शीतला माता मंदिर गंगा के रास्ते जाते समय नाव पर डीजे बजाने और बीयर पीने का वीडियो सोशल मीडिया पर सोमवार को वायरल हुआ। एसीपी दशाश्वमेध ने इसकी जांच बैठाई और मंगवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। एसीपी दशाश्वमेध डॉ। अतुल अंजान त्रिपाठी ने बताया कि मांझी समाज की ओर से हर साल शीतला घाट से मिर्जापुर के अदलहाट स्थित शीतला माता मंदिर में पूजा की जाती है। इसमें अन्य जिलों से भी नाविक आते हैं। वे डीजे के साथ नाव लेकर गंगा के रास्ते जाते हैं। रविवार की शाम 5 :30 बजे शीतला घाट से सभी नाविक अदलहाट के लिए रवाना हुए। सोमवार की देर शाम तक वे वाराणसी लौटते हैं। दो वायरल वीडियो दिन के हैं, जिनमें डीजे लगा है।

टेलीग्राम पर आतंक का नेटवर्क बना रहा था साकिब

दिल्ली जैसे ब्लास्ट कराने हैं,',चैट में होती थी बातचीत

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ
हाल में उत्तर प्रदेश के लखनऊ में पकड़े गए संदिग्ध आतंकी साकिब और उसके साथियों के डिजिटल उपकरणों की जांच में यूपी एटीएस को बड़ी कामयाबी मिली है। आरोपियों के मोबाइल से मिले ऑडियो मैसेज से खुलासा हुआ है कि पाकिस्तानी हैंडलर्स ने इस मॉड्यूल को लखनऊ के भीड़भाड़ वाले इलाकों, खासकर रेलवे स्टेशन पर शाम के वक्त ब्लास्ट करने का टास्क दिया था।

आतंक का नेटवर्क तैयार कर रहा था साकिब

इसके अलावा, यूपी एटीएस की जांच में एक और बड़ा खुलासा हुआ है कि संदिग्ध आतंकी साकिब अपने स्तर पर प्रदेश में आतंक का नेटवर्क तैयार कर रहा था। साकिब ने टेलीग्राम पर एक दर्जन से अधिक ग्रुप बनाए थे, जिनके जरिए युवाओं को जोड़ने और कट्टरपंथी विचारधारा फैलाने का काम किया जा रहा था।

'दिल्ली जैसे ब्लास्ट कराने हैं'

इन ग्रुपों में देश विरोधी भड़काऊ वीडियो, पोस्ट और आतंकी घटनाओं से जुड़े कंटेंट साझा किए जाते थे, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को प्रभावित किया जा सके। आरोपियों के मोबाइल फोन से पहलगाम आतंकी हमले और दिल्ली ब्लास्ट के कई वीडियो भी बरामद हुए हैं। साकिब इन वीडियो को अपने टेलीग्राम ग्रुपों में भेजकर लोगों को भड़काने और आतंकी मानसिकता मजबूत करने की कोशिश कर रहा था। जांच में यह भी सामने आया है कि ग्रुप में दिल्ली जैसे ब्लास्ट कराने को लेकर आपसी बातचीत भी हुई थी।

दुबई के जरिए पाकिस्तानी हैंडलर्स से संपर्क

जांच में सामने आया है कि इस नेटवर्क में सिर्फ यूपी ही नहीं, बल्कि आसपास के कई राज्यों के युवा भी शामिल हो रहे थे। मालूम हुआ कि दुबई में बैठे आकिब ने साकिब का संपर्क पाकिस्तानी हैंडलर्स से कराया था, जिसके बाद साकिब ने अपने स्तर पर टीम तैयार करनी शुरू कर दी थी।

हैवानियत की हद! 3 साल के बेटे को जिंदा जलाया

पत्नी को हथौड़ी से कूचा

हिंदमाता नेटवर्क @ रामपुर
उत्तर प्रदेश के रामपुर में 25 फरवरी को नैनीताल हाईवे पर हुई एक कार दुर्घटना का पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। इस घटना में महिला पुलिसकर्मी लता और उनके तीन वर्षीय बेटे आवांश की जलकर मौत हो गई थी। मृतका के पति दान सिंह ने इसे अज्ञात वाहन की टक्कर बताया था, लेकिन पुलिस जांच में सामने आया कि यह कोई हादसा नहीं बल्कि सोची-समझी साजिश थी। दान सिंह ने अपने साथियों नूर हसन और सलमान के साथ मिलकर बीमा क्लेम के लालच में इस दोहरे हत्याकांड को अंजाम दिया। पुलिस ने मुख्य आरोपी पति सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो अन्य साथियों की तलाश जारी है।

नशीली गोलियां खिलाकर लगाई आग

पुलिस अधीक्षक सुमेंद्र मीणा के अनुसार, आरोपी दान सिंह ने प्लानिंग के तहत अपनी पत्नी लता और बेटे को कार में बिठाया और उन्हें नशीली गोलियां खिला दीं। इसके बाद उसने कार पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। मासूम बच्चा कार से बाहर नहीं निकल पाया और अंदर ही दम तोड़ दिया। हालांकि, नशे की हालत में होने के बावजूद लता जैसे-तैसे गाड़ी से बाहर निकलने में कामयाब रही, लेकिन हैवान बने पति ने उन्हें छोड़ने के बजाय उन पर फिर से जानलेवा हमला कर दिया।

अस्पताल ले जाते वक्त हथौड़ी से वार

हैरानी की बात यह है कि जब लता को अस्पताल ले जाया जा रहा था, तब दान सिंह को लगा कि वह अभी भी जीवित है। उसने गाड़ी में मौजूद हथौड़ी से अपनी पत्नी के सिर पर जोरदार प्रहार किया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं और इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी का किसी अन्य महिला के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था, जो इस खौफनाक वारदात की एक और वजह हो सकती है।

क्लेम और पैसों का लालच

इस पूरी साजिश का मुख्य उद्देश्य आर्थिक लाभ कमाना था। दान सिंह अपनी पुलिसकर्मी पत्नी की मौत को सड़क हादसा दिखाकर बीमा क्लेम और अन्य सरकारी लाभ प्राप्त करना चाहता था। इस अपराध में उसके साथी रवि, प्रदीप, नूर हसन और सलमान भी शामिल थे।

रेनकोट पहन कर मंदिर में घुसे चोर

चांदी का छत्र और सोने के गहने किए पार

हिंदमाता नेटवर्क @ ग्रेटर नोएडा
ग्रेटर नोएडा के दादरी थाना क्षेत्र में एक बार फिर चोरों ने धार्मिक स्थल को निशाना बनाते हुए सनसनी फैला दी। बिसहड़ा रोड स्थित दुर्गा विशाल मंदिर में देर रात एक शातिर चोर रेनकोट पहनकर पहुंचा और बड़ी ही चालाकी से मंदिर में सेंध लगाकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। बताया जा रहा है कि चोर ने पहले मंदिर की रेकी की और फिर मौका देखकर अंदर घुस गया। रात के सन्नाटे का फायदा उठाते हुए उसने बिना किसी शोर-शराबे के माता रानी की मूर्ति से कीमती सामान चोरी कर लिया और फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, वह माता की मूर्ति पर लगा करीब तीन किलोग्राम से अधिक वजन का चांदी का छत्र और सोने की नथ लेकर फरार हो गया। यह छत्र और जेवरात मंदिर की आस्था और श्रद्धालुओं की भावनाओं से जुड़े थे, जिसकी चोरी से लोगों में खासा आक्रोश देखने को मिल रहा है।

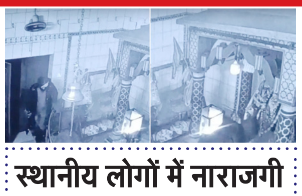

स्थानीय लोगों में नाराजगी

मंदिर में चोरी की इस घटना से स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी है। लोगों का कहना है कि धार्मिक स्थलों की सुरक्षा को लेकर प्रशासन को और सख्त कदम उठाने चाहिए। लोगों ने पुलिस से जल्द से जल्द चोर को पकड़ने और चोरी हुए सामान की बरामदगी की मांग की है। थाना प्रभारी दादरी का इस पूरे मामले में कहना है कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू कर दी है। मंदिर में लगे सीसीटीवी फुटेज को अपने कब्जे में लेकर चोर की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

रेनकोट पहनकर आया चोर

इस पूरी घटना की खास बात यह है कि चोर रेनकोट पहनकर मंदिर में दाखिल हुआ, जिससे उसकी पहचान छिपी रहे। हालांकि उसकी यह चालाकी ज्यादा काम नहीं आई, क्योंकि मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में उसकी हर हरकत कैद हो गई। फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि चोर आराम से मंदिर के अंदर जाता है, मूर्ति के पास पहुंचता है और वहां से चांदी का छत्र और सोने की नथ उतारकर अपने बैग में रख लेता है। इसके बाद वह मौके से फरार हो जाता है। घटना का खुलासा उस समय हुआ, जब सुबह मंदिर के पुजारी पूजा करने पहुंचे। जैसे ही उन्होंने मंदिर के अंदर का नजारा देखा, उनके होश उड़ गए। पुजारी ने देखा कि माता के श्रृंगार का सामान और चांदी का छत्र गायब था।

अविमुक्तेश्वरानंद के 'सनातन धर्म संवाद' कार्यक्रम पर एक्शन

आयोजक समेत 3 पर FIR

हिंदमाता नेटवर्क @ बस्ती
यूपी के बस्ती जिले में आयोजित स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का 'सनातन धर्म संवाद' कार्यक्रम विवादों में घिर गया है। पुलिस ने कार्यक्रम के मुख्य आयोजक व राष्ट्रीय ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रशांत पांडेय और उनके दो अन्य साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। ये कार्रवाई कार्यक्रम के पांच दिन बीत जाने के बाद हुई है। कोतवाली पुलिस के मुताबिक, यह एक्शन कार्यक्रम में दिए गए भाषणों से सामाजिक सौहार्द बिगड़ने और ध्वनि विस्तारक यंत्रों के अनियंत्रित प्रयोग को लेकर लिया गया है। गौर करने वाली बात यह कि प्रशांत पांडेय को कोविड महामारी गाइडलाइन का पालन न करने का भी आरोपी बनाया गया है। इसको लेकर जिला प्रशासन की सोशल मीडिया पर लोग जमकर ट्रोलिंग कर रहे हैं। दरअसल, बीते 29 मार्च को जिले के राजकीय इंटर कॉलेज के मैदान में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के सानिध्य में 'सनातन धर्म संवाद' का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम की कमान प्रशांत पांडेय संभाल रहे थे। आरोप है कि कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं द्वारा दिए गए कुछ भाषणों की भाषा मर्यादित नहीं थी, जिससे समाज के विभिन्न वर्गों के बीच वैमनस्यता फैलने की आशंका जताई गई। लेकिन सबसे ज्यादा हैरानी की बात यह है कि कार्यक्रम के आयोजकों को कोरोना महामारी के गाइडलाइन का पालन न करने का भी आरोपी बनाया गया है। इसको लेकर आरोपी प्रशांत पाण्डेय ने तंज कसते हुए हुए कहा कि देश के कई राज्यों में चुनाव हो रहे हैं और प्रचार-प्रसार भी चल रहा है। पीएम से लेकर सीएम और मंत्री तक बड़ी-बड़ी रैली संबोधित कर रहे हैं मगर वहां कोविड गाइडलाइन का कोई पालन नहीं हो रहा। उन्होंने कहा कि ये FIR सिर्फ और सिर्फ द्वेषपूर्ण तरीके से की गई है। फिर भी हम सभी इसका सामना करेंगे। बता दें कि मामले ने तब तूल पकड़ा जब उत्तर प्रदेश गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश शुक्ला ने कार्यक्रम के दो दिन बाद एक प्रेस वार्ता के दौरान इस कार्यक्रम और इसके आयोजकों पर सवाल उठाए।

हिंदमाता एंकर: आरोप है कि नगर निगम ने पहले कुछ हिस्सों पर लाल निशान लगाए थे, लेकिन अब बुलडोजर उससे आगे तक तोड़फोड़ कर रहा है

100 दुकानें ध्वस्त, ड्रोन से निगरानी, बरेली के कोहड़ापीर में गरज रहा बुलडोजर, दुकानदार परेशान

हिंदमाता नेटवर्क @ बरेली
वाराणसी की दाल मंडी के बाद अब बरेली में भी बुलडोजर की कार्रवाई तेज हो गई है। शहर के प्रेम नगर थाना क्षेत्र के कोहड़ापीर इलाके में 'CM ग्रेड योजना' के तहत सड़क चौड़ीकरण के तहत बड़े स्तर पर तोड़फोड़ शुरू कर दी गई है। इस कार्रवाई में करीब 100 के आसपास दुकानें जद में आ गई हैं, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया है। बताया जा रहा कि यह पूरा अभियान 'मुख्यमंत्री ग्रेड योजना' के तहत चलाया जा रहा, जिसमें सड़क को चौड़ा और व्यवस्थित किया जाना है। इसी योजना के तहत कोहड़ापीर इलाके में पुराने निर्माण हटाए जा रहे हैं। मंगलवार सुबह से ही तीन-तीन बुलडोजर मौके पर लगाए गए और लगातार दुकानों को गिराया जा रहा।

दुकानदारों का आरोप- निशान से आगे तोड़फोड़

स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि उनकी दुकानें कई साल पुरानी हैं और इन्हीं से उनका परिवार चलता है। उनका आरोप है कि नगर निगम ने पहले कुछ हिस्सों पर लाल निशान लगाए थे, लेकिन अब बुलडोजर उससे आगे तक तोड़फोड़ कर रहा है। दुकानदारों का कहना है कि अगर दुकानें पूरी तरह से हटा दी गईं तो उनका रोजगार खत्म हो जाएगा। कई लोग मौके पर अपनी दुकान बचाने की कोशिश करते नजर आए, लेकिन प्रशासन की सख्ती के आगे उनकी एक नहीं चली।

दुकानदारों से बातचीत

एक दुकानदार ने बताया कि उसकी कपड़े की दुकान थी। दुकान के अंदर ही सारा सामान दब गया है। जो निशान लगाया गया था, उससे आगे तक का बुलडोजर ने गिरा दिया। उनकी 100 साल पुरानी दुकान थी। अब वह क्या करें, किसी से क्या कहें, उनकी कोई सुनवाई नहीं होगी। इसी तरह अन्य दुकानदारों ने भी अपना दुख बयां किया। सभासद का कहना है कि बुलडोजर एक्शन की कार्रवाई ठीक है। इन लोगों को पहले से ही नगर निगम ने नोटिस दिया था।

मस्जिद का हिस्सा भी आया जद में

इस कार्रवाई के दौरान एक मस्जिद के आगे का हिस्सा भी सड़क चौड़ीकरण की जद में आ गया। उस हिस्से पर भी बुलडोजर चलाया गया, जिसके बाद इलाके में माहौल और ज्यादा संवेदनशील हो गया। हालांकि प्रशासन का कहना है कि जो भी निर्माण सड़क की सीमा में आ रहा है, उसे हटाया जा रहा है, चाहे वह कोई भी हो।

मौके पर भारी पुलिस बल तैनात

स्थिति को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। किसी भी तरह के विरोध या हंगामे से निपटने के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क है। इसके साथ ही नगर निगम की टीम और परिवर्तन दल भी मौके पर मौजूद है और पूरे अभियान की निगरानी कर रहा है। इलाके में लोगों की भीड़ जुटी हुई है। कई जगहों पर गुस्सा भी देखने को मिल रहा है। लोग अपने नुकसान को लेकर काफी परेशान हैं। प्रशासन से राहत की मांग कर रहे हैं, लेकिन कुछ लोगों ने इस बुलडोजर की कार्रवाई को सही भी बताया है।

क्या है पूरा मामला?

बता दें कि सड़क चौड़ीकरण के लिए नगर निगम ने पहले ही नोटिस देकर दुकानों को हटाने के लिए कहा था। इसके बाद अब बुलडोजर चलाकर अतिक्रमण हटाया जा रहा, लेकिन दुकानदारों का कहना है कि कार्रवाई तय सीमा से ज्यादा की जा रही है, जिससे उनका भारी नुकसान हो रहा है। फिलहाल इलाके में तनाव का माहौल है, लेकिन प्रशासन पूरी कार्रवाई को कानून के दायरे में बताते हुए आगे बढ़ रहा है।

पाकिस्तान ने 2800 से अधिक भारतीयों को जारी किया वीजा

तीर्थयात्री बैसाखी के सालाना त्योहार में लेंगे हिस्सा

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

पाकिस्तान हाई कमीशन ने बैसाखी के अवसर पर भारत से आने वाले तीर्थयात्रियों को 2800 से अधिक वीजा जारी किए हैं। ये तीर्थयात्री 10 से 19 अप्रैल 2026 तक पाकिस्तान में आयोजित होने वाले वार्षिक बैसाखी उत्सव में हिस्सा लेंगे। तीर्थयात्री इस दौरान गुरुद्वारा पंजा साहिब, गुरुद्वारा ननकाना साहिब और गुरुद्वारा करतारपुर साहिब जैसे प्रमुख सिख धार्मिक स्थलों के दर्शन भी करेंगे। पाकिस्तान हाई कमीशन, नई दिल्ली ने मंगलवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की। हाई कमीशन के अनुसार, 2800 से ज्यादा भारतीय श्रद्धालुओं को वीजा जारी किए गए हैं, जो 1974 के भारत-पाकिस्तान प्रोटोकॉल ऑन विजिट्स टू रिलीजियस श्राइन्स के तहत दिए गए हैं। यह प्रोटोकॉल दोनों देशों के बीच धार्मिक स्थलों की यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए लंबे समय से लागू है।

गुरुद्वारा पंजा साहिब है मुख्य केंद्र

तीर्थयात्रियों का समूह पंजाब और अन्य राज्यों से बैसाखी के मौके पर खालसा पंथ की स्थापना और फसल कटाई के त्योहार को मनाने पाकिस्तान पहुंचेगा। बैसाखी सिख समुदाय का एक महत्वपूर्ण त्योहार है, जो वसंत ऋतु की फसल और गुरु गोबिंद सिंह द्वारा 1699 में खालसा पंथ की स्थापना की याद में मनाया जाता है। पाकिस्तान में स्थित गुरुद्वारा पंजा साहिब बैसाखी उत्सव का प्रमुख केंद्र होता है जहां श्रद्धालु कीर्तन, अरदास और लंगर में भाग लेते हैं।

लोगों ने किया स्वागत

सिख समुदाय के नेताओं ने इस कदम का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि ऐसे मौके श्रद्धालुओं को अपने पूर्वजों की धरती और गुरुओं से जुड़े स्थलों का दर्शन करने का अवसर प्रदान करते हैं। भारतीय श्रद्धालु अटारी-वाघा बॉर्डर से पाकिस्तान प्रवेश करेंगे और निर्धारित तिथियों में वापस लौटेंगे।

बैसाखी में आयोजित होते हैं बड़े कार्यक्रम

गुरुद्वारा ननकाना साहिब गुरु नानक देव जी का जन्मस्थान है, जबकि गुरुद्वारा करतारपुर साहिब गुरु नानक देव जी के अंतिम दिनों से जुड़ा पवित्र स्थल है। इन स्थलों पर बैसाखी के दौरान विशेष प्रार्थनाएं और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। यह वीजा जारी करना दोनों देशों के बीच धार्मिक सद्भाव और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने की दिशा में एक सकारात्मक कदम माना जा रहा है। पिछले वर्षों में भी बैसाखी, गुरु नानक जयंती और अन्य अवसरों पर हजारों सिख तीर्थयात्रियों को वीजा दिए गए हैं।

वेनेजुएला में सोने से भी महंगे हुए दूध-ब्रेड और अंडों के दाम

यहां इतना सस्ता मिल जाता है गोल्ड

हिंदमाता नेटवर्क @ वेनेजुएला

भारत में सोने-चांदी के रेट दिन पर दिन बढ़ते जा रहे हैं। आम आदमी के लिए आज सोना खरीदना आसान नहीं रहा है। लेकिन सोचिए, अगर सोना दूध-ब्रेड जैसी रोजमर्रा की चीजों से भी सस्ता बिके तो क्या होगा? दक्षिण अमेरिका के वेनेजुएला में यही हाल है, वहां सोने की कीमत इतनी कम है कि यह आम रोजमर्रा की वस्तुओं से भी सस्ता हो गया है। यह बात सुनकर हर कोई हैरान रह जाएगा। वेनेजुएला में 24 कैरेट सोने की कीमत 2026 की शुरुआत में बेहद कम हो गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वहां 24 कैरेट सोने की कीमत भारतीय रुपये में लगभग 181 से 200 रुपये प्रति ग्राम के आसपास है। इसका मतलब है कि आप 10 ग्राम सोना 2000 रुपये से भी कम में खरीद सकते हैं। इस कीमत की तुलना में भारत में 24 कैरेट सोना लगभग 13,800 रुपये प्रति ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इस अंतर से वेनेजुएला की बिखरती आर्थिक स्थिति और मुद्रा की गिरावट का पता चलता है।

रोजमर्रा की चीजें सोने से भी महंगी

हालांकि सोना सस्ता है, आम लोगों के लिए रोजमर्रा की चीजें खरीदना बेहद मुश्किल है। रिपोर्ट के मुताबिक, वेनेजुएला में 1 लीटर दूध की कीमत लगभग 175 रुपये है। ब्रेड का एक पैकेट लगभग 170 रुपये में बिक रहा है। एक दर्जन अंडे के लिए लगभग 233 रुपये खर्च करने पड़ते हैं। इससे यह पता चलता है कि सोने की कीमत इतनी कम होने के बावजूद, आम नागरिकों की जिंदगी आसान नहीं हुई है।

वेनेजुएला में सोना सस्ता क्यों है?

वेनेजुएला में सोने का इतना सस्ता होना अमीरी का संकेत नहीं है। इसका कारण है देश की मुद्रा बोलिवर का ऐतिहासिक स्तर तक गिर जाना। भयंकर महंगाई और आर्थिक बदहाली के चलते वहां की करेंसी लगभग बेकार हो चुकी है। वेनजुएला दुनिया के सबसे बड़े कच्चे तेल भंडारों में से एक है और यहां ओरिनोको माइनिंग आर्क इलाके में 8,000 टन सोने होने का अनुमान है, लेकिन करप्शन और खराब मैनेजमेंट ने इस समृद्ध देश को कंगाली की कगार पर ला खड़ा किया है।

बांग्लादेश: पूर्व स्पीकर शिरीन शर्मिन चौधरी ढाका में गिरफ्तार

हिंदमाता नेटवर्क @ ढाका

बांग्लादेशी पुलिस ने मंगलवार को अवामी लीग की वरिष्ठ नेता और पूर्व पार्लियामेंट स्पीकर शिरीन शर्मिन चौधरी को गिरफ्तार किया। स्थानीय मीडिया ने इसका खुलासा किया गया। शिरीन देश की पहली महिला स्पीकर रह चुकी हैं। ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (मीडिया) के डिप्टी कमिश्नर एनएम नसीरुद्दीन ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि पूर्व स्पीकर को मंगलवार सुबह ढाका के धानमंडी स्थित उनके निवास से हिरासत में लिया गया। बांग्लादेशी डेली ढाका ट्रिब्यून ने पुलिस अधिकारी के हवाले से कहा, "हमारी जानकारी के अनुसार, जुलाई में हुए आंदोलन के दौरान हुई घटनाओं को लेकर उनके खिलाफ राजधानी के बनानी और उत्तरा पुलिस स्टेशनों में केस दर्ज कराया गया। उनके खिलाफ रंगपुर में भी एक केस है।" सूत्रों के हवाले से, ढाका ट्रिब्यून ने बताया कि जुलाई 2024 के विरोध प्रदर्शनों के दौरान रंगपुर में गोल्ड वर्कर मुस्लिम उद्दीन के कत्ल का केस चौधरी पर लगाया गया है। 27 अगस्त, 2024 को दर्ज कराए गए मर्डर केस में चौधरी और पूर्व वाणिज्य मंत्री टीपू मुंशी समेत 16 लोगों के नाम शामिल हैं।

इसी केस में मुंशी कस्टडी में हैं

रंगपुर-6 चुनाव क्षेत्र से 30 अप्रैल, 2013 को सांसद चुनी गई थीं। इसके बाद वो देश की पहली महिला स्पीकर बनीं। उन्होंने लगातार चार कार्यकाल पूरे किए, जिसमें आखिरी 30 जनवरी, 2024 को 12वीं नेशनल पार्लियामेंट के स्पीकर के तौर पर था। रिपोर्ट्स बताती हैं कि चौधरी ने शेख हसीना की अगुआई वाली अवामी लीग सरकार के गिरने के 27 दिन बाद 2 सितंबर, 2024 को पद छोड़ दिया था। यह नई घटना अवामी लीग के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई के उस पैटर्न को दिखाती है जो पिछली मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के अठारह महीने के कार्यकाल से जारी है। पिछले महीने, अवामी लीग ने देश भर में राजनीतिक नेताओं और कार्यकर्ताओं की लगातार हो रही सामूहिक गिरफ्तारी और हिरासत में हत्याओं पर गहरी चिंता जताई थी, और कहा था कि ये काम बुनियादी अधिकारों का उल्लंघन करते हैं और न्याय और कानून के शासन को कमजोर करते हैं। पार्टी ने आरोप लगाया कि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की सरकार ने यूनुस की अगुवाई वाली पिछली अंतरिम सरकार की राह पर चलते हुए, असहमति को दबाने और राजनीतिक बदला लेने के मकसद से सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर "दमन और यंत्रणा का" कुचक्र रचा। अवामी लीग ने कहा, "राजनीतिक नेताओं और कार्यकर्ताओं की बड़े पैमाने पर गिरफ्तारी, साथ ही हिरासत में मौतें, लगातार हो रही हैं। बार-बार गिरफ्तारी, बिना सोचे-समझे रिमांड ऑर्डर और हिरासत में मौत की खबरों से पूरे देश में दर्द और रोष फैल रहा है।"

रेलवे सिस्टम पर हमला इंसानियत की साझी विरासत के खिलाफ, रोके यूएन

ईरान ने यूनेस्को को लिखा खत

हिंदमाता नेटवर्क @ तेहरान

ईरान की ओर से यूनेस्को को खत लिखा गया है। जिसमें ईरान के रेल सिस्टम को उड़ाने की इजरायली धमकी की आलोचना करने को कहा गया है। सांस्कृतिक विरासत मंत्री ने यूनेस्को महानिदेशक को ये आधिकारिक चिट्ठी लिखी है। दरअसल, ईरान के 1,394 किलोमीटर लंबे ट्रांस-ईरानी रेलवे को यूनेस्को ने 2021 में विश्व धरोहर के तौर पर मान्यता दी गई है। ईरान की आईएसएनए न्यूज एजेंसी ने इसकी जानकारी दी है। एजेंसी ने बताया कि ईरान के सांस्कृतिक विरासत मंत्री रेजा सलीही अमीरी ने यूनेस्को के महानिदेशक को एक आधिकारिक चिट्ठी भेजी है, जिसमें यूएन एजेंसी से देश के रेलवे सिस्टम पर हमले की इजरायल की धमकी की निंदा करने और इस पर रोक लगाने की अपील की है। यूनेस्को की वेबसाइट के मुताबिक, 1,394 किलोमीटर लंबे ट्रांस-ईरानी रेलवे को, जो उत्तर-पूर्व में कैस्पियन सागर को दक्षिण-पश्चिम में फारस की खाड़ी से जोड़ता है, यूनेस्को ने 2021 में "इसके बड़े आकार और खड़ी चढ़ाई वाले रास्तों और दूसरी मुश्किलों को पार कर इंजीनियरिंग के मिसाल" सिस्टम को वर्ल्ड हेरिटेज साइट के तौर पर मान्यता दी

थी। आईएसएनए ने बताया कि मंत्री ने इस खतरे को इंसानियत की साझी विरासत पर हमला बताया और यूएन एजेंसी से इजरायली सैन्य कार्रवाई को रोकने के लिए तुरंत एक साफ रुख अपनाने को कहा। वहीं, मंगलवार को आईडीएफ ने नया वीडियो जारी कर दावा किया कि उसने ईरान के एयर डिफेंस सिस्टम पर हवाई हमले किए हैं। सेना के अनुसार, अब तक ईरान के 130 से ज्यादा एयर डिफेंस सिस्टम को तबाह कर दिया गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया कि ईरान को "एक ही रात में खत्म किया जा सकता है।" उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ईरान तय समय से पहले अमेरिका से समझौता नहीं करता, तो कार्रवाई कभी भी हो सकती है और यह मंगलवार रात भी हो सकती है। सके लिए उन्होंने मंगलवार रात 8 बजे (वाशिंगटन समय और भारत में बुधवार सुबह 5:30 बजे) तक की डेडलाइन तय़ की है।

ईरानी मंत्री की अपील- 'पावर प्लांट्स के पास मानव श्रृंखला बनाएं लोग'

हिंदमाता नेटवर्क @ तेहरान

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का ईरानी परमाणु संयंत्रों और पुलों को उड़ाने की मियाद मंगलवार शाम (स्थानीय समयानुसार) खत्म हो रही है। वहीं ईरान ने भी होर्मुज को लेकर समझौता करने से फिलहाल इनकार कर दिया है। इस बीच ईरान के एक मंत्री की अपील सुर्खियों में है। उन्होंने ह्यूमन चेन बनाने की गुजारिश लोगों से की है। ईरानी मंत्री ने "सभी युवाओं, एथलीटों, कलाकारों, छात्रों, यूनिवर्सिटी के छात्रों और उनके प्रोफेसरों" से पावर प्लांट के चारों ओर मानव श्रृंखला बनाने की अपील की है। देश के सरकारी टेलीविजन पर सुप्रीम काउंसिल ऑफ यूथ एंड एडोलसेंट्स के सचिव (युवा और खेल मामलों के उपमंत्री) अलीरेजा रहीमी ने एक न्यूजकास्ट में वीडियो कॉल में ह्यूमन चेन की अपील करते हुए कहा, "पावर प्लांट जो हमारी राष्ट्रीय संपत्ति और पूंजी हैं, चाहे किसी भी पसंद या राजनीतिक नजरिए से देखें, वे ईरान और ईरानी युवाओं के भविष्य के हैं।" रहीमी ने सोशल मीडिया पोस्ट में भी लिखा, "हम सब हाथों में हाथ डालकर यह कहेंगे कि सार्वजनिक ढांचे पर हमला करना युद्ध अपराध है।"

ईरान ने अपने नागरिकों, खासकर युवाओं, कलाकारों और खिलाड़ियों से अपील की है कि वे दोपहर 2 बजे (स्थानीय समयानुसार) 7 अप्रैल को देशभर के पावर प्लांट्स के पास मानव श्रृंखला बनाएं।

वैसे ये पहली बार नहीं है कि ईरानियों को मानव श्रृंखला बनाने के लिए कहा गया है। ईरान ने पहले भी पश्चिम के साथ बढ़ते तनाव के समय अपनी न्यूक्लियर साइट्स के चारों ओर ह्यूमन

चेन बनाई हैं। 2005-2006 में ऐसा हुआ था। सितंबर 2005 में इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी (आईईएई) के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स ने नियमों का हवाला दे सख्त कदम की बात कही थी। आरोप था कि ईरान ने यूरेनियम एनरिचमेंट का काम फिर से शुरू कर दिया। इस दौरान, छात्र और समर्थक अक्सर "ह्यूमन शील्ड" बनाने के लिए इस्फाहान यूरेनियम कन्वर्जन प्लांट जैसी जगहों पर इकट्ठा होते थे। अगस्त 2006 में, ईरान ने एक "हैवी वॉटर प्लांट" का उद्घाटन किया और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के बढ़ते दबाव का सामना किया, जिसने एनरिचमेंट रोकने की मांग की। तब भी सरकार के समर्थन में ह्यूमन चेन समेत पब्लिक प्रदर्शन किए गए थे।

बांग्लादेश में खसरे का प्रकोप बढ़ा, 118 की मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ ढाका

बांग्लादेश में खसरे का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। मंगलवार को देश के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक (डीजीएचएस) ने बताया कि संदिग्ध मामलों और जटिलताओं के कारण 118 लोगों की मौत हो गई है, जिनमें अधिकतर बच्चे हैं। डीजीएचएस के मुताबिक, मृतकों की ये संख्या 15 मार्च से सोमवार सुबह तक रिकॉर्ड की गई। रविवार-सोमवार के बीच महज 24 घंटों में पांच लोगों की मौत हो गई थी। हेल्थ एजेंसी ने बताया कि खसरे के संदिग्ध मरीजों की संख्या 2006 है और इनमें से अधिकतर बच्चे हैं जिनका देश के अलग-अलग अस्पतालों में इलाज चल रहा है। रिपोर्ट्स से पता चलता है कि राजशाही मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल (आरएमसीएच) में संक्रामक बीमारी के लक्षणों से जूझ रहे दो और बच्चों की मौत हो गई, जिससे इस अस्पताल में मृतकों की कुल संख्या 42 हो गई है। अस्पताल के प्रवक्ता शंकर कुमार बिस्वास के हवाले से बांग्लादेशी डेली ढाका ट्रिब्यून ने बताया कि दोनों बच्चों की मौत 24 घंटे (रविवार-सोमवार) के बीच हुई। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी कि सिस्टम में सुधार के बिना, खसरे को नियंत्रित करने के लिए उठाए गए इमरजेंसी उपायों से कोई खास फायदा होने की संभावना नहीं है। विशेषज्ञों और डीजीएचएस में डिजीज कंट्रोल की पूर्व निदेशक बेनजीर अहमद ने कहा कि मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने वैक्सीनेशन के लिए फंड देने वाले सेक्टोरल प्रोग्राम को अचानक रद्द कर दिया था। इसी वजह से मीजल्स वैक्सीन का संकट पैदा हो गया, जिससे कई बच्चों की मौत हो गई।

बांग्लादेश के जाने-माने अखबार डेली स्टार ने अहमद

के हवाले से कहा, "जब हमें वर्ल्ड हेल्थ डे पर कुछ पॉजिटिव मनाना चाहिए, तो हमें एक आउटब्रेक से लड़ना पड़ रहा है, जो वाकई बहुत कष्टकारी है। हमें 2026 तक मीजल्स-रूबेला को खत्म करना है, लेकिन हम अस्पतालों में मीजल्स के बढ़ते मरीजों की संख्या से जूझ रहे हैं।" इसके अलावा, 2024 के आखिर में प्लान किया गया इम्यूनाइजेशन का स्पेशल कैंपेन सियासी बदलाव के बीच नहीं चलाया जा सका। हेल्थ अधिकारियों के मुताबिक, अंतरिम सरकार ने ऐसा कोई ड्राइव शुरू नहीं किया, जबकि शॉट लगाने वाले वर्कर 2025 में तीन बार हड़ताल पर चले गए, जिससे नियमित टीकाकरण कार्यक्रम में रुकावट आई। डेली स्टार से नाम न बताने की शर्त पर एक और अधिकारी ने कहा कि फंड की कमी के कारण जनवरी से एक्सपैंडेड प्रोग्राम ऑन इम्यूनाइजेशन (ईपीआई) को कुछ इलाकों में वैक्सीन की राशनिंग करनी पड़ी।

हिंदमाता एंकर 9 से 11 साल के बच्चों का कोलेस्ट्रॉल चेक करने की सलाह दी गई है, खासकर अगर परिवार में दिल की बीमारी का इतिहास हो

भारतीयों को हार्ट अटैक का खतरा ज्यादा! कम उम्र में ही कंट्रोल करें कोलेस्ट्रॉल

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

आजकल दिल की बीमारियां सिर्फ उम्रदराज लोगों तक सीमित नहीं रह गई हैं, बल्कि कम उम्र के लोग भी इसकी चपेट में आ रहे हैं। भागदौड़ भरी जिंदगी, खराब खान-पान और बढ़ता स्ट्रेस दिल पर धीरे-धीरे असर डालते हैं, जो अक्सर देरी से लोगों को फील होता है। इसी बदलती हकीकत को देखते हुए अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी (ACC) और अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन (AHA) की नई गाइडलाइंस ने कोलेस्ट्रॉल मैनेजमेंट को लेकर बड़ा बदलाव किया है। नई गाइडलाइंस एक साफ मैसेज देती हैं कि अगर दिल को लंबे समय तक स्वस्थ रखना है, तो कोलेस्ट्रॉल का ध्यान अभी से रखना होगा, बाद में नहीं। दिल की बीमारी से बचने के लिए समय रहते यानी कम उम्र से ही कदम उठाए जाएं। पहले जहां इलाज तब शुरू होता था जब समस्या बढ़ जाती थी, अब डॉक्टर शुरुआत में ही जोखिम पहचानकर रोकथाम पर ध्यान देंगे।

कोलेस्ट्रॉल का रखें ध्यान

कोलेस्ट्रॉल, खासकर LDL (खराब कोलेस्ट्रॉल), धीरे-धीरे हमारी नसों में जमा होकर उन्हें संकरा कर देता है। इसे एथेरोस्क्लेरोसिस कहा जाता है, जो आगे चलकर हार्ट अटैक और स्ट्रोक का कारण बन सकता है। नई गाइडलाइंस के मुताबिक, अब सिर्फ कुछ सालों का जोखिम नहीं बल्कि पूरी जिंदगी का खतरा देखा जाएगा, जिससे समय रहते सही फैसला लिया जा सके।

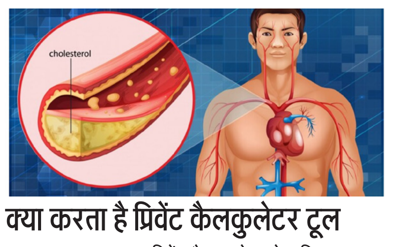

क्या करता है प्रिवेंट कैलकुलेटर टूल

इस बार एक नया टूल प्रिवेंट कैलकुलेटर पेश किया गया है, जो आपकी उम्र, ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और स्मोकिंग जैसी आदतों के आधार पर आने वाले 10 और 30 साल में दिल की बीमारी का खतरा बताता है। यह पहले के मुकाबले ज्यादा सटीक माना जाता है, इसके जरिए लोगों को लो, बॉर्डरलाइन, इंटरमीडिएट और हाई रिस्क कैटेगरी में रखा जाता है। अगर रिपोर्ट से पूरी तस्वीर साफ नहीं होती, तो डॉक्टर CAC स्कैन या Lp(a), apoB जैसे टेस्ट भी करवा सकते हैं। इससे छिपे हुए खतरे का समय रहते पता लगाकर सही इलाज और बचाव शुरू किया जा सकता है।

खराब कोलेस्ट्रॉल के लिए दवाइयां

इलाज की शुरुआत आमतौर पर स्टैटिन दवाओं से की जाती है, जो LDL यानी खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में काफी असरदार होती हैं। अगर इससे असर नहीं होता, तो डॉक्टर इजेटिमाइब, पीसीएसके9 इनहिबिटर्स, बेम्पेडोइक एसिड या इन्क्लिसिरान जैसी दवाएं भी दे सकते हैं, ताकि कोलेस्ट्रॉल को बेहतर तरीके से कंट्रोल किया जा सके।

बच्चों और युवाओं पर खास फोकस

इस गाइडलाइन की खास बात यह है कि अब बच्चों और युवाओं पर भी ध्यान दिया गया है। 9 से 11 साल के बच्चों का कोलेस्ट्रॉल चेक करने की सलाह दी गई है, खासकर अगर परिवार में दिल की बीमारी का इतिहास हो। इससे भविष्य में होने वाली दिल की बीमारियों को पहले ही रोका जा सकता है।

खराब कोलेस्ट्रॉल कम करने के लिए खाएं ये चीजें

हालांकि, दवाओं से ज्यादा अहम लाइफस्टाइल है। हेल्दी डाइट (हरी सब्जियां, फल, साबुत अनाज), नियमित एक्सरसाइज (हफ्ते में कम से कम 150 मिनट), वजन कंट्रोल, स्मोकिंग से दूरी और अच्छी नींद,ये सभी आदतें LDL को 10 से 30 प्रतिशत तक कम कर सकती हैं। दवाइयों, सही डाइट और लाइफस्टाइल के साथ कुछ लोगों को खास सावधानी रखने की जरूरत होती है। जैसे जिन लोगों को डायबिटीज या किडनी की बीमारी है, या जो साउथ एशियन (भारतीय) मूल के हैं। इनमें दिल की बीमारी का खतरा ज्यादा होता है। इसलिए ऐसे लोगों को नियमित जांच करवानी चाहिए और समय-समय पर डॉक्टर की सलाह लेते रहना जरूरी है, ताकि खतरे को पहले ही रोका जा सके।

बिजनेस वर्ल्ड

8 अप्रैल से एयर इंडिया का सफर होगा महंगा! फ्यूल सरचार्ज बढ़ा

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

टाटा समूह के नेतृत्व वाली एयरलाइन एयर इंडिया ने पैसेंजर्स को झटका दे दिया है। अगर आप भी एयर इंडिया से हवाई सफर करने वाले हैं तो अब आपका किराया बढ़ सकता है। दरअसल, कंपनी ने 8 अप्रैल से अपने फ्यूल सरचार्ज ढांचे में बदलाव करने का ऐलान किया है, जिससे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों रूट्स पर टिकट महंगे होंगे। खबर के मुताबिक, 7 अप्रैल को जारी बयान में एयर इंडिया ने बताया कि वैश्विक स्तर पर जेट फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में तेज बढ़ोतरी के चलते यह फैसला लिया गया है। एयर इंडिया ने घरेलू उड़ानों के लिए फ्लैट रेट हटाकर अब दूरी के आधार पर नया सरचार्ज सिस्टम लागू किया है। सरकार द्वारा ATF की कीमतों में अधिकतम 25% बढ़ोतरी की सीमा तय करने के बाद यह बदलाव किया गया है। नई दरें (डोमेस्टिक फ्लाइट्स के लिए)- 0 से 500 किमी: 299, 501 से 1,000 किमी: 399, 1,001 से 1,500 किमी: 549, 1,501 से 2,000 किमी: 749, 2,000 किमी से अधिक: 899। एयर इंडिया ने संकेत दिया है कि अंतरराष्ट्रीय रूट्स पर भी फ्यूल सरचार्ज में संशोधन किया गया है, जिससे वहां भी टिकट की कीमतों पर असर पड़ सकता है। कुल मिलाकर, 8 अप्रैल से एयर इंडिया का हवाई सफर यात्रियों के लिए महंगा साबित हो सकता है, क्योंकि बढ़ते ईंधन खर्च का सीधा असर किराए पर डाला जा रहा है। 27 मार्च 2026 को समाप्त सप्ताह के लिए जेट फ्यूल की औसत वैश्विक कीमत बढ़कर 195.19 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई, जो फरवरी के अंत में 99.40 डॉलर प्रति बैरल थी। यानी करीब 100% की जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई है। एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ), जो कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) को रिफाइन करके बनाया जाता है, उसकी कीमत में दो प्रमुख कारणों से तेजी आई है। एक तो कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी और दूसरा, रिफाइनरी मार्जिन (जिसे 'क्रैक स्प्रेड' कहा जाता है) में उछाल।

एयर इंडिया के सीईओ कैम्पबेल विल्सन ने दिया इस्तीफा, जुलाई 2027 तक था कार्यकाल

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

टाटा समूह की अगुवाई वाली एयर इंडिया के सीईओ कैम्पबेल विल्सन ने इस्तीफा दे दिया है। खबर के मुताबिक, यह इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब एयर इंडिया लगातार वित्तीय नुकसान झेल रही है और पिछले साल जून में हुए घातक विमान हादसे के बाद सुरक्षा संबंधी कड़ी नियामकीय जांच का सामना कर रही है। उस हादसे में कुल 260 लोगों की मौत हो गई थी, जिसमें विमान में सवार 241 यात्री और क्रू सदस्य तथा जमीन पर 19 अन्य लोग शामिल थे। लाइवमिंट की खबर के मुताबिक, विल्सन के इस्तीफे के बाद बोर्ड नए सीईओ की तलाश तेज करेगा, जो एयरलाइन के पुनरुद्धार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यह इस्तीफा एयर इंडिया के लिए एक महत्वपूर्ण नेतृत्व परिवर्तन का संकेत देता है न्यूजीलैंड में जन्मे कैम्पबेल विल्सन को साल 2022 में सिंगापुर एयरलाइंस से एयर इंडिया लाया गया था। तब टाटा ग्रुप ने सरकारी स्वामित्व वाली इस एयरलाइन को वापस लेने के बाद उसके पुनर्गठन (टर्नअराउंड) की जिम्मेदारी उन्हें सौंपी थी। उनका कार्यकाल जुलाई 2027 तक था, लेकिन उन्होंने इससे पहले ही इस्तीफा देने का फैसला कर लिया। खबर के मुताबिक, बताया जा रहा है कि एयर इंडिया का बोर्ड नए सीईओ की तलाश शुरू कर चुका था। सूत्र के अनुसार, कैम्पबेल फिलहाल छह महीने का नोटिस पीरियड पूरा कर रहे हैं और नए सीईओ की नियुक्ति तक कंपनी के साथ जुड़े रहेंगे। पिछले साल 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट के टेकऑफ के तुरंत बाद हुए भीषण हादसे के बाद से कैम्पबेल विल्सन लगातार आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं। इस दुर्घटना में बोइंग 787-8 विमान शामिल था, जिसमें सवार 242 में से 241 लोगों की मौत हो गई थी। एयर इंडिया फिलहाल कई चुनौतियों का सामना कर रही है, जिनमें विमान डिलीवरी में देरी भी शामिल है। इसके अलावा, सुरक्षा मानकों में लापरवाही को लेकर नियामक संस्थाओं ने एयरलाइन को फटकार भी लगाई है। आरोप है कि एयर इंडिया ने एक विमान को आठ बार बिना एयरवर्दीनेस सर्टिफिकेट के उड़ाया और आपातकालीन उपकरणों की जांच किए बिना भी उड़ानें संचालित कीं। एयरलाइन के सामने लगातार घाटा और धीमी गति से हो रहा टर्नअराउंड भी बड़ी चुनौती है।

अनंत अंबानी का बड़ा दान: केरल के दो मंदिरों को दिए 6 करोड़

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक, अनंत अंबानी ने केरल के दो प्रमुख धार्मिक स्थलों- राजराजेश्वरम मंदिर और गुरुवयूर मंदिर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कुल 6 करोड़ (प्रत्येक को 3 करोड़) का दान देने की घोषणा की। साथ ही, राजराजेश्वर मंदिर के व्यापक नवीनीकरण के लिए 12 करोड़ देने का संकल्प भी लिया। इसमें ऐतिहासिक पूर्वी गोपुरम के पुनरुद्धार का कार्य भी शामिल है। तालीपरबा स्थित राजराजेश्वरम मंदिर में दर्शन के दौरान अनंत अंबानी ने पोनुमकुदम, पट्टम, थाली और नेय्यमृतु निक्की और अश्वमेध जैसे पारंपरिक मानकों को नमस्कार किया। उन्होंने चल रहे मंदिर के कार्यों के लिए 3 करोड़ का चेक भी प्रदान किया। अनंत अंबानी ने अपने 12 करोड़ के विशाल संकल्प के तहत मंदिर के ऐतिहासिक पूर्वी गोपुरम के पुनरुद्धार में सहायता प्रस्ताव की घोषणा की। यह गोपुरम सौंदर्य और चरम दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है और करीब दो शताब्दियों से जीर्ण-शीर्ण अवस्था में थी। इस परियोजना से मंदिर वाले वास्तुशिल्प के लिए दुकानें और अन्य दर्शनीय स्थलों में भी सुधार किया जाएगा। इस अवसर पर उनके साथ उनके करीबी सहयोगी मौजूद थे। मंदिर प्रशासन ने पारंपरिक सम्मान के साथ उनका स्वागत किया। इस दौरान टिकेके देवस्वम के अध्यक्ष टी.पी. विनोद कुमार, कार्यकारी अधिकारी के.पी. विनीन, मुख्य पुजारी ई.पी. कुबेरन नंबूथिरी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। अनंत अंबानी ने गुरुवायुर मंदिर का दौरा किया, जहां उन्होंने भगवान गुरुवायुरप्पन की पूजा-अर्चना की और मंदिर ट्रस्ट को 3 करोड़ का दान दिया। पशु संरक्षण के प्रति अपनी पुस्तक को आगे बढ़ाते हुए, उन्होंने गुरुवायुर मंदिर के कल्याण के लिए इच्छा जताई। इनमें सबसे पहले एक समर्पित हाथी अस्पताल, बिना जंजीर वाला आश्रय (चेन-मुक्त आश्रय) और आधुनिक सुविधाओं का विकास शामिल है, जिसमें हाथियों की देखभाल के लिए सुविधाएं, वैज्ञानिक और भर्ती के तरीके शामिल हैं। गुरुवायूर में उनका स्वागत देवस्वम मराठा ए.वी. गोपीनाथ और अन्य अधिकारियों ने किया। इस अवसर पर अनंत अंबानी ने कहा कि भारत की आध्यात्मिक परंपराएं केवल पूजा स्थल नहीं हैं, बल्कि जीवंत संस्थाएं हैं जो आस्था, समाज, करुणा और प्रकृति से हमारे गहरे संबंधों को मजबूत करती हैं। पवित्र मंदिरों को सुरक्षित रखना हमारा सामूहिक दायित्व है।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर 24 तारीख को हस्ताक्षर होने की उम्मीद

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारत और न्यूजीलैंड के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) पर 24 अप्रैल को हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। इस समझौते से भारतीय निर्यातकों को द्वीपीय देश न्यूजीलैंड के बाजार में अपने उत्पादों के लिए जीरो-टैरिफ पहुंच मिलेगी और अगले 15 साल में करीब 20 अरब डॉलर का निवेश आने की उम्मीद है। दोनों देशों ने पिछले साल 22 दिसंबर को इस व्यापार समझौते पर बातचीत पूरी होने की घोषणा की थी। इस समझौते का लक्ष्य अगले 5 सालों में द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर 5 अरब डॉलर करना है। एक अधिकारी ने बताया कि इस समझौते पर भारत मंडपम में 24 अप्रैल को हस्ताक्षर किए जाने की उम्मीद है। समझौते के तहत भारत को अपने 100 प्रतिशत निर्यात पर जीरो-टैरिफ बाजार पहुंच मिलेगी, जबकि न्यूजीलैंड के भारत को होने वाले 95 प्रतिशत निर्यात पर टैरिफ खत्म किया जाएगा या कम किया जाएगा। इसमें ऊन, कोयला, लकड़ी, वाइन, एवोकाडो और ब्लूबेरी जैसे उत्पाद शामिल हैं। किसानों और घरेलू उद्योग की सुरक्षा के लिए भारत ने दूध, क्रीम, व्हे, दही और पनीर जैसे दुग्ध उत्पादों तथा प्याज, चीनी, मसाले, खाद्य तेल और रबड़ के आयात पर कोई छूट नहीं दी है। इस समझौते के तहत न्यूजीलैंड को भेड़ का मांस, ऊन, कोयला और 95 प्रतिशत से ज्यादा वन और लकड़ी उत्पादों पर भी जीरो-टैरिफ पहुंच मिलेगी। सर्विस सेक्टर में न्यूजीलैंड कुशल पेशों में भारतीय पेशेवरों के लिए अस्थायी रोजगार प्रवेश वीजा उपलब्ध कराएगा। इसके तहत सालाना 5,000 वीजा जारी किए जाएंगे और अधिकतम 3 साल तक रहने की अनुमति होगी। इस व्यवस्था में आयुष डॉक्टर, योग ट्रेनर, भारतीय शेफ और म्यूजिक टीचर जैसे पेशे शामिल होंगे। इसके अलावा इंन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, हेल्थ सर्विस, एजुकेशन और कंस्ट्रक्शन जैसे ज्यादा मांग वाले सेक्टरों को भी शामिल किया गया है, जिससे वर्कफोर्स की आवाजाही और सर्विस सेक्टर को मजबूती मिलेगी। वित्त वर्ष 2024-25 में दोनों देशों के बीच वस्तु व्यापार 1.3 अरब डॉलर रहा। साल 2024 में वस्तुओं और सेवाओं का कुल व्यापार करीब 2.4 अरब डॉलर रहा, जिसमें केवल सेवाओं का व्यापार 1.24 अरब डॉलर था। इसमें पर्यटन, इंन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी और प्रोफेशनल सर्विस की प्रमुख भूमिका रही।

दैनिक ठाणे, बुधवार 8 अप्रैल, 2026

हिंदमाता मिरर

पैनी नजर, पुख्ता खबर

GAME & GLAMOUR

सिर्फ दिल छूने वाली फिल्मों को कहती हैं हां मृणाल

इन दिनों अपनी आगामी फिल्म डकैत को लेकर सुर्खियों में हैं। अपनी बेहतरीन अदाकारी और समझदारी भरे फिल्म चुनाव के लिए मशहूर Dacoit ने हाल ही में एक ऐसा खुलासा किया है, जिसने इंडस्ट्री में हलचल मचा दी है।

क्वालिटी के लिए बड़े ऑफर्स को कह रहीं ना

फिल्म Dacoit के ट्रेलर लॉन्च के दौरान मृणाल ने बताया कि वह जानबूझकर बड़े बैनर और भारी-भरकम बजट वाली फिल्मों के प्रस्ताव ठुकरा रही हैं। उनका मानना है कि Sita Ramam , Hi Nanna जैसी फिल्मों की अपार सफलता के बाद दर्शकों की उम्मीदें उनसे काफी बढ़ गई हैं। मृणाल ने बड़ी बेबाकी से कहा की बड़े प्रोजेक्ट्स और शानदार पैकेज का लालच आना स्वाभाविक है लेकिन मैं अपने काम की क्वालिटी से समझौता नहीं करना चाहती। इसलिए, बहुत भारी मन से ही सही, पर मैं बड़े फिल्ममेकर्स को मना कर देती हूं ताकि सही कहानी का चुनाव कर सकूं। मृणाल का मानना है कि सीता महालक्ष्मी (सीता रामम) और यश्ना (हाय नन्ना) जैसे किरदारों ने उनके करियर के लिए एक ऊंचा मानक तय कर दिया है।

फिल्म डकैत की कहानी और रिलीज डेट

अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर की जोड़ी पहली बार पर्दे पर धमाल मचाने को तैयार है। फिल्म के ट्रेलर को दर्शकों का जबरदस्त रिस्पांस मिल रहा है। फिल्म एक ऐसे व्यक्ति की है जिसे झूठे इल्जाम में जेल भेज दिया जाता है। जेल से फरार होने के बाद वह उस महिला से बदला लेने लौटता है जिसने उसे धोखा दिया था। लेकिन जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, अतीत के कई गहरे राज सामने आते हैं। डकैत 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। मृणाल का यह स्टैंड साबित करता है कि वह केवल एक स्टार नहीं, बल्कि एक गंभीर एक्ट्रेस बनना चाहती हैं जो संख्या से ज्यादा किरदारों की गहराई को महत्व देती हैं।

कोलकाता में कालीघाट मंदिर दर्शन करने पहुंचीं कंगना रनौत

अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत कोलकाता पहुंचीं। इस दौरान वे कालीघाट काली मंदिर के दर्शन करने पहुंचीं। कंगना ने इस प्रसिद्ध मंदिर में महामाया मां काली का आशीर्वाद लिया और प्रार्थना की। उन्होंने मां काली के चरणों में पुष्पांजलि अर्पित की।

विधानसभा चुनाव से पहले कोलकाता पहुंचीं कंगना

पश्चिम बंगाल में इस महीने विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। पहले चरण के लिए 23 अप्रैल को मतदान होना है। दूसरे चरण में 29 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। वहीं, परिणाम 4 मई को आएगा। इससे पूर्व हिमाचल प्रदेश के मंडी से भाजपा सांसद कंगना रनौत कोलकाता पहुंचीं और मंदिर दर्शन किए। उनकी फोटोज सोशल मीडिया पर सामने आई हैं।

पारंपरिक अंदाज में पहुंचीं मंदिर

कंगना रनौत साड़ी पहनकर ट्रेडिशन लुक में नजर आईं। पिंक कलर की सिल्क साड़ी के साथ उन्होंने पारंपरिक गहनों से अपना लुक कंपलीट किया है। कालीघाट मंदिर के अलावा कंगना ने कोलकाता में नकुलेश्वर भैरव मंदिर में भी दर्शन किए।

कंगना रनौत की पर्दे पर वापसी

अभिनय की दुनिया से कंगना अब राजनीति में सक्रिय हैं। वे राजनीति में अपने बेबाक बयानों को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। कंगना पर्दे से काफी वक्त से दूर हैं। आखिरी बार उन्हें 'इमरजेंसी' में देखा गया था, जिसका निर्देशन भी उन्होंने ही किया था। हालांकि, अब वे कमबैक करने वाली हैं। वे 'भारत भाग्य विधाता' फिल्म में नजर आएंगी। फिल्म के निर्देशक मनोज तापड़िया हैं। यह राष्ट्रभक्ति फिल्म है।

अब वरुण चक्रवर्ती भी हुए चोटिल

आईपीएल 2026 में खिलाड़ियों की चोट की समस्या से जूझ रही कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को एक और झटका लगा है। टीम के स्टार स्पिनर वरुण चक्रवर्ती चोटिल हो गए हैं जिस कारण वह पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में नहीं खेल रहे हैं। कोलकाता के लिए आईपीएल के 19वें सीजन की शुरुआत अच्छी नहीं रही है और टीम ने पहले दो मैच गंवाए हैं।

सैनी-पॉवेल को मिला मौका

कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया है। केकेआर ने इस मैच के लिए दो बदलाव किए हैं। रहाणे ने टॉस के दौरान बताया कि वरुण चक्रवर्ती पिछले मैच में कैच लेते वक्त चोटिल हो गए थे जिस कारण वह इस मैच का हिस्सा नहीं हैं। वहीं, सुनील नरेन को भी प्लेइंग-11 में जगह नहीं दी गई है क्योंकि वह बीमार हैं। वरुण और नरेन की जगह रोवमैन पॉवेल और नवदीप सैनी को जगह मिली है। वहीं, पंजाब ने अपनी प्लेइंग-11 में कोई बदलाव नहीं किया है। केकेआर की टीम गेंदबाजों की चोट से जूझ रही है। तेज गेंदबाज हर्षित राणा और आकाश दीप आईपीएल 2026 का सीजन शुरू होने से पहले ही चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे, जबकि श्रीलंकाई तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना अभी पूरी तरह फिट नहीं हुए हैं जिस कारण उन्हें श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड से आईपीएल में खेलने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) नहीं मिल सका है। ऐसे में अब वरुण के चोटिल होने से टीम की मुश्किलें बढ़ गई हैं। हालांकि, वरुण की चोट कितनी गंभीर है इसका खुलासा रहाणे ने नहीं किया है।

इस मैच के लिए दोनों टीमों की प्लेइंग-11

पंजाब किंग्स : प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (कप्तान), कूपर कोनोली, नेहल वढेरा, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, मार्को यानसेन, जैवियर बार्टलेट, विजयकुमार विशाक, अर्शदीप सिंह, युजवेंद्र चहल।

इम्पैक्ट सब : प्रियांश आर्या, सूर्यांश शेडगे, विष्णु विनोद, प्रवीण दुबे, हरप्रीत बरार।

केकेआर : फिन एलेन, अजिंक्य रहाणे (कप्तान), कैमरन ग्रीन, अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), रोवमैन पॉवेल, रिंकू सिंह, रमनदीप सिंह, अनुकूल रॉय, नवदीप सैनी, वैभव अरोड़ा, कार्तिक त्यागी।

इम्पैक्ट सब : ब्लेसिंग मुजरबानी, मनीष पांडे, तेजस्वी सिंह, राहुल त्रिपाठी, सौरभ दुबे।

वर्दी पहनते ही रीढ़ की हड्डी को अकड़ मिल जाती है: अक्षय कुमार

एक्टर अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर सुर्खियों में हैं। इसका ट्रेलर रिलीज हो चुका है। इस बीच हाल ही में एक्टर ने क्विज रियलिटी शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' में सेनाधिकारी की भूमिका अदा करने का अनुभव शेयर किया। उन्होंने सेना की वर्दी पहनने पर कुछ ऐसा कहा, जिसने लोगों का दिल जीत लिया है। एक्टर बोले कि वर्दी पहनते ही रीढ़ की हड्डी सीधी हो जाती है। अक्षय ने एक सेनाअधिकारी की वर्दी पहनने के बाद भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक रूप से होने वाले बदलाव का जिक्र किया। अक्षय कुमार ने कहा कि एक बात मैं सब से जरूर कहना चाहूंगा कि जब आदमी वर्दी पहनता है ना, अपने आप रीढ़ की हड्डी को एक अकड़ मिल जाती है। मुझे नहीं पता क्या है? आप सूट पहनो, अकड़ नहीं मिलेगी। लेकिन, जब आप वर्दी पहनते हो, रीढ़ की हड्डी में पता नहीं कहां से वो जोश आता है...तड़ाक कर के सीधी हो जाती है।

अक्षय कुमार की फिल्म 'भूत बंगला' कब रिलीज होगी?

अक्षय ने फिल्म से जुड़ी कुछ लाइनें सुनाते हुए कहा कि मेरी वर्दी मेरी आदत है, जैसे सांस लेना। अपने देश की रक्षा करना, ये झिझक के बिना, निस्वार्थ अपना फर्ज निभाना। मुझे अभी भी सारी लाइनें याद हैं'। बात करें अक्षय कुमार की फिल्म 'भूत बंगला' की तो यह फिल्म 16 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

'रुस्तम'का अनुभव किया साझा

अक्षय कुमार ने सेना के अधिकारी की भूमिका निभाने को लेकर कहा कि किसी भूमिका के लिए वर्दी पहनने से भी मुद्रा और माइंडसेट में बदलाव आता है। उन्होंने आगे कहा कि जैसा मैं 'रुस्तम' फिल्म के अंदर खड़ा था, मुझे नहीं लगता मैं हमेशा ऐसा खड़ा हो सकता हूं। वो नकली वर्दी थी, लेकिन वर्दी की बात ही अलग होती है'। बता दें कि अक्षय ने फिल्म 'रुस्तम' में नेवी ऑफिसर की भूमिका अदा की। इस फिल्म में अपने प्रदर्शन के लिए उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला था।

जल्द शुरू होगी फिल्म की शूटिंग: परेश रावल

फिल्म Hera Pheri 3 को लेकर दर्शकों में काफी समय से उत्साह बना हुआ है लेकिन कुछ समय से अफवाहों कि वजह यह सुनने को मिल रहा था कि मूवी में देरी का सामना करना पड़ेगा। अब अभिनेता परेश रावल ने इन अफवाहों पर खुद प्रतिक्रिया दी है और साफ कर दिया है कि फिल्म में किसी तरह की देरी नहीं हो रही है।

जल्द शुरू होगी फिल्म की शूटिंग

परेश रावल ने अपनी आने वाली फिल्म Bhoot Bangla के प्रमोशन के दौरान Hera Pheri 3 को लेकर बात की। उन्होंने फिल्म में देरी की खबरों को पूरी तरह गलत बताया और कहा कि यह फिल्म जरूर बनेगी। उन्होंने कहा कि लोगों को अफवाहों पर ध्यान नहीं देना चाहिए क्योंकि Hera Pheri 3 बन रही है और वह जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू करने वाले हैं।

पहले भी आई थीं फिल्म छोड़ने की खबरें

बता दें कि जब से Hera Pheri 3 का ऐलान हुआ है, तब से यह फिल्म लगातार चर्चा में बनी हुई है। कुछ समय पहले ऐसी खबरें आई थीं कि परेश रावल इस फिल्म से अलग हो गए हैं। इसके बाद यह भी खबर सामने आई कि अक्षय कुमार ने उन पर 25 करोड़ रुपए के हर्जाने का केस किया है। हालांकि बाद में दोनों ने आपस में मामला सुलझा लिया और केस वापस ले लिया गया। अब परेश रावल फिर से इस फिल्म का हिस्सा हैं।

Bhoot Bangla इस दिन होगी रिलीज

अगर बात करें फिल्म Bhoot Bangla की तो यह 16 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। यह एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म है, जिसमें अक्षय कुमार मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया है और खास बात यह है कि अक्षय कुमार और प्रियदर्शन करीब 14 साल बाद किसी फिल्म में साथ काम कर रहे हैं। फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा तब्बू, परेश रावल, राजपाल यादव, असरानी, मिथिला पालकर और वामिका गब्बी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

निया का बोल्ड अवतार

भारतीय टेलीविजन की सबसे चर्चित और साहसी अभिनेत्रियों में शुमार निया शर्मा एक बार फिर अपने अनोखे फैशन सेंस को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में एक रियलिटी शो के सेट से उनकी कुछ तस्वीरें वायरल हुई हैं, जिनमें वह लाल गुलाबों से सजी एक बेहद ही कलात्मक ड्रेस में नजर आ रही हैं। निया के इस लुक ने सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी है और उनके इस फ्लोरल आर्ट अवतार को साल का सबसे बोल्ड फैशन स्टेटमेंट माना जा रहा है।

फूलों की रानी बनकर उतरीं निया

वायरल हो रही तस्वीरों में निया शर्मा ने गहरे लाल रंग की टू-पीस ड्रेस पहनी है, जो पूरी तरह से 3D गुलाब के फूलों से निर्मित प्रतीत होती है। उनके ऊपरी हिस्से (ब्लाउज) पर बड़े-बड़े गुलाब के फूल सजे हैं, जो वन-शोल्डर स्ट्रैप के साथ जुड़े हुए हैं। वहीं, उनकी स्कर्ट के ऊपरी घेरे पर भी गुलाबों का एक भारी गुच्छा बनाया गया है, जो उनके फिगर को एक नाटकीय और ग्लैमरस लुक दे रहा है।

कॉन्फिडेंस और ग्लैमर का मेल

स्टेज पर कैद की गई इन तस्वीरों में निया का आत्मविश्वास देखते ही बनता है। एक तस्वीर में जहां वह हाथ से इशारा करते हुए कुछ संवाद कर रही हैं, वहीं दूसरी तस्वीर में वह जमीन पर बैठकर कैमरे की ओर तीव्रता से देखते हुए पोज दे रही हैं। उनके स्मोकी आई मेकअप, मोतियों वाले इयररिंग्स और सलीके से बंधे बालों ने इस पूरे लुक को एक इंटरनेशनल रेड कार्पेट जैसा फील दिया है।

फैंस और ट्रोलर्स के बीच छिड़ी जंग

हमेशा की तरह, निया का यह लुक सामने आते ही इंटरनेट दो हिस्सों में बंट गया है। प्रशंसकों का कहना है कि निया हमेशा कुछ नया करने की हिम्मत रखती हैं। यह केवल कपड़े नहीं, बल्कि एक कला है। वहीं दूसरी तरफ उनके आलोचकों का कहना है कि कुछ लोग इसे अजीबोगरीब बता रहे हैं और इसकी तुलना मशहूर फैशन इवेंट मेट गाला के लुक्स से कर रहे हैं। निया शर्मा ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उन्हें एशिया की सबसे सेक्सी महिलाओं की सूची में क्यों गिना जाता है और क्यों उन्हें टीवी की Fashion Diva कहा जाता है। फिलहाल उनकी ये तस्वीरें हर तरफ चर्चा का विषय बनी हुई हैं।

उनके साथ मैं बिल्कुल बच्चे जैसी बन जाती हूं: जान्हवी कपूर

जान्हवी कपूर हाल ही में 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' फिल्म में नजर आईं थी। इनमें उनके साथ वरुण धवन, रोहित शरफ और सान्या मल्होत्रा भी अहम किरदार में नजर आए थे। राज शमानी को दिए इंटरव्यू में जान्हवी कपूर ने अपने बॉयफ्रेंड के बारे में खुलकर बातचीत की, और बताया कि उन्हें बॉयफ्रेंड के साथ कितना सुरक्षित और अपनापन महसूस होता है।

कौन हैं जान्हवी कपूर के बॉयफ्रेंड?

जान्हवी कपूर और शिखर पहाड़िया एक दूसरे को काफी वक्त से डेट कर रहे हैं। वे अक्सर पार्टी, फैमिली फंक्शन और इवेंट्स में साथ नजर आते हैं। हाल ही में राज शमानी के साथ पॉडकास्ट में उन्होंने अपने रिलेशनशिप के बारे में खुलकर चर्चा की।

उनके साथ मैं बिल्कुल बच्चे जैसी बन जाती हूं

जान्हवी ने शिखर के बारे में बात करते हुए कहा कि प्यार की वजह से मैं उनके साथ खुद का सबसे सच्चा वर्जन बन पाती हूं। मुझे एक ऐसा सुरक्षित एहसास मिला है, जहां मैं अपने दिल की बात सुन सकती हूं और उस पर भरोसा कर सकती हूं। उनकी मौजूदगी हमेशा मुझे यही एहसास देती है। उन्होंने आगे कहा कि उनके साथ मैं बिल्कुल बच्चे जैसी बन जाती हूं। यह एक ऐसी जगह है जहां मैं बिना किसी झिझक के खुद रह सकती हूं। उनके साथ मुझे सबसे ज्यादा मजा आता है।

शिखर पहाड़िया के बारे में

शिखर पहाड़िया पूर्व गृह मंत्री सुशीलकुमार शिंदे के नाती हैं। उनकी मां स्मृति शिंदे एक एक्ट्रेस हैं। उनके बड़े भाई वीर पहाड़िया ने हाल ही में फिल्म स्काई फोर्स से बॉलीवुड डेब्यू किया, जिसमें अक्षय कुमार, निम्रत कौर और सारा अली खान भी नजर आए।

जाह्नवी कपूर का अगला प्रोजेक्ट

वर्कफ्रंट की बात करें तो जान्हवी कपूर जल्द ही लक्ष्य और टाइगर श्रोफ के साथ धर्मा प्रोडक्शंस की अगली एक्शन फिल्म 'लग जा गले' में नजर आ सकती हैं। खबरों के मुताबिक, इस फिल्म की शूटिंग पिछले महीने मुंबई में शुरू हो चुकी है, जिसे राज मेहता डायरेक्ट कर रहे हैं।

यामी गौतम ने सारा अर्जुन की तारीफ की

फिल्म 'धुरंधर 2' की कामयाबी से आदित्य धर के साथ उनकी पत्नी यामी गौतम भी खुश हैं। उन्होंने 'धुरंधर 2' की लीड एक्ट्रेस सारा अर्जुन की तारीफ की है। उन्होंने युवा अभिनेत्री के अभिनय और लगन की जमकर सराहना की है। आइए देखते हैं कि यामी ने सारा अर्जुन के बारे में क्या कहा? हाल ही में सारा अर्जुन ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया। इसमें उन्होंने फिल्म के सेट के पीछे की तस्वीरें शेयर की। एक लंबे नोट में, उन्होंने आदित्य धर, प्रोडक्शन हाउस, कॉस्ट्यूम डिजाइनरों, कास्टिंग डायरेक्टर, एडिटर, सिनेमैटोग्राफर और फिल्म पर काम करने वाले हर व्यक्ति के प्रति अपना आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपनी पोस्ट का समापन इन शब्दों के साथ किया कि एक्टर पोस्टर पर दिखने वाले चेहरे होते हैं, लेकिन आप इस सिनेमा की रीढ़ हैं। धुरंधर की पूरी टीम का धन्यवाद।' इस पोस्ट पर यामी गौतम ने कमेंट किया। उन्होंने सारा की तारीफ की। उन्होंने लिखा कि तुम ही आज और कल हो, सारा... तुमने जो किया है, उस पर मुझे बहुत गर्व है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक नरेश पी. बजाज द्वारा बैरक नंबर 887/27 सेक्शन 18, उल्हासनगर -421 003, जिला ठाणे से प्रकाशित व सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, आमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनवाला क्रॉस रोड -2, जवाहरनगर के पास, फाटक पुल, गोरेगांव, मुंबई -63, (महाराष्ट्र) से मुद्रित। दूरध्वनि: 0251- 3238100, **कार्यकारी संपादक :** पंजू बजाज (पी. आर. बी. एक्ट के तहत कंटेट चयन के लिए जिम्मेदार) न्याय क्षेत्र ठाणे जिला। hindmatamirror1@gmail.com RNI. NO. MAHHIN/2011/43060 **स्थानीय संपादक :** शिवप्रताप